THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

सुप्रीम कोर्ट के क्रीमी लेयर पर टिप्पणी को लेकर विपक्ष पैदा कर रहा भ्रम

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक बार फिर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने विपक्ष पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) के बीच क्रीमी लेयर पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को लेकर लोगों के बीच भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है। >14

वर्ष-29 अंक : 141 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.7 2081 सोमवार, 12 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

उच्च उपज वाली फसलों की 109 किस्में जारी कीं

जलवायु का असर होगा कम किसानों को मिलेगा लाभ : मोदी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में फसलों की 109 उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल एवं जैव-सुदृढ़ किस्में जारी कीं। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम के दौरान किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है।

किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की :

इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की।

जारी की जाने वाली 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए। वहीं, बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागानों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2014 से ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए टिकाऊ खेती के तरीकों और जलवायु अनुकूल तरीकों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने लगातार 'जैव-सुदृढ़' किस्मों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और कुपोषण से निपटने के लिए उन्हें मध्याह्न भोजन योजना और आंगनवाड़ी सेवाओं जैसी सरकारी पहलों से जोड़ा है।

बजट में पीएम-प्रणाम योजना की घोषणा :

बता दें कि भारत सरकार पहले से ही पर्यावरण की चिंता के साथ हरित और टिकाऊ कृषि और अच्छी कृषि प्रथाओं के माध्यम से हरित कृषि को बढ़ावा दे रही है। यह राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) को लागू कर रहा है जो जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के तहत राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। एनएमएसए का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए रणनीतियों को विकसित और लागू करना है। इसके अलावा, सरकार ने बजट 2023-24 में धरती माता के पुनरुद्धार, जागरूकता, पोषण और सुधार के लिए प्रधानमंत्री कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) योजना की भी घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

शरद पवार ने पीएम मोदी के दावे पर उठाए सवाल

आय की बजाय किसानों की आत्महत्याएं दोगुनी हो गईं

सोलापुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने पीएम नरेंद्र मोदी के किसानों की आय दोगुनी करने के दावे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की आय तो नहीं बढ़ी, बल्कि उनकी आत्महत्याएं दोगुनी हो गईं हैं। किसानों को उपज की पर्याप्त कीमत नहीं मिल रही है। साथ ही वे कर्ज में डूब गए हैं।

सोलापुर के बार्शी में एक रैली को संबोधित करते हुए पवार ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय किसानों की आत्महत्याएं दोगुनी हो गईं हैं। समय की मांग है कि राज्य में सरकार बदली जाए और एक ऐसा शासन स्थापित किया जाए जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों की रक्षा करे।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने किसानों की कठिनाइयों को कम करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए काम नहीं किया। युवा नौकरी का संकट झेल रहे हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत पेंढारकर ने संभाला स्पीयर कोर का कार्यभार

मणिपुर संघर्ष को खत्म करना होगी चुनौती

डीमापुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना के स्पीयर कोर प्रमुख का कार्यभार लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस पेंढारकर ने संभाला। उन्होंने महू आर्मी वॉर कॉलेज के कमांडेंट बने लेफ्टिनेंट जनरल हरजीत सिंह साही की जगह ली। पेंढारकर के सामने मणिपुर में चल रहे जातीय संघर्ष को दूर करने की चुनौती होगी।

रक्षा विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक पेंढारकर ने 1990 में असम रेजीमेंट से कमीशन प्राप्त करने के बाद 34 साल के सेवाकाल में अलग-अलग कमांड और स्टाफ के पदों पर काम किया है।

रात को 9 के बाद बाहर ना घूमे पंजाब में यूपी व बिहार के लोगों के लिए सख्त पाबंदी

चंडीगढ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के गांवों में उत्तर प्रदेश और बिहार से आए काम करने वाले लोगों के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। कुराली गांव ने बाहरी लोगों (प्रवासियों) की एंट्री पर रोक लगाई है, जबकि खरार के जंडपुर गांव ने डिस्प्ले बोर्ड के जरिए 11 नए नियम जारी किए हैं। इन कायदे कानूनों में रात 9 बजे के बाद गांव में न घूमने, पुलिस वेरिफिकेशन कराने, और पान, गुटखा, व सिगरेट के सेवन पर पाबंदी शामिल हैं। इसके अलावा, एक कमरे में दो से अधिक लोग नहीं रह सकते, और किराएदारों को बगैर कपड़ों में घूमने या अवैध गतिविधियों में लिप्त होने पर मकान मालिक दोषी होंगे।

महबूबा मुफ्ती नहीं लड़ेंगी विधानसभा चुनाव

कहा- इसे तमाशा बना दिया गया है

श्रीनगर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती शनिवार को विधानसभा चुनाव लड़ने से मना करते हुए कहा कि यहां चुनाव कराने के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। चुनाव के नाम पर जम्मू कश्मीर के लोगों को बंदर का नाच नचाया जा रहा है जो सही नहीं है। चुनाव कराना है तो कराएं, नहीं कराना तो मत कराएं,लेकिन चुनाव के नाम पर तमाशा न किया जाए।

'लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है'

महबूबा मुफ्ती ने चुनाव आयोग के दौरे और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जाने की संभावना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह चुनाव तो छह साल पहले होना चाहिए था। शर्म की बात है कि जम्मू कश्मीर के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। साल 2019 के बाद से जिस तरह से जम्मू कश्मीर के साथ व्यवहार किया जा रहा है वह किसी लोकतांत्रिक मुल्क को शोभा नहीं देता। चुनाव तो एक सामान्य प्रक्रिया है,लेकिन जम्मू कश्मीर में इसे तमाशा बना दिया गया है।

चुनाव के नाम पर तमाशा किया जा रहा है- महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यहां चुनाव के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। यहां चुनाव की डुगडगी बजाकर जम्मू कश्मीर के लोगों को बंदर की तरह नचाने की कोशिश हो रही है। चुनाव आयोग के जम्मू कश्मीर दौरे को लेकर भी साधा निशाना चुनाव तो यहां के लोगों का संवैधानिक अधिकार है। चुनाव कराना है तो कराएं, नहीं कराना है तो मत कराएं,लेकिन यहां तमाशा न करें। चुनाव आयोग को यहां आने की क्या जरुरत थी, लोकसभा चुनाव हुए है तो क्या चुनाव आयोग को यहां के सुरक्षा परिदृश्य का नहीं पता था। जम्मू कश्मीर के लोगों के प्रति यह जो रवैया अपनाया जा रहा है, सही नहीं है। जम्मू कश्मीर के लोग चुनाव की कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। यह उनका संवैधानिक हक है। यह क्या सोचते हैं जब यहां चुनाव की डुगडगी बजाएं और जम्मू कश्मीर की जनता बंदर की तरह नाचना शुरू कर दें।

विधानसभा चुनाव लड़ने से किया इनकार

विधानसभा चुनाव में खुद लड़ने से इनकार करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुझे दूसरों का नहीं पता,लेकिन मैं पहले ही कह चुकी हूं कि मैं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने जा रही हूं। मैंने उस समय विधानसभा चुनाव लड़ा था जब हमारा अपना झंडा था, अपना निशान था, अपना संविधान था, हमारी विधानसभा कानून बना सकती थी, उस समय हमारी विधानसभा इस मुल्क की सबसे शक्तिशाली विधानसभा थी। आज विधानसभा में एक भी बिल बिना उपराज्यपाल की मर्जी के बिना नहीं लाया जा सकता, एक आईएएस अधिकारी को मुख्यमंत्री नहीं बदल सकता, आपको चपरासी लगाना होगा तो उपराज्यपाल की इजाजत लेनी है। जम्मू कश्मीर की विधानसभा को एक म्यूनिस्पल कमेटी से कमतर बना दिया गया है। मेरे लिए तो ऐसी विधानसभा का चुनाव लड़ना तो दूर उसके बारे में सोचना भी मुश्किल है।

कोयला लेकर जा रही मालगाड़ी के दो वैगन डिरेल, इंजन भी बेपटरी; पावर प्रोजेक्ट में मची खलबली

सोनभद्र, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कोयला लेकर जा रही मालगाड़ी के दो वैगन बेपटरी होने के बाद आपस में टकरा गए। इसके चलते इंजन भी बेपटरी हो गया। पावर प्रोजेक्ट के रेलपथ पर बांसी (बीना) के पास हुए हादसे की खबर से बिजली घर प्रबंधन में खलबली मच गई। राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना शक्तिनगर थाना क्षेत्र के बांसी इलाके में तकरीबन 11 बजे सुबह हुई। बताया जा रहा है कि यूपी सरकार के अनपरा थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयला एनसीएल की खड़िया कोयला खदान से जाता है। सुबह कोल हैंडलिंग प्लांट के (सीएचपी) शाइलो से कोयला भरने के बाद मालगाड़ी अनपरा के लिए निकली थी।

बांसी के समीप मालगाड़ी के इंजन से जुड़े दो वैगन डिरेल होने के बाद आपस में टकरा गए। इसके चलते इंजन भी ट्रैक छोड़ दिया। घटना के बाद काफी मात्रा में कोयला ट्रैक पर बिखर गया। हादसे की जानकारी के बाद पावर प्रोजेक्ट के अधिकारियों में खलबली मच गई। राहत बचाव का कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना के चलते ट्रैक पर माल वाहक ट्रेनों का परिचालन बंद हो गया है। अधिकारी घटना की वजह जानने की कोशिश के साथ परिचालन शुरू कराने में जुट गए हैं।

बांग्लादेश में हिंदू समाज

अपनी जान और अपनी इज्जत के लिए सड़कों पर उतर आया: उमा भारती

भोपाल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में खराब होते हालात को लेकर मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती का बयान सामने आया है। उमा भारती ने हिंदुओं को लेकर चिंता जताई है। उमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कई दिनों से बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों को लेकर बहुत चिंतित थी, कुछ बोल भी नहीं पा रही थी। उमा भारती ने आगे लिखा कि बांग्लादेश में जब खबर लगी है कि हिंदू समाज अपनी जान और अपनी इज्जत के लिए सड़कों पर उतर आया है तब राहत मिली। जिन्होंने लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी जी की सीटें कम हो जाने का आनंद उत्सव मनाया है वह बांग्लादेश से सबक सीखें। हम वहां के सभी अल्पसंख्यकों के साथ हैं, लेकिन कांग्रेस और पूरा विपक्ष चुप क्यों है? बांग्लादेश में हाल की हिंसा का कारण आरक्षण से जुड़ी एक समस्या है। 1971 के संघर्ष के दौरान जिन जवानों ने अपनी जान दी, उनके परिवारों को नौकरी में 30% आरक्षण देने की बात की गई थी। इसी मुद्दे को लेकर बांग्लादेश का युवा वर्ग असंतुष्ट हो गया और सड़कों पर उतर आया।

इस असंतोष ने बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं को जन्म दिया, जो सड़कों से लेकर संसद तक फैल गईं। बता दे उमा भारती से पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता सज्जन सिंह वर्मा का विवादित बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था कि श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह अब भारत में भी हालात बिगड़ सकते हैं। वर्मा ने आरोप लगाया कि जिस प्रकार श्रीलंका और बांग्लादेश में जनता ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए और प्रधानमंत्री के आवास में घुस गई, उसी तरह भारत में भी ऐसा हो सकता है, जब मोदी की नीतियों के खिलाफ जनता आंदोलन करेगी। बीजेपी के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वर्मा पर पलटवार किया।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, नाम सज्जन, सोच दुर्जन! कांग्रेस के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा है कि नरेंद्र मोदी की नीतियों के खिलाफ, एक दिन जनता प्रधानमंत्री निवास में घुसकर कब्जा कर लेगी।

बिजली का पोल बना काल करंट लगने से क्रिकेट खेल रहे बच्चे की मौत

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में बारिश का खंभा एक बार फिर काल बन गया। इस बार 13 साल के एक बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। इससे पहले सिविल सर्विस परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक अभ्यर्थी को ऐसी ही घटना में जान गंवानी पड़ी थी। घटना बाहरी दिल्ली के रणहौला इलाके की है। यहां क्रिकेट ग्राउंड पर करंट लगने से 13 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि दोपहर करीब 1।30 बजे पीसीआर कॉल मिली, जिसके बाद डीडीयू अस्पताल से सूचना मिली कि कोटला विहार फेज-2 में क्रिकेट ग्राउंड पर 13 वर्षीय एक लड़का क्रिकेट खेल रहा था, जब वह बॉल लेने के लिए मैदान के एक कोने में स्थित गौशाला में बिजली का तार ले जाने वाले लोहे के खंभे से करंट लगने से उसकी मौत हो गई।

हमें बेवकूफ मत बनाइये

एससी-एसटी सांसदों से पीएम मोदी की मुलाकात पर बोले प्रकाश आंबडेकर?

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससी-एसटी समुदाय के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की तस्वीर पर तंज करते हुए वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर ने कहा, कैमरा के लिए नौटंकी हो रही है। हमें बेवकूफ मत बनाइए। संवैधानिक संसोधन लाइए।" प्रकाश आंबेडकर ने रविवार को 'एक्स' पर लिखा, "क्या यह फोटोशूट सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पलट देगा जिसमें राज्य सरकारों को अनुसूचित जाति की सूची में सब- कैटिगरी बनाने कहा गया है? नहीं।" पीएम मोदी ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था,'अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से आज मुलाकात की। एससी/एसटी समुदायों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता और संकल्प दोहराया।" इस पर प्रकाश आंबेडकर ने लिखा कि आपके भरोसे का कोई मतलब नहीं है।

आरक्षण खतरे में है- प्रकाश आंबेडकर

प्रकाश आंबेडकर ने आगे लिखा, "आपको याद दिला दूं कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण के मामले में एससी और एसटी में क्रीमी लेयर को लागू करने और उनके उप-वर्गीकरण के पक्ष में दलीलें दी थीं। सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के फैसले को रद्द करने के लिए संवैधानिक संशोधन लेकर आएं।" अंत में आंबेडकर लिखते हैं, "आरक्षण खतरे में है।" सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने 1 अगस्त को यह टिप्पणी की थी कि एससी-एसटी में भी क्रीमी लेयर लागू करने पर विचार करना चाहिए। इसे लेकर दलित सांसदों ने पीएम से मिलकर अपनी चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अनुसूचित जाति और जनजाति में क्रीमी लेयर को लागू करने पर विचार करना चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था जिसमें कहा था कि हमारी सरकार बाबा साहेब के बनाए गए संविधान के प्रति प्रतिबद्ध है। संविधान में अनुसूचित जाति-जनजाति आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है। बाबा साहब के संविधान के अनुसार ही एससी और एसटी का आरक्षण जारी रहेगा।'

600 रुपये का चालान काटने पर इंजीनियर ने कर दी थी एसआई की हत्या, कोर्ट ने सुनाई 9 साल की सजा

भोपाल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में इंजीनियर ने ट्रैफिक पुलिस सब इंस्पेक्टर को 600 रुपए का चालान काटने पर चाकू मार दिया था। भोपाल क्राइम ब्रांच के सामने हुई इस घटना के बाद हड़कंप मच गया था। थाना एमपी नगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। करीब 3 वर्ष पहले हुई इस वारदात पर कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। आरोपी को 9 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। मामले में शनिवार को अमिताभ मिश्र डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन कोर्ट के जज ने आरोपी इंजीनियर को कुल 9 साल की सजा सुनाई है।

'उद्धव ठाकरे को हिंदी-अंग्रेजी नहीं आती

और दिल्ली में हिंदी और अंग्रेजी में बोलना पड़ता है ' नारायण राणे का तंज

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के दिल्ली दौरे को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने तंज किया है। राणे ने कहा कि दिल्ली में हिंदी और अंग्रेजी में बोलना पड़ता है लेकिन उद्धव ठाकरे को हिंदी और अंग्रेजी नहीं आती है। उन्हें तो बस मराठी भाषा बोलनी आती है। मराठी दिल्ली में चलती नहीं है। नारायण राणे ने कहा कि उद्धव ठाकरे को दिल्ली में कौन पूछता है। उनकी पार्टी बहुत छोटी सी है। दिल्ली में उनके होने से कुछ फर्क नहीं पड़ने वाला। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर थे। अपने दिल्ली यात्रा के दौरान उद्धव ठाकरे विपक्ष के कई बड़े नेताओं से भी मिले थे। उन्होंने इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कहा था कि सभी दलों से चर्चा चल रही है। बता दें कि मुंबई के बोरीवली कोराकेंद्र मैदान में तीसरा इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन करने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे पहुंचे। इस दौरान फेयर में लगे फूड स्टॉल और अन्य स्टॉल का उन्होंने निरीक्षण किया। नारायण राणे ट्रेड फेयर में लगे स्टाल पर गए और वहां से जरूरी सामान भी खरीदे।

वक्फ बोर्ड की जमीनों का हो रहा गलत इस्तेमाल- नारायण राणे

इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात की। राणे ने कहा कि मैंने लोकसभा में पेश हुए वक्फ एक्ट संशोधन बिल के बारे में भी अपनी बात रखी। वक्फ बोर्ड की जमीनों का गलत इस्तेमाल हो रहा है, यह बिल इसलिए लाया जा रहा है। लोकसभा में जिस वक्त वक्फ एक्ट संशोधन बिल पेश किया गया उस समय शिवसेना-यूबीटी के 9 सांसद गायब रहे। इसको लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में नारायण राणे ने कहा कि उन्हें वक्फ एक्ट के बारे में क्या पता है। उनके सांसदों को बिल पर जो कहना है वो कहेंगे।

38 की महिला ने 58 साल के पति को उतारा मौत के घाट

ठाणे, 11 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे इलाके में 38 वर्षीय महिला ने अपने 58 वर्षीय पति की हत्या कर दी। पति की हत्या करने में महिला ने अपने ड्राइवर का सहारा लिया है। 58 वर्षीय मृतक का शव भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस मामले की अधिक जानकारी देते हुए नवी मुंबई पुलिस ने कहा कि रविवार को एक महिला और उसके प्रेमी के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज किया गया है। नवी मुंबई टाउनशिप के पनवेल इलाके में खंडा कॉलोनी निवासी 58 वर्षीय शख्स की 8 अगस्त को मौत हो गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

कॉफी शॉप के महिला टॉइलेट में हो रही थी वीडियो रिकॉर्डिंग, पता चला तो मचा हड़कंप

बेंगलुरु, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक फेमस कॉफी आउटलेट के वॉशरूम में एक संदिग्ध मोबाइल कैमरा पाया गया है। जानकारी के मुताबिक वॉशरूम के डस्टबिन में मोबाइल कैमरा लगाया गया था और इसमें करीब दो घंटे की रिकॉर्डिंग भी थी। बीईएल रोड पर स्थित 'थर्ड वेव कॉफी' आउटलेट के वॉशरूम में कैमरा पाया गया है। आरोप है कि यहां काम करने वाले एक कर्मचारी ने ही यह हरकत की थी। इन्स्टाग्राम पर 'गैंग्स ऑफ सिनेपुर' नाम के एक हैंडल पर स्टोरी पोस्ट करके इस घटना के बारे में बताया गया है। इस स्टोरी में कहा गया। मैं बेंगलुरु के थर्ड वेव कॉफी आउटलेट में गया था। यहां एक महिला को वॉशरूम में फोन मिला जिसे डस्टबिन में छिपाया गया था।

कैसे हुई लेडी डॉक्टर के साथ दरिंगदी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुए कई खुलासे

कोलकाता, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 31 साल की लेडी डॉक्टर के साथ हैवानियत का मामला सामने आया था। इस मामले में कोलकाता पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संजय रॉय नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए आरोपी को पुलिस ने कोर्ट के समक्ष पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। बता दें कि ट्रेनी डॉक्टर शुक्रवार (08 अगस्त) को अर्धनग्न अवस्था में अस्पताल के मेमिनार हॉल में मृत पाई गई थी। लेडी डॉक्टर की शुरूआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न के बाद हत्या किए जाने का संकेत मिला है। लेडी डॉक्टर के गुप्तांग से खून बहने और शरीर के कई हिस्सों में चोटों के निशान थे। चार पन्नों की सामने आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि उसकी दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था, चेहरे और नाखून पर चोटें थीं। पीड़िता के निजी अंगों से भी खून बह रहा था। उसके पेट, बाएं पैर। गर्दन, दाएं हाथ, अनामिका और। होंठों पर भी चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 3 से 6 बजे के बीच की है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि उसकी गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई थी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि पहले लेडी डॉक्टर का गला घोंटा गया। कहा कि हम अभी पोर्टमार्टम की पूरी रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। खबर के मुताबिक, इस मामले में कोलकाता पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। इस मामले अस्पताल की एक डॉक्टर ने पीटीआई से बातचीत करते हुए बताया कि पीड़िता ने अपने जूनियर के साथ रात के करीब 2 **बजे खाना खाया था।** इसके बाद वह आराम करने के लिए सेमिनार रूम में चली गई, क्योंकि कोई अलग से कोई रूम उपलब्ध नहीं था। डॉक्टर ने बताया कि सुबह हमें उसका शव वहीं मिला। वहीं, इस मामले में सीएम ममता बनर्जी ने कहा,'ये बलात्कारी, जो समाज में रहने के लायक नहीं हैं, उनका एनकाउंटर या फांसी के जरिए निपटारा किया जाना चाहिए।'

क्या मेरे बैग में कोई बम है? कोच्चि एयरपोर्ट पर एअर इंडिया का पैसेंजर गिरफ्तार, जाने मामला

कोच्चि, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पैसेंजर को गिरफ्तार कर लिया गया। पैसेंजर का नाम मनोज कुमार है। उसे एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 682) से कोच्चि से मुंबई जाना था। एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम चेकपॉइंट पर चेकिंग के दौरान मनोज ने सीआईएसएफ अफसर से पूछ लिया, क्या मेरे बैग में कोई बम है? मनोज के बयान ने वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों की टेंशन बढ़ा दी। कोच्चि एयरपोर्ट ने बयान जारी कर इस मामले की पूरी जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा जांच के दौरान मनोज कुमार ने सीआईएसएफ अधिकारी से पूछा, क्या मेरे बैग में कोई बम है? इस बयान ने तत्काल चिंता पैदा कर दी और एयरपोर्ट की सुरक्षा टीम को त्वरित कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने फैरन बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) को बुलाया। बीडीडीएस ने यात्री के केबिन का निरीक्षण किया और सामान की जांच की। जरूरी जांच के बाद पुलिस ने पैसेंजर मनोज कुमार को आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एअर इंडिया की फ्लाइट अपने तय समय से रवाना हो गई। आजकल आए दिन फ्लाइट में बम की धमकी और एयरपोर्ट पर बम की अफवाह जैसी खबरें आती रहती हैं। इन खबरों से तत्काल वहां हड़कंप तो मच जाता है लेकिन बाद में यह फॉल्स साबित होता है। कुछ दिन पहले इंडिगो की फ्लाइट में 'बम' की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया था। इसके कारण विमान तक को खाली कराना पड़ा था लेकिन लखनऊ से आबूधाबी के लिए उड़ान भरने वाला था। विमान के शौचालय के पास किसी ने बम लिख दिया था। जानकारी मिलते ही केबिन क्रू ने एटीसी को बताया। विमान को तुरंत खाली कराया गया। मतलब एकदम से अफरा तफरी मच गई। बाद में जांच के बाद पता चला कि यह महज अफवाह थी।

ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

खंडवा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में ट्रेन के आगे कूदकर बिहार का एक युवक आत्महत्या कर ली है। युवक को पहले दो बार आत्महत्या करने के प्रयास से रोका गया था। हालांकि, आत्महत्या का कारण अभी साफ नहीं है। युवक की तबीयत खराब होने के चलते खंडवा स्टेशन पर उतर गया था। उसके बाद उसने चाकू से दो बार अपना गला काटने का प्रयास किया था। सुरक्षाकर्मी उसे लेकर थाने पहुंचे। वहां पुलिस ने उसकी काउंसलिंग की और उसे बिहार वापस जाने का कह कर लौटा दिया। युवक रेलवे स्टेशन पर पहुंचा और मालगाड़ी के सामने छलांग लगा दी। इससे पहले पुलिसकर्मियों ने युवक से उसका नाम पता पूछ कर उसके आत्महत्या करने के कारण को जानने की कोशिश की। उसे समझाइश देकर लिखवाया गया कि वह अब इस तरह का कदम नहीं उठाएगा।

मणिपुर में कहीं मुठभेड़ तो कहीं हो गया ब्लास्ट, 4 की मौत-पूर्व विधायक की पत्नी का भी निधन

इंफाल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में हाल ही में दो मामले सामने आए हैं, पहला एक मुठभेड़ का और दूसरा ब्लास्ट का। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में शुक्रवार को यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) के उग्रवादियों और ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच मुठभेड़ हुई, इस मुठभेड़ में दोनों तरफ से गोलीबारी भी हुई। इस गोलीबारी में चार लोग मारे गए। यूकेएलएफ का एक आतंकवादी और उसी समुदाय के तीन ग्रामीण स्वयंसेवक गोलीबारी में मारे गए। उग्रवादियों और स्वयंसेवकों के बीच हुई इस मुठभेड़ के बाद, अपने तीन लोगों की हत्या से कुकी समुदाय के लोग गुस्से में थे, जिसके चलते गांव के स्वयंसेवकों ने यूकेएलएफ के अध्यक्ष एसएस हाओकिप के घर को आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, हालांकि हालात काबू में है। दूसरी तरफ अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक बम विस्फोट हुआ था, जिसमें एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम सैकुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के पास मौजूद एक घर में ब्लास्ट किया गया। अधिकारियों ने कहा कि हाओकिप की दूसरी पत्नी सपम चारुबाला ब्लास्ट में घायल हो गई थी और उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। जब विस्फोट हुआ तब पूर्व विधायक हाओकिप भी अपने घर में ही थे लेकिन वो सुरक्षित बच गए और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछले साल मई के महीने से पूरे देश का ध्यान मणिपुर की तरफ आकर्षित हुआ है,

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर संजय सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हिंडनबर्ग की नई रिसर्च सामने आने के बाद केंद्र सरकार, सेबी अध्यक्ष और पीएम मोदी के परम मित्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों का हजारों करोड़ रुपये डूब गए। मॉरीशस में फर्जी कंपनियां बनाकर हजारों करोड़ रुपये पूंजीपति मित्र ने निकाले। इसके लिए सिर्फ केंद्र सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जब तक पीएम नरेंद्र मोदी अपने पद पर बने रहेंगे, तब तक इसकी निष्पक्ष जांच संभव नहीं है, इसलिए पीएम मोदी अपनेपद से इस्तीफा दें। उन्होंने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग की है। संजय सिंह ने कहा कि पीएम के पूंजीपति मित्र के भ्रष्टाचार को उजागर करने की सजा छह महीने जेल के रूप में मुझे मिली। उन्होंने कहा कि जब 18 महीने पहले हिंडनबर्ग की पहली रिपोर्ट आई तो तो सभी अचंभित हुए थे। इस रिपोर्ट की वजह से देश की जनता का आठ लाख 50 हजार करोड़ रुपये डूब गए। उसी समय मैंने, इसकी जांच जेपीसी से कराने की मांग की थी। आप सांसद संजय सिंह ने हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम घोटालेबाजों को इकट्ठा कर मनी लॉन्ड्रिंग के माध्यम से मॉरीसस में फजी कंपनियां बनाई गई। उन्हीं कंपनियों के जरिए फर्जी कंपनियों के शेयर को ओवर वैल्यू करने के लिए विदेशों से पैसा लगाया गया। इससे छोटे निवेशकों का का नुकसान हुआ। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की नई रिसर्च आने के बाद से भारत में विपक्षी दलों के नेताओं ने एक बार फिर केंद्र सरकार और अडानी पर हमला बोल दिया है। विरोधी दलों के नेताओं ने इसके लिए हिंडनबर्ग की भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ एक नई रिसर्च रिपोर्ट को आधार बनाया है। आप सांसद संजय सिंह ने इस मसले पर नई रिपोर्ट सामने आने के बाद केंद्र और बीजेपी की अडानी से सांठगांठ को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा, हिंडनबर्ग खुलासे की भनक सरकार को लग गई थी। तीन दिन पहले पीएम मोदी ने संसद का सत्र समाप्त कर दिया। मोदी सरकार सिर से पांव तक भ्रष्टाचार में डूबी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: बुद्धिमान लोग इसलिए बोलते हैं क्योंकि उनके पास कहने को कुछ होता है; मूर्ख लोग इसलिए बोलते हैं क्योंकि उन्हें कुछ कहना होता है।

केटीआर ने नरसय्या की रिहाई के लिए विदेश मंत्री को पत्र लिखा

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने सिरिसिला जिले के थंगल्लापल्ली मंडल के चीरलवंचा गांव के निवासी 62 वर्षीय नरसय्या को समर्थन का आश्वासन दिया है, जो वर्तमान में अपना पासपोर्ट खो जाने के बाद बहरीन की जेल में फंसे हुए हैं। केटीआर ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को एक पत्र लिखकर नरसय्या को भारत वापस लाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। कई वर्षों से लापता नरसय्या को पासपोर्ट संबंधी समस्याओं के कारण बहरीन की जेल में पाया गया। नरसय्या 28 वर्ष पहले काम के लिए बहरीन गए थे, लेकिन वैध पासपोर्ट और वर्क परमिट के बिना वहां फंस गए। 1996 में बहरीन गए नरसय्या ने अरब इंजीनियरिंग एंड कॉन्ट्रैक्टिंग कंपनी में तीन साल तक राजमिस्त्री का काम किया। अगस्त 1999 में वर्क परमिट खत्म होने के बावजूद उन्होंने वहां काम करना जारी रखा। उनका पासपोर्ट 2001 में खत्म हो गया था, लेकिन बहरीन स्थित भारतीय दूतावास ने इसे रिन्यू कर दिया। हालांकि, रिन्यू किए गए पासपोर्ट की भी अवधि खत्म हो गई और नरसय्या ने इसे खो दिया। वैध वर्क परमिट और पासपोर्ट के बिना, बहरीन पुलिस ने उन्हें देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया।

उनकी पत्नी लक्ष्मी, बेटियों सोना और अपर्णा और बेटे बाबू ने उनके भारत लौटने की अपील की है। नरसय्या की दुर्दशा के बारे में जानने के बाद केटीआर ने प्रतिक्रिया दी और उन्हें भारत वापस लाने के लिए पूरा समर्थन देने का वादा किया। उन्होंने विदेश मंत्रालय से पहल करने और नरसय्या के लिए एक अस्थायी पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध किया। केटीआर ने राज्य सरकार से भी नरसय्या के लिए पासपोर्ट जारी करने सहित इस मामले में पूरा सहयोग देने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव के कार्यालय को पत्र लिखकर नरसय्या की वापसी के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नरसय्या को रिहा करने और भारत वापस भेजने के लिए, एक भारतीय नागरिक के रूप में उसकी पहचान बहरीन के अधिकारियों के समक्ष पुष्टि की जानी चाहिए। बहरीन सरकार के श्रम बाजार नियामक प्राधिकरण ने बहरीन में भारतीय दूतावास को पत्र लिखकर नरसय्या की पहचान का प्रमाण मांगा है, जिसे 8 जनवरी, 2024 तक उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

केटीआर ने राज्य सरकार से नरसय्या की शीघ्र भारत वापसी सुनिश्चित करने में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक बार जब भारत सरकार अस्थायी पासपोर्ट जारी कर देती है, तो बहरीन के अधिकारी नरसय्या को वापस भारत भेज देंगे। इसके अतिरिक्त, केटीआर ने नरसय्या की रिहाई में सहायता के लिए बहरीन में पार्टी की एनआरआई शाखा और बीआरएस एनआरआई शाखा के बीच समन्वय का आह्वान किया। उन्होंने उल्लेख किया कि हैदराबाद पासपोर्ट अधिकारी को नरसैय्या का पता लगाने के लिए पुराने रिकॉर्ड की समीक्षा करने और संबंधित जिला कलेक्टर और एसपी के माध्यम से एक रिपोर्ट प्रदान करने की आवश्यकता है। केटीआर ने आश्वासन दिया कि वे रिपोर्ट में तेजी लाने के लिए हैदराबाद पासपोर्ट अधिकारी, सिरिसिला जिला कलेक्टर और एसपी से व्यक्तिगत रूप से बात करेंगे। उन्होंने अपने कार्यालय के कर्मचारियों को नरसय्या की वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन और राज्य के एनआरआई मामलों के विभाग के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया है।

जबरन वसूली करने वाले गिरोह के 4 सदस्य अरेस्ट

एक लाख रुपये की संपत्ति जब्त

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स (उत्तर) जोन ने बेगमपेट पुलिस के साथ मिलकर रविवार को जबरन वसूली में शामिल चार सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान 34 वर्षीय प्रेम रे निवासी गांधी नगर सिकंदराबाद मूल निवासी सिक्किम, 20 वर्षीय निरजन तिरुव निवासी रानीगंज मूल निवासी नेपाल, 22 वर्षीय बिशाल कुमाल निवासी सिंधी कॉलोनी मूल निवासी नेपाल और 22 वर्षीय बिक्रम बुद्ध मूल निवासी नेपाल के रूप में हुई है। इस के अलावा तीन आरोपी नेपाली नागरिक हैं। वे दोस्त थे और रानीगंज में काम करते थे। चूंकि उनकी आय अपर्याप्त थी, इसलिए आरोपियों ने मोबाइल फोन छीनने की योजना बनाई। 10 अगस्त को, आरोपी बिशाल के घर पर इकट्ठे हुए और रसूलपुरा एक्स रोड पर चले गए। आरोपियों ने शिकायतकर्ता के पास जाकर उन्हें मोबाइल सौंपने की धमकी दी। पीड़ितों ने फोन सौंप दिए जिसके बाद गिरोह मौके से भाग गया। शिकायत के आधार पर कमिश्नर की टास्क फोर्स ने आरोपियों को पकड़ लिया और उन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 308 (2) के तहत मामला दर्ज किया।

वायनाड की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करना चाहिए : के. नारायण

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की वायनाड जिला समिति ने आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस कार्यक्रम में सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव के. नारायण मुख्य अतिथि थे। दौरे के दौरान उन्होंने वायनाड के खतरे वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि खतरे वाले क्षेत्र में 416 लोगों की जान चली गई है, जिसमें 47 सीपीआई नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा, वायनाड की उनकी यात्रा के बाद, मैं बहुत दुखी हूं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को वायनाड जिले का दौरा किया। हम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए उनकी सराहना करते हैं और उनका स्वागत करते हैं, लेकिन बेहतर होता अगर उन्हें पता होता कि वे क्या चाहते हैं और एल3 मानदंडों को लागू करते और इसके साथ ही वायनाड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करते। नारायण ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में 13 शिविर स्थापित किए गए हैं और उन्हें उनमें रखा जा रहा है, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे जो चाहते हैं वह उन्हें प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे उनसे मिले और उनसे पूछा कि वे क्या चाहते हैं और उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा, उन्होंने जो चीजें मांगी उनमें दोपहर के भोजन के लिए एक स्टोव, एक कुकर, एक मिक्सी, कपड़े प्रेस करने के लिए एक लोहे का बक्सा आदि शामिल थे। हमने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से इनका इंतजाम करने को कहा है। इस दौरे में एआईएसएफ के राज्य कोषाध्यक्ष एम साई कुमार, नेता सादिक और अयप्पा, एटक के राज्य उपाध्यक्ष पी के मूर्ति, सीपीआई वायनाड जिला सचिव और आईएएल राज्य सदस्य ई जे बाबू, एबी चारियन और अन्य शामिल हुए।

सीएम नायुडू को तेलंगाना में टीडीपी के पुनरूत्थान की उम्मीद

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायुडू ने पार्टी के सदस्यों के उत्साह का हवाला देते हुए तेलंगाना में पार्टी के भविष्य के प्रति आशा व्यक्त की। हैदराबाद में एनटीआर ट्रस्ट भवन में टीडीपी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अगुवाई करने के बाद नायुडू ने अगले 15 दिनों के भीतर तेलंगाना में सदस्यता अभियान की योजना की घोषणा की। उन्होंने जमीनी स्तर पर पार्टी के पुनर्गठन की आवश्यकता पर बल दिया, जिसका उद्देश्य युवाओं और पिछड़े वर्गों के बीच समर्थन बढ़ाना है।

नायुडू ने सदस्यता अभियान के बाद तेलंगाना इकाई में मौजूदा समितियों को भंग करने और नई समितियां स्थापित करने की मंशा जाहिर की। उन्होंने तेलंगाना में टीडीपी कार्यकर्ताओं को आंध्र प्रदेश के कार्यकर्ताओं के समान समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा पार्टी के पुनरोद्धार प्रयासों की निगरानी के लिए सप्ताह में दो बार राज्य का दौरा करने की प्रतिबद्धता जताई। बैठक में उनके आगमन पर बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों के साथ एक रैली आयोजित की गई, जो आंध्र प्रदेश में टीडीपी के सत्ता में आने के बाद से एनटीआर ट्रस्ट भवन में उनकी दूसरी यात्रा थी।

एससीआर स्वतंत्रता दिवस ट्रेनें चलाएगी

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे एच.एस. नांदेड़ और श्रीकाकुलम रोड के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नं. 07487 नांदेड़-श्रीकाकुलम रोड 14 अगस्त को दोपहर 2 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 12 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन 07488 श्रीकाकुलम रोड-नांदेड़ 15 अगस्त को शाम 5 बजे प्रस्थान करेगी है और अगले दिन 15.25 बजे पहुंचेगी। विशेष ट्रेनें मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निजामाबाद, कामारेड्डी, सिकंदराबाद, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, पिदुगुराल्ला, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरू, ताडेपल्लीगुडेम, निदादावोलु, राजमंड्री, समालकोट, अन्नवरम, अनाकापल्ले, दुव्वाडा, सिम्हाचलम उत्तर, पेंडुरथी, विजयनगरम और चिपुरुपल्ली स्टेशन पर रुकेंगी।

महेश टीजी धरणी कर्मचारी संघ के मानद अध्यक्ष चुने गए

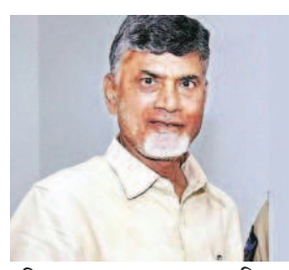

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के आधिकारिक प्रवक्ता डॉ. कोंगला महेश को तेलंगाना राज्य धरणी कर्मचारी संघ का मानद अध्यक्ष चुना गया। तेलंगाना राज्य धरणी कर्मचारी संघ की आम सभा की बैठक रविवार को यहां होटल प्लाजा में हुई और सर्वसम्मति से कांग्रेस नेता कोंगला महेश को मानद अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्यों पर धरणी पोर्टल के नाम पर जमीनों पर अतिक्रमण करने और बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान धरणी कर्मचारियों को 11 महीने तक वेतन नहीं देने की आलोचना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि धरणी कर्मचारियों की समस्याओं को राज्य सरकार के संज्ञान में लाया जाएगा और कहा कि वह आने वाले दिनों में धरणी पोर्टल से संबंधित सभी समस्याओं को हल करने का प्रयास करेंगे।

हरीश राव ने रंगनायक सागर परियोजना का निरीक्षण किया

सिद्दीपेट, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक हरीश राव ने आज सिद्दीपेट जिले में रंगनायक सागर परियोजना के गोदावरी जल को उठाने का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए हरीश राव ने कहा कि यह परियोजना किसानों को पानी उपलब्ध कराने की शाश्वत खोज का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने किसानों के चेहरे पर खुशी और मुस्कान लाने के उद्देश्य से काम किया है। हम इस पानी को देखकर रोमांचित हैं। यह सर्वविदित है कि रंगनायक सागर जलाशय का निर्माण कालेश्वरम परियोजना के हिस्से के रूप में किया गया था। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना के लिंक-2 में लिफ्ट सिंचाई कार्य जारी है। पेड्डापल्ली जिले के श्रीपदा येलमपल्ली जलाशय से पानी सुरंगों के माध्यम से नंदीमेदरम में नंदी पंप हाउस तक पहुंच रहा है, शनिवार को एक मोटर के माध्यम से 3,150 क्यूसेक पानी नंदी जलाशय में उठाया जा रहा है।

वहां से, उन्हें जुड़वां सुरंगों के माध्यम से करीमनगर जिले के लक्ष्मीपुर में गायत्री पंप हाउस में ले जाया जाता है, उन्होंने कहा और कहा कि कुल 3,150 क्यूसेक पानी उठाया जा रहा है और श्री राजराजेश्वर जलाशय में भेजा जा रहा है। परियोजना अधिकारियों के अनुसार, येलमपल्ली से 13 टीएमसी से अधिक पानी शनिवार शाम तक मध्य मनेर में भेजा गया हैं। उन्होंने कहा कि 27.54 टीएमसीएफटी क्षमता के मुकाबले पानी का उपयोग किया जा रहा है। मध्यमनेरू से सिरसिला जिले के इलंथाकुंटा मंडल के अनंतगिरी में अन्नपूर्णा परियोजना में पानी भेजा जा रहा है।

राव ने यह भी कहा कि मध्यमनेरू से पानी सुरंगों के माध्यम से तिप्पापुर में सर्ज पूल तक पहुंचता है, जबकि 6,440 क्यूसेक पानी यहां पंप हाउस में दो बाहुबली मोटरों के माध्यम से अन्नपूर्णा जलाशय तक पहुंचता है। यहां जलाशय के गेट खोले गए हैं और उतनी ही मात्रा रंगनायक सागर में छोड़ी जा रही है।

एनएच-161 पर बाइक फिसलने से व्यक्ति की मौत

संगारेड्डी, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को एनएच-161 पर चौटाकुर में एक व्यक्ति की बाइक सड़क से फिसल जाने के कारण सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पीड़ित अल्लादुर्गम मंडल के कोमाटिकुंटा थांडा निवासी डेगावथ शंकर (45) थे। वह संगारेड्डी में दैनिक मजदूर के रूप में काम कर रहा था। शंकर संगारेड्डी से अपने गांव जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद हैदराबाद ले जाते समय उनकी मौत हो गई। पुलकल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

राजन्ना सिरसिला के लोगों का दावा, कौवे कर रहे हैं लोगों पर हमला

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिला जिले में रविवार को एक विचित्र घटना सामने आई, जिसमें स्थानीय लोगों का दावा है कि कौवे विशेष रूप से सड़क पर पुरुषों पर हमला कर रहे हैं, जबकि महिलाओं को बख्शा जा रहा है। कथित तौर पर यह घटना कट्टा मैसम्मा मंदिर के पास हुई। स्थानीय लोगों का मानना है कि मंदिर के ऊपर बैठे कौवे लोगों पर हमला कर रहे हैं, जब वे वहां से गुजर रहे होते हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में, एक कौवा मंदिर के पास से गुजरते हुए एक आदमी के पास से उड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। बार-बार होने वाली घटनाओं से खुश होकर स्थानीय लोगों ने इसे 'काकी गोलारा' (कौवे का बदला) नाम दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कौवे केवल पुरुषों को ही निशाना बना रहे हैं, महिलाओं पर हमला नहीं कर रहे हैं। अगर यह सच है तो इस असामान्य व्यवहार के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस घटना ने स्थानीय लोगों और वन्यजीव विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है तथा कौवों के असामान्य व्यवहार का कारण जानने के लिए जांच चल रही है।

अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा का स्तर बढ़ा

आईईएलटीएस की तर्ज पर होगी परीक्षा : टीजी बीआईई

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 2023-24 के दौरान प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट छात्रों के लिए सफल लॉन्च के बाद, तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने दूसरे वर्ष के इंटरमीडिएट के लिए अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा का स्तर बढ़ा दिया है, जो आईईएलटीएस की तर्ज पर होगी। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से, द्वितीय-इंटरमीडिएट के छात्रों का अंग्रेजी भाषा प्रवीणता में मूल्यांकन एक व्यापक चार-मॉड्यूल प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिसे सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने और संचार कौशल को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। व्यावहारिक परीक्षा में चार मॉड्यूल शामिल हैं (वर्णन, प्रस्तुति कौशल, समूह चर्चा और सुनने की समझ) जिसका उद्देश्य अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने की छात्र की क्षमता का समग्र मूल्यांकन प्रदान करना है। वर्णनात्मक मॉड्यूल के भाग के रूप में, विद्यार्थियों से किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु, घटना या प्रक्रिया का दो मिनट तक वर्णन करने को कहा जाएगा।

प्रस्तुति कौशल मॉड्यूल में, छात्रों को एक चयनित विषय पर लगभग दो-तीन मिनट का एक व्यवस्थित और आकर्षक प्रस्तुतिकरण देना होगा, जो उन्हें दिया जाएगा। समूह चर्चा के लिए, तीन-चार छात्रों को किसी दिए गए विषय पर लगभग दो से तीन मिनट तक चर्चा करने के लिए कहा जाएगा। अंतिम श्रवण समझ अनुभाग में, परीक्षक एक अनुच्छेद पढ़ेगा और उसके बाद उस पर चार प्रश्न पूछेगा। छात्रों से अनुच्छेद सुनने के बाद इन प्रश्नों को हल करने के लिए कहा जाएगा। बोर्ड ने पहले ही छात्रों को इन मॉड्यूलों को समझने में मदद करने के लिए निर्देशित अभ्यास शुरू कर दिया है। कुल 16 अंकों के चार मॉड्यूल के अलावा, छात्रों को एक व्यावहारिक रिकॉर्ड बुक भी प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें चार अंक होंगे। चूंकि इस शैक्षणिक वर्ष से अंग्रेजी प्रैक्टिकल परीक्षा शुरू की जा रही है, इसलिए बोर्ड ने अंग्रेजी भाषा के लिए परीक्षा की योजना को संशोधित किया है, जिसमें सैद्धांतिक परीक्षा के लिए 80 अंक और व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं। बोर्ड द्वारा आईपीई के लिए एक मॉडल प्रश्न पत्र भी संशोधित करके जारी किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आईईएलटीएस की तर्ज पर अंग्रेजी प्रायोगिक परीक्षा की रूपरेखा तैयार करके बोर्ड छात्रों को अंग्रेजी भाषा में दक्षता हासिल करने में मदद करने के अलावा उन्हें विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना चाहता है।

हरियाली के कारण स्कूल बना आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वानापर्ती जिले का एक स्कूल हरियाली के कारण स्कूल बना आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां के छात्र "स्वच्छता-हरियाली" के प्रति अधिक जागरूकता है। इस स्कूल में आप जहां भी देखें, हरा इंद्रधनुष आपका स्वागत करता है। इसके अलावा यहां कदम रखते ही प्रकृति की सुंदरता मन मोह लेती है। कोट्टाकोटा मंडल के पमापुरम गांव में जिला परिषद हाई स्कूल, इतना हरा-भरा कोई दूसरा स्कूल नहीं था। स्कूल परिसर अपनी हरी-भरी हरियाली के कारण छात्रों के लिए बहुत आकर्षक है। विद्यालय में पौधों को लगाने के प्रति छात्रों को जागरूक करने के साथ-साथ शिक्षक नियमित रूप से छात्रों द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। स्कूल में हर जगह प्रकृति रोमांचक है। इस स्कूल के प्रवेश द्वार से ही छोटे-छोटे पौधे खिलकर कहते हैं स्वागत-स्वागत है। इस विद्यालय में शिक्षक विद्यार्थियों को अनुशासित शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शिक्षक और छात्र यहां स्कूल में लगे पौधों की देखभाल के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिस विद्यालय में इतनी हरियाली के साथ सुखद वातावरण है, वहां वर्तमान सरकार द्वारा चलाया गया स्वच्छता-हरियाली कार्यक्रम भी ग्रामीणों के सहयोग से संचालित किया गया।

जिला उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामेश्वर रेड्डी ने भाग लिया और छात्रों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पौधों की खेती से प्रदूषण की रोकथाम में काफी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लिए पौधे लगाने की जरूरत है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य जी रवि सहित शिक्षकों, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों के अभिभावकों ने पौधे लगाये।

मोबाइल फोन चोरी के मामले में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष क्षेत्रीय अपराध दल, सीसीएस, डीडी, हैदराबाद ने सेल फोन चोरी के मामलों में शामिल तीन अपराधियों को पकड़ा और उनके कब्जे से (25) सेल फोन बरामद किए। विशेष क्षेत्रीय अपराध दल, सीसीएस, डीडी, हैदराबाद ने विश्वसनीय सूचना के आधार तीन आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में उप्पाधी दया , निवासी सरकारी कॉम्प्लेक्स, मंगरबस्ती, मल्लेपल्ली, हैदराबाद, मोहम्मद जहांगीर, निवासी सरकारी कॉम्प्लेक्स, मंगरबस्ती, मल्लेपल्ली, हैदराबाद और विनोद कुमार तिवारी निवासी मोती नगर, चप्पल बाजार, काचीगुडा (रिसीवर) शामिल हैं।

अधिकारियों ने 1 करोड़ का सोना जब्त किया

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कानून लागू करने वाले अधिकारियों की तमाम निगरानी के बावजूद तस्कर बड़ी चालाकी से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। हाल ही में किसी भी एयरपोर्ट पर देखे गए किलो भर सोना जब्त किया जा रहा है। शमशाबाद एयरपोर्ट पर एक चौंकाने वाली घटना हुई। एक यात्री के पास से 1.06 करोड़ रुपये का विदेशी सोना जब्त किया गया। कस्टम और डीआरआई अधिकारियों ने दुबई से विदेशी सोने की तस्करी कर रहे एक यात्री को गिरफ्तार किया है।

वह दुबई से हैदराबाद के लिए निकला था। जब वह शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचा तो कस्टम अधिकारियों को देखकर चौंक गया। पकड़े जाने के डर से वह एयरपोर्ट पर इधर-उधर घूमता रहा। इससे अधिकारियों को उस पर शक हुआ। संदिग्ध यात्री को अंतर्राष्ट्रीय निकास द्वार पर हिरासत में लिया गया। उसके सामान की जांच करने पर कस्टम अधिकारी चौंक गए। यात्री द्वारा उसके बैग में छिपाई गई बैटरी के आकार की दो बड़ी धातु की छड़ें अधिकारियों ने जब्त कर लीं। अधिकारियों ने सोने का वजन 1390.850 ग्राम बताया। मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है तथा अधिकारियों द्वारा उससे पूछताछ की जा रही है।

त्योहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश उत्सव और ईद मिलाद उन नबी त्यौहारों के मद्देनजर, दक्षिण पश्चिम जोन के कुलसुमपुरा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। डीसीपी दक्षिण पश्चिम जोन जी. चंद्र मोहन और एसीपी कुलसुमपुरा मोहम्मद मुनव्वर और डिवीजन इंस्पेक्टर ने बैठक में भाग लिया और कुलसुमपुरा डिवीजन के मिथरी/शांति समिति के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण उत्सव के लिए चर्चा की। कुलसुमपुरा डिवीजन में बोनालू और मुहर्रम जुलूस के शांतिपूर्ण समापन के लिए उनके सहयोग के लिए समिति के सदस्यों की सराहना की गई। एसीपी कुलसुमपुरा मोहम्मद मुनव्वर ने अपराधों को रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों के महत्व पर भी जोर दिया और हर प्रतिष्ठान में सीसीटीवी लगाने का आग्रह किया।

आइसक्रीम बेचने वाले ने ठेले में रखा था मांस का टुकड़ा शिकायत पर हुआ गिरफ्तार

वाराणसी, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कैंट क्षेत्र के नदेसर स्थित एक ठेले से आइसक्रीम खाने पर उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने पर बचे आइसक्रीम को चेक किया गया तो उसमें मांस का टुकड़ा होने की आशंका हुई। कैंट पुलिस पहुंची तो खाद्य विभाग को भी जांच के लिए बुलाया। नदेसर निवासी आकाश सिंह शनिवार शाम आइसक्रीम खरीदकर अपने घर ले गए थे। आरोप है कि आइसक्रीम खाना शुरू किए तो उन्हें आशंका हुई कि उसमें मांस का टुकड़ा है। वह भागकर गए और आइसक्रीम बेच रहे अमरेश कुमार को नदेसर पुलिस चौकी ले गए। जहां पर पुलिस में खाद्य विभाग को बुला लिया है।

मायावती ने कांग्रेस पर लगाया झूठ बोलने का आरोप

कहा- आरक्षण पर कर रही गोलमोल बातें

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने एससी एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के रवैये पर भी सवाल उठाए हैं। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आरक्षण के लिए पं जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के श्रेय देने की कोशिश कर रहे है लेकिन, हकीकत में इसका सारा श्रेय बाबा साहेब अंबेडकर को जाता है। उन्होंने कांग्रेस पर इस मुद्दे को लेकर गोलमोल बातें करने का आरोप लगाया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा- 'कल बीएसपी की प्रेस कान्फ्रेंस के बाद कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिये बयान की जानकारी मिली,

जिससे एसटी-एसटी के समक्ष कांग्रेस पार्टी के बयान में बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर को नहीं बल्कि पं नेहरू व गाँधीजी को आरक्षण का श्रेय दिया गया है जिसमें रत्तीभर भी सच्चाई नहीं।

मायावती ने कांग्रेस पर किया तीखा हमला

मायावती ने कहा, वास्तव में आरक्षण का पूरा श्रेय बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर को ही जाता है जिनको किस तरह से कांग्रेस के लोगों ने संविधान सभा में जाने से रोकने का षड्यन्त्र रचा तथा उनको चुनाव में भी हराने का काम किया। कानून मंत्री पद से भी इस्तीफा देने को विवश किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह कहा कि देश में एससी बनाम एसटी वर्गों के उपवर्गीकरण के सम्बन्ध में पार्टी के स्टैण्ड का खुलासा करने के पहले इनकी पार्टी एन जी ओ एस व वकीलों आदि से विचार-विमर्श करेगी, जिससे स्पष्ट है कि कांग्रेस उपवर्गीकरण के पक्ष में है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरोप लगाया कि 'कांग्रेस द्वारा क्रीमीलेयर के बारे में भी गोलमोल बातें की गई है। कांग्रेस के 99 सांसद होने के बाद भी सत्रावसान होने तक संसद में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बनाने के लिए कोई भी आवाज नहीं उठाई गई जबकि इस पार्टी ने संविधान व आरक्षण को बचाने के नाम पर ये सीटें जीती हैं।

'अब संविधान क्यों नहीं दिखा रहे'

इससे पहले बसपा सुप्रीमो ने शनिवार को इस मुद्दे पर प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अब ये लोग किसी को संविधान नहीं दिखा रहे। अब ये आरक्षण की बात नहीं कर रहे कांग्रेस पार्टी एंड कंपनी के लोग। क्योंकि इन्होंने इस चुनाव में इन लोगों के साथ बड़ा विश्वासघात और धोखा किया। इनको कहा कि हम संविधान बचाएंगे। आपका आरक्षण खत्म हो जाएगा। अब ये चुप क्यों हैं?

'श्रीलंका और बांग्लादेश तो हो गया अब भारत का नंबर है,' मोदी सरकार को धमकी देनेवाला कट्टरपंथी गिरफ्तार

बरेली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अशांति के बीच अब भारत में कुछ ऐसी कट्टरपंथी ताकतें हैं जो बांग्लादेश जैसे हालात भारत में भी देखना चाहते हैं। इस तरह की बातों के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है। इसी कड़ी में एक कट्टरपंथी शख्स ने मोदी सरकार को धमकी देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था कि श्रीलंका और बांग्लादेश तो हो गया, अब भारत का नंबर है। बरेली के रहनेवाले इस शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे हालात की धमकी देनेवाले शख्स का नाम अफसर अहमद है और यह अवैध रूप से पैथोलॉजी लैब चलाता है। इस शख्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा था-'श्रीलंका हो गया, बांग्लादेश हो गया,

अब भारत का नंबर है। 8 हजार करोड़ को हवाई जहाज और झोला तैयार है। अंधभक्तों डरा नहीं रहा आगाह कर रहा हूं। बांग्लादेश में तो छात्र परेशान थे।' अफसर अहमद के इस पोस्ट के बाद हिंदू जागरण मंच युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष हिमांशु पटेल ने सोशल मीडिया एक्स पर यूपी पुलिस, डीजीपी और बरेली पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी अफसर अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी अफसर अहमद सिरौली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने अवैध केयर पैथोलॉजी लैब चलाता है।

खगड़िया की बागमती नदी में डूबी नाव 2 दर्जन लोग थे सवार; कुछ हुए लापता

खगड़िया, 11 अगस्त (एजेंसियां)। खगड़िया के मानसी थाना क्षेत्र अंतर्गत हरदिया पंचायत की खिरनिया के पास बागमती नदी में रविवार की सुबह एक नाव डूब गई। नाव पर दो दर्जन से अधिक लोगों के सवार होने की बात सामने आ रही है। रोहियार पंचायत की बालकुंडा गांव वार्ड नंबर 2 निवासी विश्वेश्वर सिंह के 18 वर्षीय पुत्र गोपाल कुमार और हरदिया पंचायत की वार्ड नंबर 3 खिरनिया गांव निवासी रामप्रीत चौधरी की 55 वर्षीय पत्नी अमला देवी लापता हैं। दो के लापता होने की पुष्टि मानसी सीओ आमिर हुसैन ने की है। वहीं एक और के लापता की सूचना आ रही है,

लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई। शेष लोग तैर कर बाहर निकलने में सफल रहे हैं। नाव खिरनिया बांध से अंबा पार बहियार के लिए खुली थी। नाव पर सवार लोग, परवल तोड़ने, पशु चारा लाने आदि कार्य से उक्त बहियार जा रहे थे। एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। खगड़िया में गंगा नदी पूरे उफान पर है। इधर परबत्ता प्रखंड के जोरावरपुर पंचायत स्थित वार्ड नंबर 16-17 के पास बना रिंग बांध टूटने के कगार पर है। 2022 में भी यह रिंग बांध टूटा था। यह रिंग बांध गोगरी-नारायणपुर तटबंध के अंदर है। जो दो दर्जन परिवार को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करती है। वार्ड सदस्य दीपक कुमार ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि रिंग बांध के ऊपर से पानी बह रहा है। यह रिंग बांध रुपोहली घाट से कज्जलवन घाट तक बना हुआ है।

सिर्फ ख्याली पुलाव पका रहे है तेजस्वी यादव

उनकी कुंडली में राजयोग नहीं: ललन सिंह

पटना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अभी हाल ही में बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि यदि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ रहते तो बीजेपी हवा में उड़ जाती । अब जदयू के नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने तेजस्वी को जवाब दिया है।

ललन सिंह ने तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। ललन सिंह ने कहा कि तेजस्वी यादव ख्याली पुलाव पका रहे हैं ऐसे कुछ होने वाला नहीं है। एनडीए गठबंधन मजबूती के साथ केंद्र में और बिहार में सरकार चल रही है। तेजस्वी यादव जो सपना देख रहे हैं वह सिर्फ सपना ही रहेगा। ललन सिंह ने आगे यह भी कहा कि तेजस्वी यादव के जन्म कुंडली में वह नहीं लिखा है जो उनकी चाहत है। दरअसल हाल ही में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पार्टी के दफ्तर में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की बैठक हुई थी। उस बैठक में तेजस्वी यादव ने मंच से संबोधित करते हुए कहा था कि यदि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के साथ रहते तो भारतीय जनता पार्टी हवा में उड़ जाती है ना तो बिहार में भाजपा मजबूत होती और ना ही देश में। ललन सिंह ने तेजस्वी के इसी बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि अगले साल बिहार विधानसभा का चुनाव होना है चुनाव से पहले तेजस्वी यादव जनता का मन टटोलने जनता के बीच जाने वाले हैं। तेजस्वी यादव की यात्रा से पहले प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय में हर दिन विभिन्न प्रकोष्ठ की हो रही है। रविवार को भी प्रदेश कार्यालय में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ बैठक चल रही थी। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे। तेजस्वी यादव ने कहा बिहार में जबतक आरजेडी की सरकार रही बीजेपी आरएसएस सबसे कमजोर पार्टी रही। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो बीजेपी और आरएसएस मजबूत हुआ। आरएसएस वालों की हिम्मत नहीं होती थी कि बिहार में आ जाएं और दंगा-फसाद कराने की कोशिश करे। वही तेजस्वी यादव चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर भी हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने कहा चुनाव से पहले ऐसे ऐसे आइडिया लेकर आया जा रहा है पार्टी कार्यकर्ताओं को पैसे के दम पर खरीदा जा रहा है। पैसे पर राजनीति शुरू की जा रही है।

सिपाही को महिला ने रखा टीचर

बच्ची को रोज पढ़ाता था ट्यूशन, लेकिन जब मां को पता चली करतूत तो भन्ना गया दिमाग

रायबरेली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा का दावा करने वाली पुलिस के महकमे के लोग ही अपने विभाग को दागदार बना रहे हैं। रायबरेली के महाराजगंज थाने में तैनात एक सिपाही पर एक नाबालिग बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने और उसे अश्लील फिल्म दिखाने का आरोप लगा है। सिपाही पीड़ित के घर में किराए पर रह रहा था और उनकी नाबालिग बेटी को पढ़ाया भी करता था। भरोसे का फायदा उठाकर सिपाही ने मकान मालिक की नाबालिग मासूम बेटी को गलत तरीके से छूता और उसे अश्लील फिल्में दिखाया करता था। पीड़ित बच्ची आज अपनी मां के साथ पुलिस अधीक्षक ऑफिस पहुंची और न्याय की गुहार लगाई है।

क्लास 6 में पढ़ने वाली पीड़ित बच्ची ने बताया कि पंकज अंकल मेरे घर में रहते थे और मुझे पढ़ाया करते थे। पढ़ाते-पढ़ाते वो मोबाइल पर मुझे गन्दी-गन्दी फिल्म दिखाकर गलत तरीके से मुझे टच किया करते थे। एसपी अभिषेक कुमार अग्रवाल को लिखित शिकायत देकर सिपाही पर कार्यवाही की मांग करने के बाद पीड़ित बच्ची की मां ने मीडिया के समक्ष अपनी व्यथा बताई। पढ़ाई के बहाने वह उसकी बच्ची को मोबाइल पर अश्लील फिल्म दिखाने लगा।

500 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरा ऑटो, युवती की मौत

झांसी में केदारेश्वर मंदिर से दर्शन कर लौट रही थी, 8 लड़कियां और ड्राइवर घायल

झांसी, 11 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी में रविवार सुबह भीषण हादसा हो गया। पहाड़ी पर बने केदारेश्वर मंदिर से दर्शन करा युवतियां ऑटो से लौट रही थीं। पहाड़ी पर ऑटो का संतुलन बिगड़ गया। लगभग 500 फीट ऊंचाई से ऑटो नीचे आकर गिरा। हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि 8 युवतियां और ड्राइवर घायल हो गया। सावन के महीने में ऑटो और अन्य वाहनों का पहाड़ी के ऊपर जाना मना था। लेकिन, आज पुलिस ड्यूटी से नदारद थी। ऐसे में ऑटो ऊपर तक पहुंच गया। हादसे के बाद एसडीएम समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। गंभीर घायल दो युवतियों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उनकी हालत बेहद नाजुक बनी है। पूरा मामना मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के केदारेश्वर मंदिर का है।

कानपुर में तीन छात्राओं के हिजाब पहनकर आने पर अड़ने के मामले की होगी जांच, डीएम ने दिया आदेश

कानपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बिल्हौर इंटर कॉलेज में तीन छात्राओं के हिजाब में ही आने की बात पर अड़ने के मामले की जांच के आदेश डीएम ने एसडीएम को निर्देश दिए हैं। मामला एक सप्ताह पहले का है। बाद में तीनों छात्राओं के स्वजन ने गलती मानते हुए निर्धारित ड्रेस में ही कॉलेज भेजने की बात कही थी। तीन अगस्त को इंटरमीडिएट की तीन छात्राएं हिजाब में पहुंची थीं। शिक्षिका ज्योति ने छात्राओं को निर्धारित ड्रेस में आने की बात कहकर हिजाब हटाने के लिए कहा, पर वे नहीं मानीं। प्रधानाचार्य सुरजीत सिंह यादव ने छात्राओं को समझाया, लेकिन तीनों ने कहा कि वे हिजाब पहन कर ही आएंगी, आप चाहे तो नाम काट दें। यह बात लिखकर भी दी थी। इस पर उनके अभिभावकों को सूचना दी गई और निर्धारित ड्रेस में न आने वाले छात्र-छात्राओं को कॉलेज में प्रवेश करने से रोकने के निर्देश दिए गए। तीनों छात्राओं के अभिभावकों ने गलती स्वीकार कर ली थी। डीएम राकेश कुमार सिंह ने एसडीएम रश्मि लांबा को दिए हैं। एसडीएम ने बताया कि तीन बिंदुओं की जांच करनी है कि क्या छात्राएं शुरू से कॉलेज में पढ़ रही हैं और अपनी मर्जी से हिजाब बांधकर आई थीं। दूसरा, उन्हें ड्रेस के संबंध में जानकारी थी या नहीं। तीसरा, छात्राओं को किसी ने हिजाब बांधकर कॉलेज जाने के लिए उकसाया तो नहीं था।

कटिहार की जीविका दीदी खुशबू और उनके पति लाल किले पर ध्वजारोहण में होंगे शामिल, पीएम ने भेजा आमंत्रण

कटिहार, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मनिहारी के बाघमारा पंचायत स्थित गांधी टोला की रहने वाली जीविका दीदी खुशबू कुमारी और उनके पति अवधेश कुमार चौधरी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह में शामिल होंगे। उन्हें दिल्ली आने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निमंत्रण मिला है। वो 15 अगस्त के दिन समारोह में स्पेशल गेस्ट होंगी। इस सम्मान को लेकर मनिहारी में हर्ष का वातावरण है। वहीं जीविका दीदी खुशबू कुमारी ने अपनी खुशी का इजहार किया। जीविका दीदी ने कहा कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि उन्हें इस प्रधानमंत्री से आमंत्रण मिलेगा। उन्होंने बताया कि 2014 में जीविका से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। उनके पति मजदूरी करते थे और वे भी उनके साथ मजदूरी करती थीं। जीविका से जुड़ने के बाद उन्हें पहली बार

30,000 रुपये की सहायता मिली, जिसे उन्होंने समय पर चुका कर दिया। बाद में उन्होंने 50,000 रुपये का ऋण प्राप्त किया, जिसका उपयोग करके उन्होंने सब्जी व्यापार शुरू किया। धीरे-धीरे उनका व्यापार बढ़ने लगा और मनिहारी से लेकर अन्य जिलों तक सब्जियों का निर्यात होने लगा, जिसके उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ। आज खुशबू कुमारी अपने दोनों बच्चों को एक अच्छे निजी स्कूल में पढ़ा रही हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए संदेश देते हुए कहा कि पढ़ाई-लिखाई कभी व्यर्थ नहीं जाती। उन्होंने खुद शादी के बाद 12वीं की पढ़ाई पूरी की।

आज खुशबू कुमारी जीविका कार्यालय में एफआई हेल्प डेस्क पर 4400 रुपये प्रतिमाह की नौकरी कर रही हैं। जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक ब्रजेश कुमार ने कहा कि यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण मनिहारी की जीविका दीदी खुशबू कुमारी और उनके पति अवधेश कुमार चौधरी को मिला है। 12 अगस्त को खुशबू कुमारी और उनके पति दिल्ली के लिए हवाई जहाज से रवाना होंगे और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में राजपथ पर ध्वजारोहण समारोह में शामिल होंगे।

आग लगने की अफवाह से पंजाब मेल एक्सप्रेस में मची भगदड़, 20 यात्री घायल, सात गंभीर

शाहजहांपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हावड़ा से अमृतसर जाने वाली 13006 पंजाब मेल एक्सप्रेस की जनरल कोच में आग लगने की अफवाह से भगदड़ मच गई। जल्दबाजी में ट्रेन से नीचे कूदने से करीब 20 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। रविवार की सुबह करीब 8:00 बजे बरेली और मीरानपुर कटरा स्टेशन के बीच ट्रेन के जनरल कोच में आग लगने की अफवाह पर चालक ने गाड़ी को रोक दिया। ट्रेन की आधी बोगी नदी के पुल पर और आधी बाहर थी। गाड़ी के रुकते ही यात्रियों ने नीचे कूदने लगे। अफरातफरी का माहौल हो गया। हादसे में कई लोगों के चोट आई है। कई बोगी खाली होने के बाद चालक और गार्ड ने चेक किया तो सब कुछ ठीक मिला। इसके बाद घायलों को महिला और गार्ड बोगी में सवार कर शाहजहांपुर के लिए रवाना किया गया। वहां अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार सुबह 10:10 पर ट्रेन को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रोका गया। रेलवे के अधिकारी और आरपीएफ के जवान पहुंच गए। पांच एंबुलेंस को बुला लिया गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल सात लोगों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इस बीच 30 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। जांच में सबकुछ सही मिलने के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। मुरादाबाद रेल मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि बिलपुर के पास सुबह कुछ शरारती तत्वों ने ट्रेन नंबर 13006 के जनरल जीएस कोच में रखा अग्निशमन यंत्र चलाया, जिसके चलते गाड़ी को रोक दिया गया। जिससे दहशत में आए यात्री कूदने लगे। दो यात्रियों को चोट आई है। घायलों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। शरारतीतत्वों की पहचान करने के लिए जांच कराई जा रही है।

कब्रिस्तान के पास बंदूक लेकर कर रहे थे हथियारों की डील, फिल्मी स्टाइल में पहुंच गई पुलिस

पटना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अवैध हथियारों के लिए कुख्यात बिहार के गया जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हथियारों की डील की सूचना पर चातर घाट कब्रिस्तान पहुंची पुलिस ने एक घर में दबिश दी, जहां देशी पिस्टल और बंदूक बनाकर बेचा जा रहा था। पुलिस ने मौके से इस काम में लगे 3 लोगों को गिरफ्तार करते हुए कई बने और कुछ अधबने हथियार व पार्ट पुर्जे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से सारे हथियार जब्त करते हुए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जिले की चाकंद थाना पुलिस की इस उपलब्धि पर एसएसपी अनवर जावेद अंसारी ने प्रेस कांफ्रेंस की। कहा कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कब्रिस्तान के पास अवैध हथियारों की डील होने वाली है। इस सूचना पर एसएसपी ने अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर दबिश देने का निर्देश दिया। यह टीम जब चातर घाट कब्रिस्तान के पास पहुंची

तो देखा कि कुछ लोग इधर-उधर भागने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर तीन लोगों को दबोच लिया। इनकी पहचान मो। अरमान, मो। गोल्डेन एवं विपिन विश्वकर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल, 2 मोटरसाइकिल बरामद किया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से सघन पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि तीनों आरोपी मिलकर अबगिल्ला में एक छोटी से गन फैक्ट्री खोल रखी है। इस फैक्ट्री में वह गाड़ी की स्टेयरिंग व अन्य सामानों से देशी कट्टा व बंदूक असेंबल करते हैं और फिर उसे बेच देते हैं। इस खुलासे के बाद पुलिस टीम आरोपियों की फैक्ट्री में पहुंची।

ये हथियार बरामद

जहां से पुलिस ने एक देशी कट्टा, एक अर्ध निर्मित देशी कट्टा, एक ग्रैंडर मशीन, एक हैंड वाइस मशीन, सात रेती, सोलह विभिन्न साईज के स्प्रिंग, दो अर्ध निर्मित पिस्टल का ट्रिगर, एक रिंग, दो सड़सी, तेरह ग्राइंडर ब्लेड, छः लोहा का पत्ती, तीन बैरल गेज एवं एक सलाई रिंच बरामद किया है। इसी क्रम में पुलिस ने आरोपी अरमान की निशानदेही पर चातर घाट से एक सिंगल बैरल देशी बंदूक, 66 पीस 12 बोर कारतूस एवं 190 पीस 315 बोर के गोली बरामद हुआ है।

बांग्लादेशी समझ जिस साधु वेशधारी को पकड़ा पूछताछ में निकला दिल्ली का भिखारी

मुजफ्फरपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रह्मपुरा थाना के चांदनी चौक के निकट जिस साधु वेशधारी को बांग्लादेशी समझ कर लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया, वह दक्षिणी दिल्ली का भिखारी कन्हैयालाल निकला। उसके पास से तुर्की, नेपाल, भूटान, कतर व मलेशिया सहित कई इस्लामिक देशों की करेंसी (मुद्रा) मिली थी। इससे संदेह गहरा गया था। पकड़े जाने के बाद लोगों की पिटाई से बचने के लिए वह अपने को बांग्लादेश का यूसुफ बताने लगा। शुरू में पुलिस भी उसे संदिग्ध मान रही थी। बाद में जब गहन जांच की गई तो दक्षिणी दिल्ली के स्थाई निवासी के रूप में पुष्टि हुई। नगर एएसपी भानुप्रताप सिंह ने बताया साधु वेशधारी की जांच की गई। उसके भारतीय नागरिक होने व दक्षिणी दिल्ली के निवासी होने का साक्ष्य मिला है। वह भीख मांगने के क्रम में मुजफ्फरपुर चला आया। उसके पास से कई दूसरे देशों की करेंसी मिली है। इसकी संख्या काफी कम है। संभव है दिल्ली में भीख मांगने के दौरान उसे विदेशी नागरिक से यह करेंसी मिली हो। उसके बांग्लादेशी होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है। चांदनी चौक से कथित बांग्लादेशी के पकड़ाने की सूचना इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से शहर में हड़कंप मच गया था। बांग्लादेश की वर्तमान हालात को देखते हुए कई तरह की आशंका होने लगी थी।

यूपी सरकार ने 7 सालों में बाढ़ पीड़ितों को बांटा 29 सौ करोड़ रुपये से अधिक मुआवजा

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले साढ़े सात वर्षों में बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद की कोशिश की है। इसके लिए इस दौरान 29 सौ करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि जारी की गई है। वहीं प्रदेश के 22 लाख से अधिक किसानों को बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा दिया गया है। योगी सरकार ने वर्ष 2017 से अब तक नौ करोड़ से अधिक का मुआवजा वितरित किया है। इसके अलावा बाढ़ से पूरी तरह क्षतिग्रस्त तीन हजार से अधिक मकान और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त एक लाख से अधिक मकान का मुआवजा दिया गया। राहत

आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि प्रदेश में पिछले साढ़े सात वर्षों में बाढ़ की वजह से कोई बड़ी घटना नहीं हुई। वहीं सीएम योगी के निर्देश पर लगातार बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद की जा रही है। सीएम योगी ने उनकी मदद के लिए पिछले सात वर्षों में दिल खोलकर धनराशि जारी की है। सीएम योगी ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए साढ़े सात वर्षों में 2,982.37 करोड़ जारी किये हैं। वहीं बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विभिन्न मदों में 2,286.90 करोड़ रुपये वितरित किये गये हैं।

पिछले सात सालों में बाढ़ की वजह से 530 लोगों की गई जान

पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश के 22,44,605 किसानों को बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा दिया गया है। इस मद में योगी सरकार ने 964.23 करोड़ रुपये खर्च किये। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में इस दौरान 89,20,234 फूड और लंच पैकेट बांटे गये। बाढ़ प्रभावित इलाकों में निगरानी के लिए 5301 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई। राहत आयुक्त ने बताया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू के लिए 2813 मोटर बोट और 34912 नावों को लगाया गया। बाढ़ की वजह से 530 लोगों ने अपनी जान गंवाई। इनके परिजनों को योगी सरकार की ओर से 4-4 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। इसी तरह 1304 दुधारू पशुओं और 337 गैर दुधारू पशुओं की मृत्यु पर पशुपालकों को सहायता धनराशि दी गयी। इसके अलावा बाढ़ से पूरी तरह क्षतिग्रस्त 3,107 मकानों और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त 1,41,107 मकानों का मुआवजा दिया गया।

एमपी के सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश मौसम विभाग ने प्रदेश के सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के और भी कई जिलों में रविवार को औसत बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले चार-पांच दिनों में मध्य प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश के मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक श्योपुर कला, ग्वालियर, शिवपुरी, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, मुरैना में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। मानसून की वजह से भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

इन जिलों भारी बारिश की संभावना

मध्य प्रदेश के जिन जिलों में मध्यम बारिश होने की संभावना है उनमें गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, राजगढ़, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, मैहर, रीवा, मऊगंज, आगर, शाजापुर, दमोह, कटनी, अनूपपुर, उमरिया और डिंडोरी आदि शामिल है। मध्य प्रदेश में मौसम विभाग में जहां भारी बारिश के संकेत दिए हैं वहां किसानों की चिंता बढ़ गई है। वैसे भी श्योपुर में पहले ही मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड बन चुका है। मध्य प्रदेश में अभी तक सामान्य से 19 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है।

यहां पर औसत बारिश के संकेत

मध्य प्रदेश के भोपाल, बैतूल, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, सीहोर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, देवास, इंदौर, उज्जैन, खंडवा, रायसेन, जबलपुर, नरसिंहपुर, रतलाम, नीमच सहित कुछ जिलों हल्की बारिश के संकेत मौसम विभाग की ओर से दिए गए हैं।

नदियों का जलस्तर उतरा नीचे

मध्य प्रदेश में कुछ समय से अधिकांश जिलों में तेज बारिश का दौर थमा हुआ है, जिसकी वजह से प्रमुख नदियों का जलस्तर नीचे उतरा है। हालांकि, कुछ स्थानों पर बांध के गेट खुलने की वजह से जलस्तर अधिक उतर नहीं पाया है। हालांकि, मध्य प्रदेश की सीवना, चंबल, नर्मदा, शिप्रा, काली सिंध, चामला, कान्हा सहित अन्य नदियों का जलस्तर पहले से नीचे आ गया है।

जान बचाकर भागते रोहिंग्या मुसलमानों पर भीषण हवाई हमला, म्यांमार में 200 से ज्यादा लोगों की हत्या

राखिन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार के पश्चिमी राज्य राखिन में हिंसा प्रभावित क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे कम से कम 200 रोहिंग्याओं की ड्रोन हमले में मौत हो गई है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। कई चश्मदीदों के आधार पर रिपोर्ट में बताया गया है, कि बचे हुए लोग शवों के ढेर के बीच फंसे हुए मृत और घायल रिश्तेदारों की पहचान कर रहे थे। चार चश्मदीदों और कार्यकर्ताओं और एक डिप्लोमेट के मुताबिक, सोमवार को ड्रोन हमले में पड़ोसी बांग्लादेश में सीमा पार करने का इंतजार कर रहे परिवारों को निशाना बनाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों में एक गर्भवती महिला और उसकी 2 साल की बेटी भी शामिल है। महिला के पति 35 वर्षीय मोहम्मद इलियास ने दावा किया, कि ड्रोन हमले में उनकी पत्नी और बेटी की मौत हो गई है। इलियास ने कहा, कि जब ड्रोन ने भीड़ पर हमला करना शुरू किया, तो वह उनके साथ तटरेखा पर खड़ा था। उन्होंने कहा, मैंने कई बार गोलाबारी की बहरा करने वाली आवाज सुनी। इस घटना के बारे में बात करते हुए, इलियास ने कहा, कि वह खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गया और जब वह उठा, तो उसने देखा, कि उनकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हैं और उनके कई अन्य रिश्तेदार मर चुके हैं।

रोहिंग्याओं से भरी नाव पलटी

इसके अलावा, सोमवार को भाग रहे रोहिंग्याओं को ले जा रही एक नाव भी म्यांमार और बांग्लादेश को अलग करने वाली नफ नदी में डूब गई। दो चश्मदीदों और बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, नाव डूबने से दर्जनों लोग मारे गए हैं। हाल के हफ्तों में म्यांमार के सैन्य बलों और विद्रोही मिलिशिया के बीच लड़ाई के दौरान रखाइन राज्य के नागरिकों पर यह ड्रोन हमला सबसे घातक हमला है। मिलिशिया और म्यांमार की सेना ने हमले के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया, हालांकि, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है, कि ड्रोन हमला विद्रोही मिलिशिया द्वारा किया गया था। अभी तक मृतकों की सही संख्या का पता नहीं चल पाया है। लेकिन उनकी संख्या 150 से ज्यादा है। इस बीच, घटना के कुछ कथित वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए हैं, जिनमें कीचड़ भरे मैदान में शवों के ढेर और उनके चारों ओर उनके सूटकेस और बैकपैक बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं।

समुद्री रास्ते से ओडिशा में घुसपैठ कर रहे बांग्लादेशी? कानून मंत्री ने अप्रवासियों को लेकर बताई सच्चाई

भुवनेश्वर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि पड़ोसी देश में अशांति के बाद समुद्री मार्ग से तटीय राज्य में बांग्लादेशियों के प्रवेश की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जाएगी और उन्हें उनके देश वापस भेजा जाएगा। पुलिस ने बताया कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा मरीन पुलिस द्वारा समुद्र तट पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाए रखी जा रही है। पड़ोसी देश में राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर समुद्री मार्ग से बांग्लादेश से घुसपैठ की संभावना पर पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए हरिचंदन ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस दोनों को इस तरह के प्रयासों को रोकने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है।

कानून मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में हाल की घटनाओं के बाद ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है। उन्होंने शनिवार को कहा, 'कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं। राज्य सरकार उनके वीजा और वर्क परमिट जैसे दस्तावेजों या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी। सत्यापन के बाद अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेज दिया जाएगा।'

ओडिशा पुलिस ने कहा कि राज्य की 480 किलोमीटर लंबी तटरेखा तीन स्तरीय सुरक्षा जांच के दायरे में है। पहले पांच समुद्री मील की सुरक्षा ओडिशा की समुद्री पुलिस द्वारा की जा रही है, जबकि 5 समुद्री मील और तट से 80 किलोमीटर दूर देश की समुद्री सीमा के बीच के जल क्षेत्र का प्रबंधन तटरक्षक बल द्वारा किया जा रहा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में निगरानी और गश्त कर रही है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, ओडिशा के सात जिलों में कुल 3,740 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान की गई है। इनमें से 1,649 केंद्रपाड़ा में, 1,112 जगतसिंहपुर में और 655 मलकानगिरी में हैं।

बीजेपी ने उठाए सवाल तो बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर जागी कांग्रेस? जानें क्या कहा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में 5 अगस्त वो तारीख बन कर सामने आई जिस दिन देश में तख्तापलट हुआ और प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। देश में पिछले महीने से आरक्षण के विरोध में आंदोलन चल रहा था, जो धीरे-धीरे हिंसक हो गया। 4 अगस्त को देश में कर्फ्यू लगा दिया गया था लेकिन अगले दिन लोग कर्फ्यू तोड़ कर सड़कों पर आ गए। हालांकि, अब देश में मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार का गठन कर लिया गया है, लेकिन 5 अगस्त को देश में एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया। बांग्लादेश में 5 अगस्त को हिंदूओं पर अत्याचार की तस्वीर सामने आई। हिंदू समुदाय के लोगों के घर तोड़ दिए गए, लूटपाट की गई, साथ ही उनके घरों और गोदाम में आग लगा दी गई।

बीजेपी ने कांग्रेस पर उठाए सवाल

भारतीय जनता पार्टी के नेता अनुराग ठाकुर ने बांग्लादेश में हिंदूओं पर हुए अत्याचार पर टिप्पणी की थी और कांग्रेस पर हमला बोला था। अनुराग ठाकुर ने कहा था, कांग्रेस गाजा

में हुए हमले पर तो बोलती है लेकिन हिंदू लोगों पर जब हमला हो रहा है तो कांग्रेस क्यों खामोश है, जिसके बाद अब कांग्रेस के दिग्गज नेता जय राम रमेश ने बांग्लादेश में हिंदूओं पर हुए अत्याचार को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है।

कांग्रेस ने जारी किया बयान

जयराम रमेश ने कहा, इस बात का संज्ञान लेते हुए कि बांग्लादेश के अंदर कुछ प्रभावशाली आवाजें उस देश की बहु-धार्मिक विरासत के संरक्षण की मांग कर रही हैं, कांग्रेस पार्टी वहां अल्पसंख्यकों और उनकी संपत्तियों और पूजा स्थलों पर हुए हमलों की खबरों पर चिंता जताती है। जयराम रमेश ने आगे कहा, कांग्रेस को उम्मीद है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक समुदायों में फिर से विश्वास पैदा करने के लिए कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे सुरक्षा, सम्मान और सद्भावना के माहौल में जीते रहे। जयराम रमेश ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस मसले पर सरकार के साथ खड़े होने की पहले ही बात कह चुके हैं।

अनुराग ठाकुर ने किया कांग्रेस पर हमला

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इससे पहले बांग्लादेश पर चिंता जताते हुए कहा था, हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उसे लेकर हम सभी चिंतित हैं। साथ ही अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए सवाल किया था, आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके होंठ सिल जाते हैं।

संशोधन से पहले बंदर बांट, निशाने पर वक्फ की 100 करोड़ की प्रॉपर्टी; कई नुमाइंदे इस गोरखधंधे में शामिल

भोपाल, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मामला प्रदेश की कमर्शियल कैपिटल इंदौर के पॉश इलाके एमआर 10 पर स्थित एक वक्फ प्रॉपर्टी से जुड़ा है। स्टार चौराहा के करीब स्थित कोकिला बैन हॉस्पिटल के सामने और एडवांस एकेडमी के करीब स्थित खसरा नंबर 170 की करीब 0.405 हेक्टेयर इस जमीन की कीमत 100 करोड़ से ज्यादा आंकी जाती है। सूत्रों का कहना है कि बारिश के इस मौसम में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। जबकि इस वक्फ संपत्ति पर बरसों से अदालत का स्टे मौजूद है। खजराना क्षेत्र के भू माफिया और वक्फ जायदाद को नुकसान पहुंचाने में लंबे समय से सक्रिय नासिर शाह, रहमान शाह, शाहिद शाह, नासिर खान उर्फ नस्सू के इस कुत्सित प्रयास की शिकायत थाना लसूडिया में दर्ज कराई गई है। जिला वक्फ कमेटी के सचिव साजिद रॉयल आदि ने अपनी शिकायत में कहा है कि अदालत के स्थगन आदेश के बावजूद यह अवैध कब्जा किया जा रहा है। जबकि नासिर शाह ने अपनी सफाई में इस जमीन के जरूरी दस्तावेज उपलब्ध होने की बात कही है। सूत्रों का कहना है कि मप्र वक्फ बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष मरहूम गुफरान-ए-आजम ने वक्फ दरगाह गैबशाह की इस एक एकड़ जमीन की लीज एडवांस एकेडमी को की थी। तत्कालीन बोर्ड सीइओ एसयू सैयद के हस्ताक्षर से हुई इस डील में एडवांस एकेडमी को महज एक रुपए किराए पर यह जमीन दी गई थी। बताया जाता है कि वर्ष 2015 के दौरान तत्कालीन बोर्ड ने इस लीज को खत्म कर दिया था। लेकिन बोर्ड के इस फैसले के खिलाफ एडवांस एकेडमी ने अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया था।

ऊना में इनोवा गाड़ी बही, आठ लोगों की मौत, सिरमौर में हनुमान मंदिर बहा

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में रविवार से 16 अगस्त तक प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है। पांच जिलों चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर के कुछ क्षेत्रों में रविवार को बाढ़ आने की चेतावनी भी जारी हुई है। प्रदेश में 288 सड़कें बंद हैं और पांच नेशनल हाईवे से भी कनेक्शन कट चुका है। इसके साथ ही 458 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। रक्कड़ बसोली पीर निगाह रोड पर बारिश का सारा पानी रक्कड़ कॉलोनी में घुस गया। जिससे रक्कड़ कॉलोनी का एरिया पानी से पूरी तरह भर गया।

तकरीबन 40 मकान जद में आने से बचे हैं। सड़क के दोनों ओर पानी की निकासी न होने के चलते लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता विजय डोगरा के अनुसार सुबह 4:30 बजे जिस तरह से बरसात हुई बारिश की रफ्तार तीन-चार घंटे रहती तो लोगों के रिहायसी मकानों में पानी अंदर घुस जाता। उन्होंने कहा कि यहां पर डंगा ध्वस्त होने से सारा पानी एक ओर बसोली की ओर से रक्कड़ कॉलोनी में समाहित होने से यह समस्या खड़ी हो गई है

बर्तन की तरह कट्टे साफ कर रही थी शक्तिकपूर की पत्नी, वीडियो सामने आते ही पति-ससुर गिरफ्तार

मुरैना, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना में एक वीडियो के जरिए पुलिस अवैध हथियार तस्कर तक पहुंच गई और दो तस्करों को गिरफ्तार भी कर लिया। यहां शक्ति कपूर अवैध हथियार का धंधा करता था और उसका पूरा परिवार इसमें लगा हुआ था। हालांकि, उसकी पत्नी का कट्टा साफ करते हुए वीडियो किसी ने बना लिया था। इसके बाद आरोपी और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया। मुरैना की पोरसा तहसील के गणेशपुरा गांव में आरोपी अवैध हथियार बनाने का काम करता था। उसकी पत्नी का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस उसके घर पहुंची। पुलिस को आता देख आरोपी ने अवैध हथियार और हथियार बनाने का सामान बोरे में भरा और भागने लगा। हथियार और निर्माण सामग्री को लेकर भागते हुए शक्तिकपूर और उसके पिता बिहारीलाल को पुलिस ने पकड़ा। शक्तिकपूर के पास बोरी में एक 315 बोर

की अधिया, एक 315 बोर का कट्टा, एक 32 बोर का कट्टा सहित कई अर्धनिर्मित हथियार और हथियार निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री और उपकरण पाए गए। तलाशी के दौरान घर में मोबाइल सहित अन्य सामान भी मिला। पुलिस ने शक्तिकपूर और उसके पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

दोनों आरोपी गिरफ्तार

महुआ थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी शक्तिकपूर से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी ने अवैध हथियार का निर्माण कर कहां-कहां उसे बेचा है। पुलिस पिता-पुत्र से पूछताछ में जुटी है कि अवैध हथियारों का यह कारोबार कब से किया जा रहा है। अभी तक कितने हथियारों का निर्माण किया गया है। यह कहां-कहां बिक्री किए गए हैं। पुलिस इन दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करेगी।

वीडियो के जरिए आरोपी तक पहुंची पुलिस

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में तसले में रखे पानी से नवनिर्मित कट्टों को ब्रश से चमकाते हुये महिला दिखाई दे रही है। इस वायरल वीडियो की जांच करते-करते पुलिस के सूत्र जिले के पोरसा तहसील क्षेत्रान्तर्गत महुआ थाना परिक्षेत्र में स्थित गणेशपुरा गांव निवासी शक्ति कपूर उर्फ छोटू सखबार तक पहुंच गये। आरोपी को पुलिस के आने की सूचना मिली तो वह अपने घर से अवैध हथियार सहित निर्माण सामग्री और उपकरण को लेकर बाइक पर भागने लगे। पुलिस ने गांव के बाहर शक्ति कपूर और उसके पिता बिहारीलाल सखबार का पीछा किया। इस दौरान दोनों वाहन से गिर पड़े। हल्के घायल होने के बावजूद भी भागते हुये दोनों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया।

सीएम मान के रिश्तेदारों के घर चोरी

छत से दाखिल हुए चोर; 17 तोले सोने के गहने और एक लाख कैश ले उड़े

सुनाम, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यंत्री भगवंत मान के रिश्तेदारों के घर चोरों ने डाका डाल दिया। चोर घर से 17 तोले सोने के गहने और एक लाख रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। सीएम मान के सुनाम के गांव जगतपुरा में रहने वाले रिश्तेदारों के घर यह चोरी की वारदात हुई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के ननिहाल परिवार (खडियाल) का घर है। चोरों ने शनिवार-रविवार रात चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के समय घर के सभी सदस्य सो रहे थे और उन्हें चोरी की भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। घर के मालिक व गांव के पूर्व सरपंच गुरजंट सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात को चोर घर की छत से दाखिल हुए। कमरे में रखी अलमारी तोड़ दी और करीब 17 तोला सोने के गहने और एक लाख रुपये लेकर फरार हो गए। जिस वक्त चोर ने इस घटना को अंजाम दिया घर के सभी सदस्य सोए हुए थे

एक कॉल से चली गई जमापूंजी, इंदौर-उज्जैन में 90 लाख की ठगी, बैंक मैनेजर ही बन गए ठगों का शिकार

इंदौर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मप्र में डिजिटल अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट का मतलब होता है किसी को फोन या अन्य डिजिटल माध्यमों से बंदी बना लेना और इतना डरा देना कि वह कहीं पर भी बात न कर सके। इस दौरान वह साइबर फ्राड करने वालों को अपना पैसा दे और ठगी का शिकार बन जाए। इंदौर समेत दुनियाभर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में पिछले दो से तीन साल के दौरान तेजी से इजाफा देखा गया है। इस सप्ताह इंदौर और उज्जैन में डिजिटल अरेस्ट के दो मामलों में अपराधियों ने 90 लाख रुपए लूट लिए। दोनों ही मामलों में एक ही जैसे अपराध का पैटर्न देखा गया। इस तरह के फोन कई लोगों को आ रहे हैं। पुलिस का कहना है जागरूकता ही एकमात्र विकल्प है।

जितना जागरूक रहेंगे बचे रहेंगे। बदमाशों ने खुद को सीबीआई अफसर बताकर रिटायर्ड बैंक अधिकारी राकेश कुमार जैन (उम्र 65 वर्ष) से 51 लाख रुपए से ज्यादा की ऑनलाइन ठगी कर ली।

आरोपियों ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी दी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट का डर भी बताया। अधिकारी को गिरफ्तारी का डर दिखाकर दो दिन तक घर में ही अरेस्ट (डिजिटल अरेस्ट) किया। फिर 50 लाख 71 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। धोखाधड़ी का शक होने पर बुजुर्ग रिटायर्ड अधिकारी ने शनिवार को माधव नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। राकेश कुमार जैन एसबीआई बैंक में मैनेजर पद से रिटायर हुए हैं। उनकी पत्नी साथ रहती है। दो बेटे उज्जैन के बाहर जॉब करते हैं। महालक्ष्मी नगर में रहने वाले एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी राकेश कुमार गोयल के साथ एक सनसनीखेज ठगी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने उन्हें डिजिटल तरीके से गिरफ्तार करने का झांसा देकर उनसे 39।60 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस के अनुसार, घटना 11 जुलाई की है, अब केस दर्ज करवाया गया है। राकेश कुमार गोयल को एक फोन आया, जिसमें खुद को मुंबई के अंधेरी थाने का जवान बताने वाले व्यक्ति ने उन्हें बताया कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का वारंट जारी हुआ है।

इसके बाद बदमाशों ने उन्हें डराते हुए पैसे ट्रांसफर करवा लिए। राज्य सायबर सेल में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि डिजिटल अरेस्ट के तीन प्रमुख कारण अभी तक सामने आए हैं। पहला है डर, दूसरा है लालच और तीसरा है लापरवाही। उन्होंने तीनों कारणों को विस्तार से भी समझाया। डर - फोन आता है कि आपके बेटे को ड्रग्स के मामले में पकड़ लिया गया है। टीआई आपसे बात करेंगे। एक व्यक्ति फर्जी टीआई बनकर बात करता है और पैसों की डिमांड करता है। लोग पैसे ट्रांसफर कर देते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश-भूस्खलन से भीषण तबाही, अब तक 100 से ज्यादा की मौत, 288 सड़कें बंद

शिमला, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिन से भारी बारिश के कारण भूस्खलनों और अचानक आई बाढ़ की वजह से 280 से अधिक सड़कें बंद रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऊना में उफान पर बह रहे नालों का पानी कई घरों में घुस गया है, जबकि लाहौल और स्पीति पुलिस ने निवासियों तथा यात्रियों को अत्यधिक सावधानी बरतने और जाहलमान नाले का जल स्तर "तेजी से" बढ़ने के कारण उसे पार न करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने बताया कि कुल्लू, मंडी और शिमला जिले में 31 जुलाई को अचानक आई बाढ़ के बाद लापता हुए करीब 30 लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन अभी कोई बड़ी सफलताा हाथ नहीं लगी है। अभी तक 28 शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 27 जून से 9 अगस्त के बीच बारिश से जुड़ी घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और राज्य को करीब 842 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि 288 सड़कें बंद हैं जिनमें से 138 सड़कें शुक्रवार और 150 शनिवार को बंद हुईं। राज्य आपात अभियान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मंडी में 96 सड़कें, शिमला में 76 सड़कें, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चंबा में 26, लाहौल और स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा तथा किन्नौर में चार-चार सड़कें बंद रहीं। पूह और कौरिक के बीच अचानक आयी बाढ़ और नेगुलसरिन के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर भूस्खलन के बाद किन्नौर का राज्य की राजधानी शिमला से संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में 458 बिजली और 48 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान कार्यालय ने रविवार को 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए पांच जिलों - बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन, सिरमौर और ऊना में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। उसने बताया कि गरज के साथ तूफान आने, बिजली गिरने और बारिश आने का पूर्वानुमान है। मौसम कार्यालय ने चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और शिमला जिलों के कुछ स्थानों में अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी है। उसने बताया कि तेज हवाओं के कारण पेड़-पौधों, फसलों, संवेदनशील ढांचों और 'कच्चे' मकानों को नुकसान पहुंच सकता है और निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है।

एक दिन ब्रेक के बाद वायनाड में बचाव अभियान फिर शुरू, 1200 कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे

वायनाड, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एक दिन आराम के बाद वायनाड के लैंडस्लाइड प्रभावित एरिया में रविवार को फिर से व्यापक खोज अभियान शुरू हो गया। बचावकर्मी विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के बाद लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। इससे पहले शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदा प्रभावित मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों का दौरा किया था। पीएम के दौरे को देखते हुए शुक्रवार दोपहर को तलाशी अभियान रोक दिया गया था। दरअसल, पीएम की सुरक्षा को देखते हुए इस पूरे क्षेत्र को एसपीजी को सौंपा गया था।

शनिवार को पीएम मोदी ने भूस्खलन प्रभावित एरिया का दौरा करने के बाद आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार केरल को राहत और पुनर्वास में मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने इस त्रासदी को प्रकृति का उग्र रूप बताया। बचाव अभियान में पुलिस और फायर सर्विस के कर्मियों के अलावा, विभिन्न सेवा और युवा संगठनों के स्वयंसेवक, भूस्खलन में बचे लोग और पीड़ितों के परिजन शामिल हैं।

1200 से अधिक कर्मचारी तैनात

वहीं, भूस्खलन की त्रासदी के बाद केंद्र सरकार ने तत्काल कदम उठाते हुए घटनास्थल पर बचाव और राहत कार्यों के लिए सेना, वायु सेना, नौसेना, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवाओं और सिविल डिफेंस सहित अन्य विभागों के 1,200 से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया है। केरल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भूस्खलन में 229 लोग मारे गए हैं, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 12 अगस्त- 2024

बांग्लादेश को कीमत चुकानी होगी

आज बांग्लादेश में हुए बदलाव को बहुत अच्छा वे लोग मान रहे हैं, जो 1968 में क्रांति नहीं कर पाए थे। कैसे छात्रों ने ढाका में ट्रैफिक को संभाला, सड़कों को साफ किया, और राष्ट्रपति को बताकर देश के लिए नए नियम बनाए। यह सब सुनकर तो ऐसा लगता है जैसे कोई कहानी हो। लेकिन हकीकत तो यही है कि इतने कम उम्र के युवाओं ने कैसे 84 साल के एक बुजुर्ग व्यक्ति (मोहम्मद यूनुस) को देश की जिम्मेदारी थमा दी, जिसका सपना था देश की सेवा करना। दूसरी तरफ, सोशल मीडिया और कुछ टीवी चैनलों पर ऐसे तस्वीरें भी दिखाई दे रही हैं जिनमें पुलों से लटके हुए शव दिखाई दे रहे हैं तो भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के जले हुए अवशेष भी। इसके अलावा नोआखली के एक गांव से जबरन उठाई गई एक हिंदू महिला, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अंडरगार्मेंट्स दिखाते हुए लुटेरे और राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति पर पेशाब करते हुए एक व्यक्ति की तस्वीरें शामिल हैं। बता दें कि इनकी मूर्ति को बाद में शर्मनाक तरीके से गिरा दी गई। बाकी जो तस्वीरें आ रही हैं वो इतनी विभत्स हैं कि उन्हें दोहराने की जरूरत नहीं है। जाहिर है ये शासन परिवर्तन के बाद होने वाली अपरिहार्य ज्यादतियां हैं। संभव है मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा अपने उद्घाटन भाषण में बताए गए षड्यंत्र के पहलू भी हों। बांग्लादेश विद्रोह के दो पहलू ऐसे हैं जिन पर कोई शक नहीं किया जा सकता। पहला, अवामी लीग सरकार के खिलाफ जनता में जबर्दस्त गुस्सा था क्योंकि सरकार लोकतांत्रिक मूल्यों की परवाह नहीं कर रही थी। 2014, 2019 और 2024 में चुनाव नहीं होने देने और भ्रष्ट शासक वर्ग के दबंग रवैये ने लोगों का गुस्सा आसमान पर खड़ा कर दिया था, जिसका इस्तेमाल करना बहुत आसान हो गया था। दिलचस्प है कि अवामी लीग नेताओं और कार्यकर्ताओं की संपत्तियों पर हुए हमलों पर सरकार ने जानबूझकर ध्यान नहीं दिया। यह सरकार वफादारी बदलने में माहिर हो गई है, जैसा कि 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद देखा गया था। दूसरा पहलू यह है कि हसीना सरकार के गलत कामों का खामियाजा पड़ोसी देश भारत को भुगतना पड़ रहा है, जिसे बांग्लादेश का मुख्य मित्र माना जाता रहा है। यह तय करने का समय आ गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री कैसे और कितनी नरमी से नई दिल्ली के निर्देशों का पालन करती थीं या भारत और चीन के बीच अपने फायदे के लिए कैसे खेलती थीं। स्पष्ट है कि हसीना की अलोकप्रियता का असर भारत पर भी पड़ा है। इसकी झलक 2023 में क्रिकेट विश्व कप फाइनल में भारत की हार के बाद हुए जश्न में झलकता है। इसकी अभिव्यक्ति विदेश में रहने वाले हसीना विरोधी ब्लॉगर्स के भाषणों में भी हुई, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत का बहिष्कार करने का अभियान चलाया था। पिछले हफ्ते, ढाका की सड़कों पर ऐसा उपद्रव मचाया गया कि जैसे भारत का बांग्लादेश पर 'विजय' खत्म हो गया हो। भारत के प्रति यह नफरत हसीना के पतन के बाद हिंदुओं पर हुए हमलों और हिंदू महिलाओं का अपहरण को देखते हुए आसानी से समझा जा सकता है। आज हालात ऐसे हो गए हैं कि जैसे बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यक के पुनर्वास एक मानवीय जरूरत बन गई है। इससे बांग्लादेश की 'दूसरी आजादी' में इस्लामवादियों की भूमिका का सवाल उठना लाजमी है। विद्रोह को इस्लामी ताकतों का प्रदर्शन बताना आसान है। आरोप है कि जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों और कई मदरसों ने भीड़ को जुटाने में मुख्य भूमिका निभाई। इस्लामवादियों का मुजीब स्मारकों, कला प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने और जेल तोड़ने में भी हाथ संभव है। हालांकि, वे चालाकी से इस आंदोलन के नेतृत्व से पीछे हट गए हैं और वामपंथी छात्रों को केंद्र में रखने दिया है। शेख हसीना की अवामी लीग की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ, इस्लामवादी उम्मीद कर रहे हैं कि यूनुस सरकार छह महीने में चुनाव की घोषणा कर देगी, तब तक वे बांग्लादेश की जटिल समस्याओं से निपटने में अपनी पूरी बेबसी दिखा देंगे। इस अंतरिम काल में बीएनपी और इस्लामवादियों को जिलों में फिर से संगठित होने और 2008 से अवामी लीग द्वारा शुरू किए गए उत्पीड़न से उबरने के लिए भी समय मिलेगा। आरोप है कि जमात के कई सिपाही और मौलवी पश्चिम बंगाल गए थे। उन्होंने छोटे हथियारों का एक जखीरा बनाया है जिसका इस्तेमाल आने वाले महीनों में ग्रामीण बांग्लादेश पर नियंत्रण पाने के लिए किया जा सकता है। पिछले दस सालों में, हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश ने अपनी आर्थिक कामयाबी की वजह से दुनिया भर में काफी तारीफें बटोरीं। लेकिन, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था सिर्फ इसलिए संभव हो पाई क्योंकि सरकार की पकड़ बहुत मजबूत थी। वहां लोकतंत्र का दिखावा तो था, लेकिन असल में था नहीं। आने वाले महीनों में वहां लोकतंत्र का जोश देखने को मिलेगा, लेकिन इसकी कीमत बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ेगी। कुछ देश ऐसे भी हैं जहां लोकतंत्र को शायद नियंत्रण के साथ ही चलाया जा सकता है, उसमें बांग्लादेश भी शामिल है।

प्रतिबंध से विचार नहीं मिटते

रघु ठाकुर

पिछले अठावन वर्षों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सरकारी कर्मचारियों को एक प्रकार का प्रतिबंधित संगठन जैसा था। यद्यपि संघ शाखाओं पर कोई प्रतिबंध नहीं था परंतु सरकारी कर्मचारियों का आरएसएस शाखा में भाग लेना प्रतिबंधित था। वैसे यह प्रतिबंध भी बहुत प्रभावी नहीं था, क्योंकि संघ की राजनैतिक संतान भारतीय जनता पार्टी के लोग निर्वाचित होकर राज्य और केंद्र की सरकारों में सहभागी बनने लगे थे। और प्रतिबंध केवल शाब्दिक जैसा रह गया था। जब देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री, राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री शाखाओं में जाते हैं, उनके चित्र अखबारों में छपते हैं तो प्रतिबंध कहाँ रहेगा? परंतु वर्तमान केंद्र की भाजपा सरकार ने अचानक बगैर किसी मांग के तकनीकी रूप से संघ की शाखा में भाग लेने पर प्रतिबंध को हटा दिया। इससे कई प्रकार की चर्चाएँ शुरू हुई हैं और भारतीय राजनीति के एक धड़े के नेताओं में विशेषतरू इंडिया गठबंधन के नेताओं और मीडिया के एक हिस्से के द्वारा इस बात की आलोचना हो रही है और संघ पर, उसकी राजनैतिक और सांस्द्धतिक भूमिका पर, उसके सांस्द्धतिक ढांचे पर राष्ट्रव्यापी चर्चा आरंभ हुई है कि केंद्र सरकार के इस आदेश से संघ के लोगों और विशेषकर अधिकारियों, कर्मचारियों को शाखा में जाने की स्वतंत्रता हो जाएगी इसका प्रभाव अन्य लोगों पर पड़ेगा, तथा इससे संघ का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा। देश के कई वरिष्ठ पत्रकारों ने भी ऐसी ही आशंका व्यक्त की और लेख लिखे हैं। एक पत्रकार महोदय ने तो सुप्रीम कोर्ट से अपील की है और यह अपेक्षा की है कि सुप्रीम कोर्ट स्वतरू संज्ञान लेकर भारत सरकार के इस आदेश को निरस्त करें। मैं नहीं समझता हूँ कि इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का स्वतः संज्ञान लेना उचित होगा या सुप्रीम कोर्ट लेगा, यह आश्चर्य की बात है कि वे स्वतरू याचिका दायर क्यों नहं कर रहे हैं? और अगर उन्हें अपने लेखन पर विश्वास है तो स्वतरू आगे क्यों नहीं आ रहे? जहां तक संघ का राजनैतिक या सांस्द्धतिक संगठन होने का प्रश्न है तो पिछले अठावन वर्षों में यह सभी लोग जान चुके हैं कि संघ का मुखौटा सांस्द्धतिक है परंतु वास्तव में वह राजनैतिक ही है, जो दल का निर्माण करता है, दलों को बनाता-मिटाता है, चुनाव में हिस्सेदारी करता है और यहाँ तक की प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के लिये नाम तय करता है। भाजपा सरकारों को नियंत्रित करता है और अपने स्वयं सेवकों के माध्यम से सरकारों को चलाता है। संघ की यह भूमिका कोई आज की नहीं है वरन पुरानी है। संघ के दूसरे सरसंघ संचालक और विचार पुरुष स्वर्गीय गोलवलकर जी ने जिन्हें संघ के लोग शास्वत गुरु मानते हैं, ने अपनी पुस्तक शविचार नवनीत्य में लिखा था कि संघ राजनैतिक दल को बनायेगा या उसे चलायेगा और अगर वह दल उपयोगी नहीं रहा तो उसे खत्म करेगा। उनके शब्दों में बनाया जाने वाला राजनैतिक दल कमल की नली के समान होगा जो जब तक बजेगी तब तक बजायेंगे और जब बजना बंद हो जायेगी तो फिर उसे खा जायेंगे। यह आश्चर्य की बात है कि संघ की यह भूमिका पिछले अट्ठावन वर्षों से घोषित अघोषित रूप से हो रही है। यह भी आश्चर्यजनक है कि जो कांग्रेस के मित्र अब कर्मचारियों को संघ शाखा में जाने की अनुमति पर चिंतित है उन्हीं की आजाद भारत की पहली सरकार ने संघ पर प्रतिबंध भी लगाया था और फिर उसे हटाया भी था। इतना ही नहीं संघ को देश में रचनात्मक कार्यों जैसे गणतंत्र दिवस आदि में सहयोग के लिये आमंत्रित किया था। क्या ये कांग्रेस के मित्र इसे अपने सत्ताधीश पुरखों की गलती स्वीकार करेंगे? या फिर केवल बढ़ी हुई ताकत से भयभीत होकर प्रतिबंध की बात उठा रहे हैं। भले ही औपचारिक रूप से संघ की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर प्रतिबंध लगा हो परंतु उस प्रतिबंध का क्या प्रभाव होगा विशेषकर जब देश का प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ही शाखाओं से प्रशिक्षित होकर सत्ता में आया हो, पंद्रह वर्षों तक संघ के लोग केंद्र में सत्ताधीश रह चुके हो और शासन प्रशासन के नियंत्रक तथा कर्ता-धर्ता रहे हों। मैं इस प्रतिबंध का समर्थक नहीं हूँ और मानता हूँ कि किसी विचारधारा से संघर्ष या मुकाबला सत्ता के प्रतिबंधों से नहीं हो सकता, वह तो विचारधारा के माध्यम से ही होना चाहिये। आजादी के पहले कांग्रेस पर अंग्रेज सरकार ने प्रतिबंध लगाया था तो क्या उससे कांग्रेस समाप्त हुई? 1962 में चीनी हमले के के बाद तत्कालीन सरकार ने कम्युनिष्टों पर प्रतिबंध लगाया था, क्या कम्युनिष्ट पार्टियां समाप्त हुईं? आपातकाल में कांग्रेस सरकार ने जनसंघ और अन्य राजनैतिक दलों तथा संघ पर अघोषित प्रतिबंध लगाया था तो क्या वे समाप्त हो गये? प्रतिबंध अमूमन प्रतिबंधित विचार को और अधिक फैलाता तथा बढ़ाता है। जिस प्रकार पेड़ की कांटछांट से पेड़ घटता नहीं बल्कि बढ़ता है। संघ की विचारधारा निसंदेह सांप्रदायिक है, जो संस्था एक देश के एक ही धर्म को मानती हो, जो देश को एक हिंदू धर्म का राष्ट्र बनाना चाहती हो, उसमें धार्मिक कट्टरता होना स्वाभाविक है। एक धर्म के राष्ट्र की परिकल्पना भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्षता समभाव और बंधुता के खिलाफ है। एक धर्म या देश मानने वाली जमातें कहे-अनकहे, घोषित या अघोषित, चाहे या अनचाहे अपने प्रति उदार और अन्यों के प्रति कट्टर होती हैं। यह स्थिति हम लोग दुनिया के उन देशों में भी देख सकते हैं जहां एक धर्म के देश वह पाकिस्तान हो या अफगानिस्तान, ईरान, ईराक या कोई भी एक धर्म को मानने वाले देश हैं, वहाँ दूसरे धर्मों को मानने वालों की स्थिति स्वाभाविक रूप से दोयम दर्जे की हो जाती है। और वह अंर्तकलह अंतरहिंसा में बदलती है जिसको हम लोग पाकिस्तान या अन्य देशों में देख रहे हैं। संघ की संकीर्णता प्रतिबंध से हटती नहीं है वरन बढ़ती है। एक धर्म का देश होना फिर उसमें बहुमत वाले एक पंथ का देश होगा, फिर पुरानी परंपराओं को पुनरू जिंदा कर चलाने वाला देश होगा और अंतत वह विघटन की ओर ले जायेगा। भारत एक विशाल देश है जिसमें अनेकों धर्म हैं, अनेकों पंथ हैं, अनेकों भाषाएं हैं, सैकड़ों बोलियां हैं, सैकड़ों जातियाँ व उपजातियाँ हैं इन्हें एकजुट रखना ही देश को ताकतवर बनाना होगा और इसके लिये सभी धर्मों, भाषाओं, क्षेत्रों, खंडों, उपखंडों की स्थानीयता के साथ-साथ एक सुगठित राष्ट्र बनाना होगा। परस्पर मत भिन्नताओं के बीच संवाद करना होगा तथा भिन्नताओं को बहुमत की शक्ति के बजाय आम सहमति से काम करना होगा। संघ के लोग अभी तक भले ही खुलकर शाखाओं में न जाते हों, परंतु संघ के अधिकारियों और कर्मचारियों की मूल वैचारिक निष्ठा तो संघ में ही रहती हैं तथा एक छिपी हुई भावनात्मक और संगठनात्मक एकता भी उनमें रहती है। यहाँ तक कि अधिकारी वर्ग संघ के अलिखित निर्णय या आदेशों को प्रशासन में क्रियान्वित करता है। संघ और उसके राजनैतिक दल की संरचना ही ऐसे बनाई गई है जिस प्रकार कम्युनिस्ट शासन में पार्टी ही सत्ता बन जाती है उसी प्रकार भाजपा शासन में संघ ही सत्ता का केंद्र बन जाता है। संघ के प्रशिक्षित लोग पार्टी (भाजपा) में संगठनमंत्री के रूप में भेजे जाते हैं और वे ही पार्टी और सरकार को नियंत्रित करते हैं इसलिये भाजपा की सत्ता वास्तविक रूप से संघ की सत्ता होगी यह बात किसी से भी छिपी नहीं है। संघ अपनी आवश्यकता के अनुसार अपने आप को रूपांतरित और परिभाषित करता है। वह सांस्द्धतिक भी बन सकता है, वह गैर राजनैतिक भी बन सकता है और आवश्यकता पड़ने पर संपूर्ण राजनैतिक भी हो सकता है।

मुझे याद है कि 1978-79 के बीच संघ ने नागपुर में आयकर विभाग को लिखकर दिया था कि वह राजनैतिक है। इसलिये संघ की शाखा में कर्मचारियों के प्रवेश की रोक का कोई असर न हुआ था न होगा। पशचिम बंगाल के हाईकोर्ट के जज अभी 2024 के चुनाव में सेवानिवृत्ति के बाद लोकसभा का चुनाव भाजपा से लड़े।

ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्ध पुस्तकालयों का इंतजार

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

संपन्न पुस्तकालय समृद्ध समाज व्यवस्था और विकसित राष्ट्र की पहचान होते है। शिक्षा का केंद्र बिंदु और प्रेरणा का स्त्रोत पुस्तकें ही होती है, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कुशल कर्मचारी वर्ग उत्कृष्ट सेवा सुविधाओं द्वारा पुस्तकालयों को उन्नत बनाते है। पुस्तकालयों का महत्व केवल ज्ञानी ही समझ सकते है, विश्व में विकसित देशों के पुस्तकालय अपने पाठकों को अंतरराष्ट्रीय मानकोंनुसार सेवाएं प्रदान करते है, पाठकों को दुनियाभर का ज्ञान, अनुसंधान, दुर्लभ सूचनाएं, अद्ययावत जानकारी घर बैठे पुस्तकालय सदस्यता द्वारा इंटरनेट के बस एक क्लिक पर या अपने नजदीक के पुस्तकालय पर उपलब्ध होती है। हमारा देश गांवों में बसता है, क्योंकि सबसे बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। शहरों में सुख-सुविधाओं के लिए शिक्षा संस्थान, मॉल, अस्पताल, कारखाने, उद्योग, होटल, यातायात संसाधन जैसे अनेक मौके होते हुए भी बहुत बार सामान्य मनुष्य का संघर्ष ख़त्म होने का नाम नहीं लेता। शहरों में भी लोगों को आवश्यकतानुसार पूर्ति नहीं होती है, फिर ऐसे समय में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की क्या हालत होती होगी, इसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। समस्या हर विभाग और क्षेत्र में है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषत पिछड़े इलाकों में आज भी बिजली, पानी, पोषक अन्न, सड़क, स्कूल-कॉलेज, रोजगार और उन्नत जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं की भारी कमी है। बहुत बार तो सरकारी योजनाएं भी इन जरुरतमंदो तक पहुंच नहीं पाती है। यहाँ के सामान्य नागरिकों का संघर्ष तो अधिक ही कष्टप्रद होता है। ऐसे में यहां जीवन उन्नति के मौके बहुत ही कम मिलते है। ऐसे परिस्थिति में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल होता है और इन हालातों में बेहतर पुस्तकालय का विकास केवल चमत्कार ही हो सकता है, क्योंकि दूर दराज की अधिकतर शासकीय विभाग और स्कूल-कॉलेज भी आधारभूत समस्याओं से जूझते नजर आते है। बहुत से स्कूल-कॉलेज की पुरानी इमारत खंडहरनुमा बन गई है, अनेक बार ऐसी जगह हादसे भी होने की घटनाएं देखने-सुनने को मिलती है। पिछड़े इलाकों में आज भी बच्चे नदी-नाले, जंगल, पहाड़, दलदलनुमा सड़क पार करके स्कूल जाते है, सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भी वायरल होते है। इसी विषय से संबंधित अपना एक अनुभव आप सभी को बताता हूँ, कुछ समय पहले एक पाठक 80 साल के बुजुर्ग ने मुझे कॉल किया था, वे बुलढाणा (महाराष्ट्र) के किसी ग्रामीण क्षेत्र में एक छोटा-सा पुस्तकालय संचालित करते है, वे खुद के केवल पेंशन के भरोसे उस पुस्तकालय में आज के महंगाई के जमाने में बड़ी मुश्किल से कुछ समाचार पत्र ही खरीद पाते है, निधि के अभाव में पुस्तकें चाहकर भी खरीद नहीं सकते, उन्हें किसी से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती, राज्य सरकार से अनुदान के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किये परंतु उन्हें सिर्फ निराशा ही मिली। उनके गांव के बच्चों को मज़बूरी में दूर तहसील के पुस्तकालयों में जाना पडता है, वहां भी बच्चों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती है। उम्र के इस पड़ाव में वयोवृद्ध बुजुर्ग का समाज के लिए पुस्तकालय को जिवंत रखने के लिए निस्वार्थ मेहनत, सेवाभाव, संघर्ष हमें निशब्द कर देता है, वे अपनी समस्या मुझसे साझा करते हुए बेहद भावुक होकर रोने लगे और बोले कि मैं अपने जीते जी इस पुस्तकालय को समृद्ध नहीं कर पाया इसका बहुत दुःख है, शायद उनके मृत्यु के पश्चात यह पुस्तकालय बंद हो जायेगा। यह हुई एक संघर्षमय पुस्तकालय की दम तोड़ती वास्तविकता, देश के ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य पुस्तकालयों की दास्तान इससे कुछ अलग क्या होगी? गांवो, शहरो में अक्सर त्यौहार, रैली, सभाएं, मनोरंजन कार्यक्रम, प्रदर्शन, खेल, उद्घाटन, सरकारी योजनाओं के लिए बड़े-बड़े आयोजन किये जाते है, सरकार भी विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया खर्च करती है, नेता, अभिनेता, सेलिब्रिटी इसके लिए हमेशा लोगों के बीच भेट देते है। परंतु पुस्तकालयों को समृद्ध करने के लिए ऐसे आयोजन देखने ही नहीं मिलते, ना ही समाज के दानदाता आगे आते, जबकि पुस्तकालय सबसे ज्यादा जरूरी है। देश के बड़े-बड़े निजी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्र, आयआयटी, आयआयएम, विश्वविद्यालय, शहरों के नामचीन स्कूल-कॉलेज के पुस्तकालय तो विकसित और समय अनुसार उन्नत नजर आते है, लेकिन बाकि जगह पुस्तकालयों की हालत बहुत दयनीय है। शहरों में आबादी तेजी से बढ़ रही है, उनके लिए स्कूल-कॉलेज, बाजार, दुकाने, रास्ते, बस स्टॉप, कॉलोनी सब नये-नये बन रहे है, केवल आबादी की जरुरत के हिसाब से नए पुस्तकालय स्थापित नहीं हो रहे है। विकसित पुस्तकालय बगैर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कोरी कल्पना है, जबकि देश का आनेवाला उज्वल भविष्य बेहतर शिक्षा, संस्कार, कलाकौशल पर टिका है, अर्थात विकसित पुस्तकालय मजबूत शिक्षा की आधारशिला है। संस्कृति मंत्रालय (राजा राम मोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन) अनुसार, देश में 54,856 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, लेकिन उनमें से केवल एक छोटा सा हिस्सा ही अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन मानक के अनुसार, प्रत्येक 3,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय होना चाहिए। आबादी के हिसाब से हमारे पास 4,41,390 सार्वजनिक पुस्तकालय होने चाहिए। देश में 36,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय है। पुस्तकालय विशेषज्ञों नुसार केवल 20% आबादी को हमारी सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। अमेरिका में, सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली कुल जनसंख्या के 95.6% को सेवा प्रदान करती है और प्रति व्यक्ति लगभग 2,493 रुपये खर्च करती है। हमारे देश के केवल 9 प्रतिशत गांवों में सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालयों पर सरकार का औसत प्रति व्यक्ति खर्च केवल 0.07 रुपये है और यह अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग है। आईएफएलए की रिपोर्ट 2017 अनुसार, भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय में औसत 5,700 किताबें हैं, जबकि विकसित देशों में 108,000 किताबों का संग्रह है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिक्स की 2018 की रिपोर्ट अनुसार, केवल 12% भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालयों में कंप्यूटर हैं और केवल 8% में इंटरनेट की सुविधा है। 2016 पीटीआई के समाचार लेख के अनुसार, भारत के कार्यरत कुल पुस्तकालयध्यक्षों में से केवल 10% ही पेशेवर रूप से योग्य हैं। शहरों में नगर निगम, महानगर पालिका का हजारों करोड़ का बजट होने के बावजूद उनके द्वारा संचालित सार्वजनिक पुस्तकालयों पर खर्च करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता।

लाखों एकड़ भूमि हथियाने का फंडा है वक्फ बोर्ड!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के भविष्य और डैमोग्राफी को बचाने के लिए जब जब सुधार की कोशिश की जाती है तब तब मुस्लिम वोट बैंक के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण में लगे राजनीतिक दल दीवार बन कर खड़े हो जाते हैं। यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता ढ है आजादी के 75 साल बाद असीमित अधिकार से मनमानी करते रहे वक्फ बोर्ड के नियमन के लिए एक ईमानदार कोशिश की जा रही है लेकिन वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर देश भर में कई कथित सेकुलर राजनीतिक दल आस्तीन चढा कर विरोध में उतर आए हैं। और सत्ता और विपक्ष आमने-सामने है। एक तरफ सरकार वक्फ बोर्ड में सुधार की मांग को सरकार सही ठहराने में लगी है, तो दूसरी तरफ देश की विपक्षी पार्टियों और अल्पसंख्यक संगठनों के द्वारा जोरदार तरीके से विरोध किया जा रहा है। इस बीच वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लोकसभा में पेश करने के बाद विपक्षी पार्टियों के विरोध के कारण संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है। ताजा अपडेट के अनुसार गुरुवार 8 अगस्त को किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया था, लेकिन विपक्ष के कड़े रुख के बाद बिल सदन में लटक गया और सरकार को झुकना पड़ा और इस बिल के लिए ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी बनानी पड़ी. यह कमेटी इस बिल पर अपनी रिपोर्ट अगले सेशन के अंतिम सप्ताह के पहले दिन जमा करेगी। जेपीसी में लोकसभा के सांसद जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, कल्याण बनर्जी, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, जस्टीस अभिजीत गंगोपाध्याय, डीके अरूणा, गौरव गोगोई, इमरान मसूद, मोहम्मद जावेद, मोहिबुल्लाह, ए. राजा, कृष्णा देवेला, दिलेश्वर कामत, अरविंद सावंत, मामा सुरेश गोपीनाथ, नरेश गणपत महासके, अरुण भारती और असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं.वक्फ बोर्ड के लिए बनी जेपीसी में राज्यसभा के कुल 10 सदस्यों को शामिल किया गया है. इनमें बीजेपी के 4 सांसद बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल शामिल हैं. वहीं सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीमुल हक (तृणमूल कांग्रेस), संजय सिंह (आम आदमी पार्टी), वी विजय साई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), डी वीरेंद्र हेगड़े (मनोनीत) को शामिल किया गया है. आपको बता दें कि देश में सबसे पहली बार 1954 में वक्फ एक्ट बना। इसी के तहत वक्फ बोर्ड का भी जन्म हुआ। इस कानून का मकसद वक्फ से जुड़े कामकाज को सरल बनाना था। एक्ट में वक्फ की संपत्ति पर दावे और रख-रखाव तक का प्रविधान हैं। 1955 में पहला संशोधन किया गया। 1995 में एक नया वक्फ बोर्ड अधिनियम बना। इसके तहत हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड बनाने की अनुमति दी गई। बाद में साल 2013 में इसमें संशोधन किया गया था। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन का काम वक्फ बोर्ड करता है। यह एक कानूनी इकाई है। प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्ड होता है। वक्फ बोर्ड में संपत्तियों का पंजीकरण अनिवार्य है। बोर्ड संपत्तियों का पंजीकरण, प्रबंधन और संरक्षण करता है। राज्यों में बोर्ड का नेतृत्व अध्यक्ष करता है। देश में शिया और सुन्नी दो तरह के वक्फ बोर्ड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में वक्फ बोर्ड के आठ लाख एकड़ से ज्यादा जमीन है।

साल 2009 में यह जमीन चार लाख एकड़ थी। इनमें अधिकांश मस्जिद, मदरसा, और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ बोर्ड की अनुमानित संपत्ति की कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है।अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने दिसम्बर 2022 में लोकसभा में जानकारी दी थी जिसके अनुसार वक्फ बोर्ड के पास 8,65,644 अचल संपत्तियां हैं। लगभग 9.4 लाख एकड़ वक्फ की जमीनों की अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ है।देश में उत्तर प्रदेश और बिहार में दो शिया वक्फ बोर्ड समेत कुल 32 वक्फ बोर्ड हैं। रेलवे और रक्षा विभाग के बाद देश में वक्फ बोर्ड के पास सबसे अधिक संपत्ति है। हाल ही में केंद्रीयअल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विधेयक को लोकसभा में पेश किया। चर्चा के दौरान विपक्षी सांसदों ने विधेयक का जोरदार विरोध किया। देश भर में आए दिन किसी भी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता कर कब्जे करने का सिलसिला की दशक से चल रहा है। ऐसे ही क्रम में 2022 में तमिलनाडु के वक्फ बोर्ड ने हिंदुओं के बसाए पूरे थिरुचेंदुरई गांव पर वक्फ होने का दावा ठोंक दिया। बेंगलुरू का ईदगाह मैदान विवाद। इस पर 1950 से वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है। सूरत नगर निगम भवन को वक्फ संपत्ति होने का दावा किया जा रहा। तर्क यह है कि इसे मुगलकाल में सराय के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। कोलकाता के टॉलीगंज क्लब, रॉयल कलकत्ता गोल्फ क्लब और बेंगलुरु में आईटीसी विंडसर होटल के भी वक्फ भूमि पर होने का दावा है।

फिल्मी इश्क़– इल्मी अश्क़

डॉ टी महादेव राव

कॉलेज में प्रवेश लेते ही वह अपने आपको एक आदर्श फिल्मीइ नायक के रूप में ढालने लगा – फिल्मोंव ने उसे इस कदर प्रभावित किया था, कि फिल्मीय जीवन और वास्तअविक जीवन में उसे कोई अंतर नजर न आता था। कॉलेज की रंग-बिरंगी तितलियों सी उड़ती, चिड़ियों सी चहचहाती कन्याओं को देखकर सोचता इन्हें जाल में फांसने का शाहरुख और सलमान का अपना आदर्श माना। उसी पूरी उम्मीकद थी कि उसकी बुद्धि, सादगी, शांत प्रकृति पर एक नहीं कई बालाएं फिदा होंगी। वह समय से पहले कॉलेज आता-सीधे सादे लिबास में, कोई बनावट, कोई विशेषता नहीं। साधारण वेश-भूषा और बालों को अमोल पालेकर स्टा इल रखता। कॉलेज पहुंचकर लॉन में किताबें पढ़ता, फिर कक्षा में पूरी तन्मपयता के साथ लेक्चर सुनता। रीसेस में भी लायब्रेरी जाता इस तरह वह पूरा सिद्धार्थ बन गया था। तीसरे साल के अंत में एक हादसा हुआ। वह एक दुर्घटना में घायल हो गया। साइकिल का एक लड़की के स्कूमटर से टकराने के फलस्वनरूप। लड़की उसी की क्ला सफेलो थी नीमा ! अस्पतलाल में पड़े-पड़े बैंडेज बंधे सिर, और प्लांस्टर लगे हाथ को लिये वह सामने स्टूल पर बैठी सुंदर एक्सीपडेंटीय नवयौवना को निहार रहा था। लगा कि अब जाकर बात बनी है, बनेगी भी। बस-दर्द का झूठा बहाना बार-बार नीमा द्वारा नर्स को बुलाना चलता रहा। नीमा कभी-कभी इस डर से कि कहीं पुलिस केस न हो जाये- उसे देखने अस्पकताल आया करती। अस्पकताल से लौटने के बाद के दिन वह कॉलेज की लाइब्रेरी में बैठा हुआ था। नीमा अपनी सहेलियों से घिरी अंदर आयी। उसकी सहेली ने नीमा से धीमी आवाज में कहा, मगर सिद्धार्थ ने सुन लिया-ऐ नीमा ! देख तेरा किताबी कीड़ा बैठा हुआ है। नीमा हंस दी, सिद्धार्थ का अभिवादन किया और दूर जाकर बैठ गयी। सिद्धार्थ के मन में खुशी का हाइड्रोजन बमफूटा। रातों को सपनों में नीमा के साथ आने वाली लाखों की जायदाद के सपने देखता। उस दिन फाइनल का रिजल्ट निकला। इस बार अपना सिद्धार्थ यूनिवर्सिटी-टॉप रहा। एक नीमा का सपना और दूसरे इस सफलता ने उसमें एक अजीब आत्मट विश्वाअस को जन्मर दिया। कॉलेज में ही नीमा मिली।

अक्कड़-बक्कड़ और नुक्कड़

सुरेश मिश्रा

हमारे घर के पास एक नुक्कड़ है। यह नुक्कड़ देश में घटती घटनाओं का जीता-जागता उदाहरण है। कभी-कभार यहीं पर लॉरी आकर ठहरती है। उसमें से कोई बंद मुट्ठी के साथ उतरता है। पुलिस वाले की खुली मुट्ठी में कुछ थमा देता है। जाते-जाते लॉरी वाला गहरा और गुणवत्तापूर्ण काला घनघोर धुआँ छोड़ जाता है। उसी धुएँ में खुली और बंद मुट्ठियाँ गायब हो जाती हैं। यहीं पर एक बत्ती है। यह लाल-पीला और हरा होने के सिवाय कुछ करता नहीं है। नुक्कड़ के मिज़ाज को देखकर बत्ती भी गिरगिट से होड़ ले रही है। कभी गिरगिट तो कभी बत्ती आगे हैं। इसी नुक्कड़ पर आए दिन नैतिक मूल्य अपनी टाँगे तुड़वाते नजर आते हैं। नकल नहीं करवाने, कड़ाई करने और प्राइवेट में ट्युशन पढ़ाने वाले अध्यापकों की पिटायी यहाँ आम बात है। फेल करने वाले अध्यापकों की आवभगत तो बड़ी तबियत से की जाती है। कोई उन्हें देख न लें इसलिए नुक्कड़ के पास देश का भविष्य ऊँचा करने वाले अपना सिर नीचा करके चलता है। इनसे तो अच्छे कुत्ते हैं। जो मिठाई वाले की दुकान पर पड़े जूठे दोने खा-खाकर इतने हृष्ट-पुष्ट हो जाते हैं कि इन्हें भगाना तो दूर इनकी ओर देखना तक पेट पर चौदह इंजेक्शन लगाने के बराबर होते है। ये कुत्ते इतने शरारती होते हैं कि बच्चों के हाथ से लड्डू, स्त्री के आंचल में छिपा नारियल, बूढ़ों का कटोरा छीनकर रफू-चक्कर हो जाते हैं। यह नुक्कड़ नंगापन का अड्डा है। भरी दुपहरी में लड़की का अपहरण हो जाता है। आए दिन बच्चों की दीपावली की तरह महजबपरस्त धमाका करते हैं। इतना ही नहीं सुबह से लेकर रात तक भड़काऊ कागज़ के टुकड़े बांटते और जरूरत पड़ने पर अपनी भड़ास सिर तन से जुदा करके निकालते हैं। रेहड़पट्टी पर बैठने वाले कमाते कम हैं, गंवाते ज्यादा है। फेक फोन पे और गूगल पे के चक्कर में फेक ग्राहकों से अपनी बैंड खुद बचवाते हैं। यह नुक्कड़ नहीं साहब स्वर्ग जाने का शार्टकट है। पनवाड़ी की दुकान पर बने लाल-लाल पीक के निशान आते-जाते लोगों को परलोक का रास्ता बतलाने का काम करते हैं। बिना बिरयानी, पैसों के भीड़ जुटाना आज के जमाने का सबसे मुश्किल काम है। नुक्कड़ इस बात का अपवाद है। इसीलिए सरकार आए दिन इस पर जीएसटी लगाने का विचार कर रही है। इस नुक्कड़ से इतनी सड़कें हो कर गुजरती हैं जितनी एक योजना के साथ भ्रष्टाचार के मार्ग। भ्रष्टाचार में कहीं कोई गड्ढे नहीं हैं इसीलिए नेतागण मक्खन की तरह यात्रा करते हैं। यह मात्र एक नुक्कड़ नहीं है।

सावन शुक्ल चतुर्दशी को

इस योग में करें पूजा: मिलेगा कई गुना फल

हिंदू धर्म में सावन का महीना पूजा-पाठ, धर्म-कर्म आदि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन का पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दौरान भगवान शिव की पूजा-अर्चना, व्रत और उनके मंत्रो का पाठ करना विशेष फलदाई बताया गया है। विशेष तौर पर सावन के महीने में सोमवार को भगवान शिव के निमित्त विशेष पूजा अर्चना की जाती हैं। कहते हैं कि सावन के सोमवार के दिन भगवान शिव के निमित्त श्रद्धा भक्ति भाव से व्रत करने, उनके मंत्रो का पाठ और उनकी आराधना करने से मन की सभी इच्छाओं को पूर्ण किया जा सकता हैं। धार्मिक ग्रंथो में सावन महीने में केवल महादेव की पूजा करने का ही विधान बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के सावन के सभी व्रत छूट गए हो तो 18 अगस्त को एक विशेष योग में महादेव की पूजा करें इससे पूरे सावन का फल प्राप्त हो जाएगा। पंचांग के अनुसार 19 अगस्त को सावन की पूर्णिमा से एक दिन पहले पूरे सावन माह का फल प्राप्त करने के लिए महादेव को प्रसन्न करने के लिए विशेष मुहूर्त है।

ऐसे करें रुद्राभिषेक

भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए सबसे पहले गणेशजी की विधि-विधान से पूजा करें।
इसके बाद रुद्राभिषेक करने का संकल्प लें। फिर पूजा आरंभ करें।
शिव-गौरी के साथ नौ ग्रहों का स्मरण करके रुद्राभिषेक का उद्देश्य बताएं।
रुद्राभिषेक की प्रक्रिया शुरू करें और उत्तर दिशा में शिवलिंग स्थापित करें।
रुद्राभिषेक के लिए पूर्व दिशा में बैठ जाएं और मिट्टी से शिवलिंग बनाकर उसपर जलाभिषेक करें।
शिवलिंग को गंगाजल से स्नान करवाएं और फिर रुद्राभिषेक में इस्तेमाल होने वाली चीजे शिवजी को चढ़ाएं।
अंत में शिवजी को प्रसाद अर्पित करें। पूजा में इस्तेमाल किए गए जल और अन्य द्रव्यों को परिवार के सदस्यों पर छिड़कें।

रुद्राभिषेक के नियम

शिवलिंग का जो मंदिर नदी के तट या फिर पर्वत के किनारे स्थित हो, वहां स्थित शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करना शुभ फलदायी माना गया है।
मंदिर के गर्भगृह में स्थिति शिवलिंग पर जलाभिषेक करना शुभ होता है।
जल से रुद्राभिषेक करने के लिए तांबे के लौटे का इस्तेमाल करें।
घर में स्थापित शिविंलग का भी रुद्राभिषेक कर सकते हैं। इसके अलावा शिव मंदिर में जाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही उत्तम माना जाता है।

शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को इस योग में करें पूजा

हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री ने बताया कि जिन लोगों के सावन के व्रत किसी कारणवश छूट गए हैं और वह सावन का पूरा फल प्राप्त करना चाहते हैं तो 18 अगस्त को महादेव की पूजा करें। पंचांग के अनुसार 18 अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग होने के कारण कोई भी धार्मिक कार्य करने उसमें सिद्धि प्राप्त होने पर उसका कई गुना फल प्राप्त होता है। ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि 18 अगस्त को सावन के महीने की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि है जिसमें सर्वार्थ सिद्धि योग आ रहा है सर्वार्थ सिद्धि योग सभी धार्मिक कार्यों में सिद्धि को प्रदान करने वाला हैं।

घर में रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से परिवार होगा सुखी

हर कोई चाहता है कि घर परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे। इसके लिए हम प्रयास भी करते रहते हैं। इसके बावजूद परिवार में अशांति का माहौल बन जाता है। जीवन में आ रही समस्याओं को हम सुलझा नहीं पाते। वास्तु शास्त्र में ऐसी समस्याओं को सुलझाने का आसान तरीका बताया गया है। घर परिवार में शान्ति-सद्भाव और सुख-समृद्धि के लिए घर में बांसुरी रखने से घर में कई प्रकार के वास्तु दोष दूर होंगे और घर में खुशहाली आएगी। बांसुरी का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से है, जो प्रेम और शांति का संदेश देती है। कृष्ण हमेशा बांसुरी को अपने साथ रखते थे। बांस की बनी बांसुरी ही उनकी शक्ति थी। वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस घर में बांस की बांसुरी होती है, उस घर में भगवान श्रीकृष्ण वास करते हैं और यशोदा नंदन की कृपा जातक पर सदैव बनी रहेगी। घर परिवार में प्रेम के साथ ही सुख-समृद्धि भी बनी रहेगी। उल्लेखनीय यही कि बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को अतिप्रिय है। इसलिए इसे पवित्र और पूज्यनीय माना गया है। बांसुरी सम्मोहन एवं प्रसन्नता का प्रतीक मानी गई है। मनुष्य क्या पशु व पक्षी भी इसकी मधुर धुन से आकर्षित हो जाते हैं। बांसुरी बजाने से निकलने वाली वाली ध्वनि से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बांसुरी के स्वर से प्रेम बरसाता है और मन में आनंद की अनुभूति होती है। जिस घर में बांसुरी के स्वर गूंजते ,उस परिवार में परस्पर प्रेम और उल्लास अनवरत बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार बांसुरी शांति व समृद्धि का प्रतीक है, इसलिए घर के मुख्य द्वार पर बांस की सुन्दर सी बांसुरी लटकाना बेहद शुभ होता है। इससे परिवार पर श्रीकृष्ण की कृपा से आर्थिक तंगी दूर होगी और मां लक्ष्मी की कृपा से धनवर्षा होगी। इसी तरह मानसिक तनाव और पति-पत्नी के बीच अनबन को दूर करने के लिए सोते समय सिरहाने बांसुरी रखने से ये समस्याएं छूमंतर हो जाएंगी।

घर में बांसुरी को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए कि उसपर बार-बार आपकी नजर पड़े। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और आपको कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। इसी तरह यदि घर में कोई सदस्य बीमार रहता है, तो उसके कमरे के दरवाजे के ऊपर अथवा सिरहाने बांसुरी रखने से चमत्कारिक लाभ होगा। इसी तरह व्यापार आदि में लाभ के लिए अपने कार्यालय या दुकान के मुख्य द्वार पर दो बांसुरी लगाना शुभ होगा। आध्यात्मिक उन्नति एवं साधना में सफलता के लिए पूजा घर के दरवाजे पर बांसुरी लगाने से शीघ्र सफलता प्राप्त होगी। विशेष ध्यान रखने योग्य बात यह है कि बांसुरी को कभी भी सीधी नहीं लगानी चाहिए। बांसुरी को तिरछा लगाना शुभ परिणाम देता है। भगवान श्रीकृष्ण भी तिरछे खड़े होकर ही बांसुरी बजाते थे।

अधूरी ख्वाहिश का संकेत है सपने में मृत रिश्तेदार को रोता देखना

क्या आपको भी सपने में दिखते हैं अपने पूर्वज? कैसे पहचानें शुभ या अशुभ

सपनों की अपनी दुनिया होती है। आप कई बार सोते समय ऐसे सपने देखते हैं, जिसके बार में आप कभी नहीं सोचते लेकिन यह सोचकर भूल जाते हैं कि यह सपने हैं। वहीं कई बार ऐसे सपने भी आते हैं जो आपके ज़हन में रह जाते हैं और आप उनके बारे में बार बार सोचते हैं। इन्हीं में से एक हैं सपने में किसी को मृत देखना और खास तौर पर अपने किसी रिश्तेदार का। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने भविष्य को लेकर कुछ न कुछ संकेत देते हैं। इसमें हर एक सपने का मतलब बताया गया है। साथ ही इनके संकेतों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई है।

मृत रिश्तेदार को देखना

ऐसा माना जाता है कि जो लोग हमसे जुड़े होते हैं। वह अक्सर हमारे सपने में आते हैं। वहीं यदि आपके सपने में कोई मृत रिश्तेदार दिखाई देता है तो इसका संकेत है कि वह आपसे कुछ कहना चाहता है।

रोता हुआ नजर आना

यदि आपके सपने में कोई मृत रिश्तेदार रोता हुआ

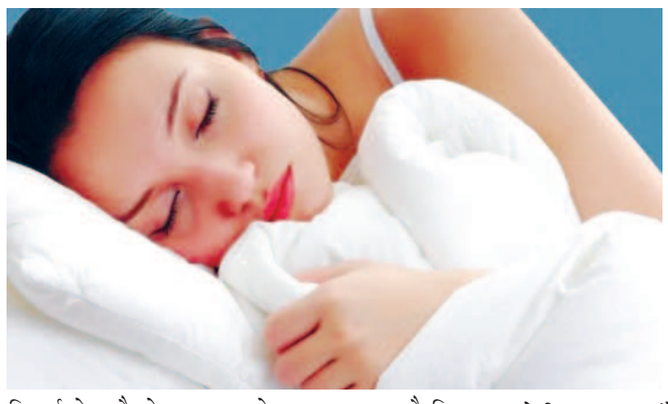

दिखाई देता है तो वह इस ओर इशारा करता है कि उसकी कोई ख्वाहिश अधूरी रह गई है और वह आपकी मदद से उसे पूरा कराने का संकेत करता है।

मृत रिश्तेदार से बात करना

कोई आपके सपने में आता है और आपसे बात करता है, जो कि मृत रिश्तेदार है तो इसे स्वप्न शास्त्र में शुभ स्वप्न बताया गया है। यह संकेत है कि आपके रुके हुए काम पूरे होने वाले हैं और आपको इनका आशीर्वाद मिलने वाला है।

मृत रिश्तेदार का गुस्सा

अगर आप अपने सपने में किसी मृत रिश्तेदार को गुस्से में देखते हैं तो यह अशुभ स्वप्न माना गया है। यह आपको भविष्य में किसी अनहोनी घटना का संकेत देता है। साथ ही वह व्यक्ति आपके द्वारा किए गए गलत कार्य से दुखी भी माना जाता है, जिसे आप सुधार सकते हैं।

भगवान कृष्ण का कालिया नाग को श्राप

'जहां भी पीछे मुड़कर देखोगे, वहीं पत्थर के हो जाओगे पूरी कथाभगवान श्रीकृष्ण लीलाधर हैं।

श्रीकृष्ण लीलाएं हमेशा से ही भक्तों को मोहित करती रही हैं। ऐसी ही एक बाल लीला कालिय नाग के मर्दन से जुडी है। कालिय नाग मर्दन श्रीकृष्ण बाल लीलाओं में से एक अत्यंत हत्वपूर्ण लीला है, जो उनके पराक्रम और दिव्य शक्तियों का एक अद्भुत प्रदर्शन है। आइए जानते है, कालिय नाग मर्दन की कथा और भगवान श्रीकृष्ण ने उसे श्राप क्यों दिया?

दर्शन मात्र से मिलती है कालसर्प दोष से मुक्ति

गोकुल, ब्रज और वृन्दावन की भाग्यशाली माटी इस बात की गवाह है कि लीलाधर भगवान श्रीकृष्ण ने यहां की धरती पर अनेकों लीलाएं की है। इनमें से एक लीला कालिय नाग मर्दन की भी है। इसका प्रमाण आज भी ब्रज क्षेत्र के जैंत नामक एक गांव में सजीव है। कहते हैं कि भगवान कृष्ण के श्राप के बाद से कालिय नाग यहां पत्थर के रूप में स्थापित है। इसको आज देखा जा सकता है। मान्यता है कि यहां स्थापित कालिया नाग के दर्शन मात्र से कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाती है।

कालिया नाग का कहर

भागवत कथा के अनुसार, घटना तब की है कि जब भगवान कृष्ण गोकुल में बाबा नंद और मैया यशोदा के साथ रहा करते थे। उस समय कालिया नामक पांच फणों वाला एक भयंकर और महान विषधर नाग भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ पक्षी से दुश्मनी होने के कारण गोकुल के पास बहने वाली यमुना नदी में आकर रहने लगा था। इससे पूरी यमुना नदी में कालिया नाग का जहर फैल गया। था। इससे न केवल नदी के जलीय जीव मरने लगे, बल्कि नदी का जहरीला पानी पीकर पशु-पक्षी और गांव वालों की भी मृत्यु होने लगी। संयोग से एक दिन भगवान लीलाधर श्रीकृष्ण अपने ग्वाल बाल सखाओं के साथ यमुना के तट 'कंदुक' यानी गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद अचानक यमुना नदी में जा गिरी। अब नदी से गेंद कौन निकाले? एक भी ग्वाल बाल सखा तैयार न हुए। बलराम भैया ने भी इंकार कर दिया। तब अपनी लीला को दिखाते हुए भगवान कृष्ण गेंद को निकालने के लिए कृष्ण यमुना नदी में कूद पड़े।

मुष्टि प्रहार से पस्त हो गया कालिया नाग

उनके यमुना में कूदते ही नदी में सो रहा कालिय नाग जाग गया। नींद में खलल पड़ने पर कालिय क्रोध में और भी भयंकर दिखाई दे रहा था। वह श्रीकृष्ण को अपने जहर का शिकार बनाने लगा। लेकिन कालिय नाग जहां विष छोड़ता या फण मारता श्रीकृष्ण वहां से कब का हट चुके होते। वहीं कृष्ण ने अपनी मुष्टि यानी मुक्कों से प्रहार कालिय नाग को पस्त कर दिया था। वहीं, दूसरी तरफ यह बात माता यशोदा समेत पूरे गोकुल को पता चल गई। पूरे गांव वाले दौड़े-दौड़े यमुना नदी किनारे आ गए। नंद बाबा सहित सभी गांववासी आश्चर्य और कौतुक से यह अद्भुत नजारा देख रहे थे।

ऐसे किया कालिय नाग का मर्दन

जल्दी ही विषैले कालिया नाग को श्रीकृष्ण ने इतना थका दिया कि वह बेसुध हो गया। भगवान श्रीकृष्ण ने कालिया नाग को नदी छोड़कर जाने का आदेश दिया। लेकिन वह नहीं माना और एक बार फिर श्रीकृष्ण पर हमला कर दिया। इस बार लड़ाई और भी भयंकर थी। उधर मैया यशोदा का दिल बैठा जा रहा था, उनकी आंखों से आंसुओं का झरना बह निकला था। काफी देर तक भगवान कृष्ण और कालिया नाग की जोरदार लड़ाई होती रही। कुछ समय बाद कालिया नाग हार गया। तब भगवान कृष्ण ने नाग के पांचों फणों को नाथ दिया और उस पर बांसुरी बजा कर नृत्य करने लगे और उसे अपने वश में कर लिया।

कालिया नाग को नाथने के बाद नाग की पत्नियों ने श्रीकृष्ण से विनती की कि वे उनके पति को माफ कर दें। तब भगवान कृष्ण ने कालिया नाग क्षमा कर दिया। लेकिन यमुना नदी से बाहर निकलते ही कालिया नाग वहां से भागने लगा। भगवान कृष्ण ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं रुका।

भगवान श्री कृष्ण ने दिया था श्राप

श्रीकृष्ण जानते थे, कालिया नाग एक महान विषैला सांप है। वह जहां भी जाएया, वह मनुष्य और जीवों के लिए काल ही सिद्ध होगा। इसलिए श्रीकृष्ण ने कालिया नाग को श्राप दिया। "ओ कालिया! यदि भागने के दौरान जहां भी पीछे मुड़कर देखोगे, वहीं पत्थर के हो जाओगे।" कहते हैं कि वृंदावन से लगभग 5 किलोमीटर दूर जैंत गांव में ही कालिया नाग ने पीछे मुड़कर देखा और पत्थर का हो गया। आज इस जगह पर कालिया नाग का मंदिर है, जहां देशभर से श्रद्दालु पत्थर बन गए कालिया नाग दर्शन और पूजा के लिए आते हैं।

रुद्राक्ष से भी ज्यादा

शक्तिशाली है यह 1 चीज

घर में रखने से कभी नहीं होगी धन की कमी

सावन का महीना चल रहा है और बारिश मौसम है। इस समय सांप अपने बिल से बाहर निकलते हैं और इसी दौरान वे अपनी खाल यानी केंचुली भी निकालते हैं। गांव आदि में पेड़ों के बीच फंसी हुई सांप खाल आसानी से देखने को मिलती है, सांप की केंचुली को हिंदू धर्म में एक मुखी रुद्राक्ष जितना महत्वपूर्ण और प्रभावशाली माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको सपने में भी सांप की केंचुली दिख जाए तो समझ लें कि आपकी किस्मत जागने वाली है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि क्या इसे घर पर रख सकते हैं और सांप की खाल या केंचुली को घर में रखने के क्या लाभ मिल सकते हैं? आपने अक्सर बड़े- बुजुर्ग लोगों से सुना होगा कि जब सांप की केंचुली दिखे तो उसे तुरंत उठाकर अपने घर ले जाओ। मान्यताओं के अनुसार सांप की केंचुली को रुद्राक्ष जितनी शक्तिशाली माना जाता है। पौराणिक समय से सांप की स्किन का उपयोग कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता रहा है। हिंदू धर्म में सांप की केंचुली को एक मुखी रुद्राक्ष की तरह प्रभावी और शुभ माना जाता है। सांप की केंचुली को घर में रखने से कई समस्याएं दूर होती हैं और इसे सपने में भी देखना शुभ होता है।

कभी नहीं होगी घर में धन की कमी

अगर आपको कहीं सांप की केंचुली दिखाई देती हैं, तो आप इसे अपने घर में रख सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से व्यक्ति को कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। लेकिन ध्यान रहे कि सांप की केंचुली खंडित नहीं होना चाहिए, वरना इसका लाभ नहीं मिलता है। सांप की केंचुली घर में रखने से बुरी नजर का खतरा भी नहीं रहता है। ऐसा माना जाता है कि सांप भगवान शिव के गले में लिपटे हुए रहते हैं तो घर में सांप की केंचुली रखी रहने से भगवान शिव की कृपा बनी रहती है।

सपने में सांप की केंचुली देखना

ज्योतिष और स्वप्न शास्त्र के अनुसार सांप की केंचुली सपने में देखना बेहद शुभ होता है। यह सपना इस ओर इशारा करता है कि आपके आने वाले जीवन में कुछ बहुत अच्छा होने वाला है और आने वाले समय में आप अपने कार्यक्षेत्र में तरक्की पा सकते हैं। अगर आपके घर में नकारात्मक शक्ति है, तो ऐसे में सांप की केंचुली को पीसकर उसमें हींग और सुखी नीम की पत्तियों का मिश्रण बना लें। फिर मंगलवार के दिन गाय के उपलों में लोबान और गुगल मिलाकर इसे जलाकर पूरे घर के कोनों-कोनों में घूमाएं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक शक्तियां दूर हो जाती हैं।

इसलिए सांप उतारता है केंचुली

वैज्ञानिकों के मुताबिक सांप एक सरीसृप है और इन जीवों में रीड की हड्डी नहीं होती है, इसलिए लगातार जमीन से रगड़ खाकर चलने की वजह से धीरे-धीरे उनकी त्वचा मृत होने लगती है और एक नई त्वचा इसकी नजह ले लेती है। सांप अपने जीवन में कई बार अपनी त्वचा बदलता है। एक निश्चित समय के बाद हर सांप अपनी बाहरी त्वचा को पूरी तरह उतार देता है, जिसे केंचुली कहा जाता है।

कीमोथेरेपी से हिना खान के पैर सुन्न पड़े

बोलीं- वर्कआउट के दौरान बैलेंस खो देती हूं, गिर जाती हूं; ब्रेस्ट कैंसर की थर्ड स्टेज पर हैं एक्ट्रेस

हिना खान इन दिनों कैंसर से उबरने के लिए कीमोथेरेपी ले रही हैं। हाल ही में एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि कीमोथेरेपी की वजह से वह बेहद दर्द से गुजर रही हैं। उनके पैर सुन्न पड़ जाते हैं और उन्हें चलने-फिरने में भी दिक्कत होती है।

हिना ने जो वीडियो शेयर किया है, 'उसमें वो मुंबई की भारी बारिश में भी छाता लगाकर जिम जाती हुई दिख रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने अपने कैंसर ट्रीटमेंट के बारे में बताते हुए कहा है, 'कीमो ट्रीटमेंट के साथ मुझे पैरों में न्यूरोपैथिक पेन हो रहा है जिससे ज्यादातर समय तक मेरे पैर सुन्न पड़ जाते हैं। वर्क आउट के समय मैं पैरों पर अपना कंट्रोल खो देती हूं और पैर सुन्न हो जाने से गिर जाती हूं। मगर मैं केवल उठकर खड़े होने पर फोकस करती हूं। गिर जाने पर अपना फोकस बिल्कुल नहीं करती हूं। हर बार पहले से ज्यादा कोशिश करती हूं।'

हिना ने वीडियो शेयर करते हुए एक्सरसाइज का महत्व भी बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की एक्सरसाइज या फिजिकल एक्टिविटी एक अच्छी लाइफस्टाइल के लिए बेहद जरुरी है। ये तब और ज्यादा जरुरी है जब हम किसी बीमारी से जूझ रहे हों। हिना 36 साल की उम्र में ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हैं। मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल में हिना का इलाज चल रहा है। पिछले दिनों उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरों में उनके शरीर के कुछ हिस्सों पर जलने के निशान दिखाई दे रहे थे। ये निशान कीमोथेरेपी के बाद शरीर पर पड़ते हैं।

हिना ने 28 जून को शेयर की थी पोस्ट

हिना ने 28 जून को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि उन्हें स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा था, 'हाल ही में उड़ रही अफवाहों पर मैं आपसे कुछ जरूरी न्यूज शेयर करना चाहती हूं। मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं। मैं ठीक हूं। मैं स्ट्रॉन्ग हूं और डटी हुई हूं और इस बीमारी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह कमिटेड हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उबरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।'

36 साल की हिना ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी। इसके अलावा वो बिग बॉस 11 में भी नजर आई थीं।

पान मसाला प्रमोट करने वाले एक्टर्स पर भड़के जॉन अब्राहम

बोले- आप मौत बेच रहे हैं, मैं जनता को नकली इमेज दिखाने में भरोसा नहीं करता

जॉन अब्राहम ने उन साथी एक्टर्स पर निशाना साधा है जो एक तरफ फिटनेस की बात करते हैं और दूसरी तरफ पान मसाला का ऐड करते हैं। जॉन ने कहा कि वे कभी भी पान मसाला ब्रांड का एंडोर्समेंट नहीं करेंगे। वह अपने फैंस के लिए रोल मॉडल बनना चाहते हैं। वे जनता के सामने नकली इमेज बनाने में भरोसा नहीं करते।

जॉन ने कहा कि उन एक्टर्स के पास धैर्य नहीं है, जो एक तरफ हेल्थ और फिटनेस को बढ़ावा देते हैं और दूसरी तरफ पान मसाला का प्रचार करते हैं। जॉन ने कहा कि वे कभी भी खुद मौत बेचना नहीं चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने फैंस के लिए एक रोल मॉडल बनना चाहते हैं।

जॉन ने आगे कहा- अगर मैं अपना जीवन ईमानदारी से जीऊं, जो मैसेज देता हूं उसकी प्रैक्टिस करूं तो मैं एक आइडियल हीरो हूं। लेकिन अगर मैं जनता के पास एक खुद का फेक वर्जन दिखाऊंगा और उनकी पीठ पीछे एक अलग शख्स की तरह बिहेव करूंगा तो वे इसे पहचान लेंगे।

जॉन ने कहा कि वे कभी भी ऐसी चीजों का सपोर्ट नहीं करेंगे

जॉन का भी यह कहना है- लोग फिटनेस के बारे में बात करते हैं और वही लोग पान मसाला का ऐड करते हैं। मैं अपने सभी एक्टर्स फ्रेंड्स से प्यार करता हूं। मैं उनमें से किसी का भी अनादर नहीं कर रहा हूं। मैं बस यह कहना चाहता हूं कि मैं अपने बारे में बात कर रहा हूं। मैं कभी मौत नहीं बेचूंगा क्योंकि यह सिद्धांत है।

क्या आपको पता है कि पान मसाला इंडस्ट्री का सालाना टर्नओवर 45, 000 करोड़ रुपए है? इसका मतलब है कि सरकार भी इसका समर्थन कर रही है और इसलिए यह अवैध नहीं है।

जॉन ने कहा कि उनकी च्वाइस है कि वह ऐसी कंपनियों का सपोर्ट नहीं करना चाहते हैं।

कुछ समय पहले एक्टर अजय देवगन और अक्षय कुमार पान मसाला और गुटखा ब्रांड का प्रचार करने को लेकर निशाने पर आ गए थे। इसके बाद अक्षय ने अनाउंसमेंट की थी कि वे इस तरह के प्रमोशन में पार्टिसिपेट नहीं करेंगे।

उन्होंने फैंस से माफी भी मांगी थी। उन्होंने आगे कहा था- मैं अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों से माफी मांगना चाहता हूं।

बीते कुछ दिनों में आप के रिस्पॉन्स ने मुझे झकझोर दिया। मैं तंबाकू का समर्थन नहीं करता। आप सभी ने जिस तरह विमल इलायची के साथ मेरे जुड़ाव पर अपनी भावनाएं जाहिर की मैं उनका सम्मान करता हूं।

शरवरी को डेट करने पर बोले सनी कौशल : 'वो सिर्फ मेरी दोस्त हैं'

विक्की कौशल के छोटे भाई सनी कौशल हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में नजर आ रहे हैं। हालांकि, सनी अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ के लिए चर्चा में रहते हैं।

बीते काफी वक्त से उनका नाम 'मुंज्या' फेम एक्ट्रेस शरवरी के साथ जोड़ जा रहा है। इसी बीच एक इंटरव्यू में सनी ने शरवरी को सिर्फ अपनी दोस्त बताया है।

फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के प्रमोशन के दौरान दिए एक इंटरव्यू में सनी ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की। एक्टर ने कहा कि वो सिंगल हैं। वहीं जब पूछा गया कि क्या वो शरवरी को डेट कर रहे हैं तो सनी ने कहा कि वो सिर्फ उनकी अच्छी दोस्त हैं। वहीं दूसरी तरफ इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'वेदा' के प्रमोशन में बिजी शरवरी से भी एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या वो सनी को डेट कर रही हैं ? तो एक्ट्रेस ने कहा- 'यह झूठ है, मैं तो रूमर्स पर यकीन नहीं करती, आई होप मेरी ऑडियंस भी ना करे।'

भले ही शरवरी और सनी ने अभी तक अपना रिलेशन कंफर्म ना किया हो पर दोनों अक्सर साथ नजर आते हैं। एक्टर रणवीर सिंह भी 'कॉफी विद करण' में इसकी पुष्टि कर चुके हैं। उनसे पूछा गया था कि कटरीना और विक्की किसके साथ डबल डेट पर जाना पसंद करेंगे। तो इसके जवाब में रणवीर ने तुरंत सनी और शरवरी का नाम लिया था। वर्कफ्रंट पर जहां सनी हालिया रिलीज तापसी पन्नू स्टारर फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में अहम रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी की अगली फिल्म 'वेदा' 15 अगस्त को रिलीज होनी है। इसमें उनके अपोजिट जॉन अब्राहम नजर आएंगे।

'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित हुए शाहरुख खान, सिग्नेचर पोज से जीता दिल

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के नाम एक और उपलब्धि जुड़ चुकी है। 10 अगस्त को अभिनेता को 'लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल' के 77वें संस्करण में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' तथाकथित 'पार्डो अला कैरियरा' से सम्मानित किया गया है। शाहरुख इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन चुके हैं। इस दौरान अभिनेता ने अपने आकर्षण से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। फेस्टिवल से कई तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें शाहरुख अपनी मौजूदगी से सभी को दीवाना बनाते दिख रहे हैं।

चार्मिंग लुक में नजर आए शाहरुख

फेस्टिवल में शाहरुख खान स्लीक ब्लैक ब्लेजर और मैचिंग ट्राउजर पहने नजर आए।

सिग्नेचर पोज से की शुरुआत

न्यूज पोर्टल वैराइटी के मुताबिक, शाहरुख खान ने अपने स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसकी शुरुआत की। उन्होंने अपना सिग्नेचर पोज करते हुए कहा, 'आप सभी का इतनी बड़ी बाहों से मेरा स्वागत करने के लिए धन्यवाद।' अपने भाषण के दौरान अभिनेता ने फेस्टिवल के स्थान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'यह लोकार्नो का एक बहुत ही सुंदर, बहुत ही सांस्कृतिक, बहुत ही कलात्मक और बेहद गर्म शहर है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'इतने सारे लोग एक छोटे से चौक में ठसाठस भरे हुए हैं और इतनी गर्मी है। यह बिल्कुल भारत में अपने घर जैसा है।'

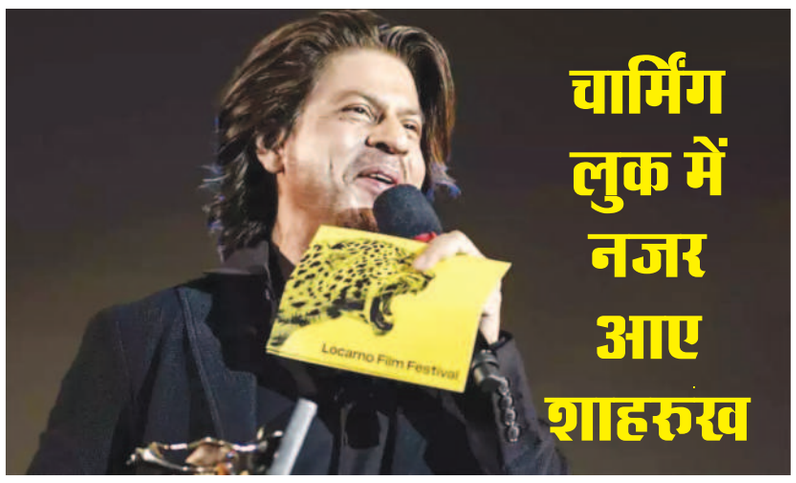

उनका ये चार्मिंग लुक देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। शाहरुख के लुक को उनके लंबे बालों ने और भी शानदार बना दिया। हालांकि, फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण उनका भाषण था। बता दें कि 'लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल' का इंस्टाग्राम हैंडल शाहरुख की तस्वीरों और वीडियो से भरा पड़ा है।

सिनेमा पर साझा किए विचार

इसके बाद अभिनेता शाहरुख खान ने सिनेमा पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'मैं सच में मानता हूं कि सिनेमा हमारे युग का सबसे गहरा और प्रभावशाली कलात्मक माध्यम रहा है। मुझे कई वर्षों तक इसका हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है और इस सफर ने मुझे कुछ सीख भी दी है। उन्होंने आगे कहा, 'कला जीवन को सबसे ऊपर रखने का कार्य है। यह हर मानव निर्मित सीमा से परे मुक्ति के स्थान पर जाती है। इसे राजनीतिक होने की जरूरत नहीं है। इसे विवादास्पद होने की जरूरत नहीं है। इसे उपदेश देने की जरूरत नहीं है। इसे बौद्धिक होने की जरूरत नहीं है। इसे नैतिकता की जरूरत नहीं है।' इसके बाद शाहरुख ने अपने फिल्मी सफर को याद करते हुए दर्शकों से वादा किया की वह हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़ेंगे।

जब भीड़ ने शाहरुख का नाम चिल्लाया तो उन्होंने पुरस्कार का नाम बोलने की कोशिश की फिर हंसते हुए कहा, 'क्या आप कोई छोटा नाम रख सकते हैं? जैसे 'अरिवेडेरसी'।' बता दें कि शाहरुख के सम्मान में फिल्म फेस्टिवल में संजय लीला भंसाली की फिल्म देवदास दिखाई गई।'

'शोस्टॉपर' के मेकर्स ने दिगांगना सूर्यवंशी पर झूठे आरोप लगाए मुंबई पुलिस ने मनीष के आरोपों को झूठा करार दिया, बंद किया मामला

मुंबई पुलिस ने सीरीज 'शोस्टॉपर' के निर्माता मनीष हरिशंकर द्वारा एक्ट्रेस दिगांगना सूर्यवंशी पर लगाए गए आरोपों की जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने पाया है कि ये आरोप झूठे थे।

मनीष के झूठे आरोपों का हुआ खुलासा

दिगांगना की टीम ने इस मामले पर एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया, 'हम दिगांगना की ओर से यह साफ करना चाहते हैं कि मनीष हरिशंकर की शिकायत पूरी तरह से झूठी साबित हुई है। पुलिस ने इस मामले को बंद कर दिया है। RTI रिपोर्ट भी मीडिया को दी गई है, जो मामले की सच्चाई को दिखाती है। हमने जांच के दौरान कोई बयान नहीं दिया क्योंकि हम पुलिस के फैसले का इंतजार कर रहे थे। अब यह साफ हो गया है कि दिगांगना पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद थे। हम मुंबई पुलिस का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने सही जांच की और सच सामने लाया। दिगांगना की छवि हमेशा साफ-सुथरी रही है और आगे भी रहेगी।'

मनीष के दावे झूठे, डील असली निकली

दो महीने पहले, मनीष हरिशंकर ने दिगांगना के खिलाफ मुंबई पुलिस में शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि दिगांगना ने अक्षय कुमार को शो का प्रेजेंटर बनाने की जो डील की, वह झूठी थी। पुलिस ने जांच की और पाया कि डील असली थी। मनीष को इसके बारे में पूरी जानकारी थी। पुलिस ने मनीष के आरोपों को झूठा करार दिया।

दिगांगना ने मनीष के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज

मनीष की झूठी शिकायत के बाद, दिगांगना ने उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया है। एक्ट्रेस ने कई आरोपों के तहत शिकायत की, जिसमें झूठे बयान फैलाने, उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने और पैसे न देने के आरोप शामिल हैं।

'बिग बॉस' की पूर्व कंटेस्टेंट रही हैं दिगांगना सूर्यवंशी

टीवी शो 'एक वीर की अरदास वीरा' से पहचान पाने वाली दिगांगना सूर्यवंशी टीवी इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा हैं। उन्होंने 'शकुंतला', 'कृष्णा अर्जुन' जैसे शोज में भी काम किया है।

दिगांगना ने रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' में भी हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने बताया था कि उनके पेरेंट्स हर साल उनके बर्थडे पर उन्हें दूध से नहलाते हैं। टीवी शोज के अलावा, दिगांगना ने 'फ्रायडे', 'जलेबी', 'हिप्पी', और 'सीटीमार' जैसी फिल्मों में भी एक्टिंग किया है।

'मैं और ऐश्वर्या तलाक ले रहे': अभिषेक बच्चन का डीपफेक वीडियो देख हैरान हुए फैंस

बीते काफी वक्त से चर्चा है कि अभिषेक बच्चन और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा। दोनों के तलाक तक की खबरें सामने आई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है जिसमें अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय से तलाक की घोषणा कर रहे हैं।

'मैंने और ऐश्वर्या ने तलाक लेने का फैसला किया'

इस वीडियो में एक्टर कहते नजर आ रहे हैं, 'इस जुलाई में मैंने और ऐश्वर्या ने अपनी तलाक लेने का फैसला किया है। बीते कुछ साल मेरी बेटी आराध्या के लिए ठीक नहीं रहे हैं। हालांकि, आज में यहां आपसे ऐश्वर्या से डिवोर्स लेने की वजहों पर बात करने आया हूं।'

जांच में निकला डीप-फेक वीडियो

हालांकि, जांच में पता चला कि यह वीडियो डीप फेक है। इसमें

अभिषेक लिप-सिंकिंग के साथ बिल्कुल भी मैच नहीं कर रहे हैं। इस वायरल वीडियो को AI टेक्नीक या कोई ऑनलाइन टूल यूज करके बनाया गया है।

यूजर्स ने सुनाई खरी-खोटी

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो की निंदा की है। इसे शेयर करते हुए अकाउंट यूजर ने लिखा है, 'मुझे इस वीडियो की सच्चाई के बारे में नहीं पता पर अब तक दोनों ने इस अफवाह पर बात नहीं की है।' वहीं इस पर एक यूजर ने कमेंट किया, 'फेक वीडियो शर्म नहीं आती किसी की पर्सनल लाइफ से खेलने में..।'

बीते काफी वक्त से चर्चा है कि अभिषेक और ऐश्वर्या का रिश्ता तलाक की नौबत तक पहुंच गया है। इन अफवाहों ने तब और जोर पकड़ लिया जब हाल ही में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में ऐश्वर्या बच्चन परिवार परिवार से अलग होकर शामिल हुईं। इस पार्टी में ऐश बेटी आराध्या के साथ पहुंची थीं। वहीं बाकी पूरा बच्चन परिवार अलग आया था। इसके अलावा हाल ही में अभिषेक बच्चन की सोशल मीडिया पर तलाक से जुड़ा एक पोस्ट लाइक किया जिसके बाद भी दोनों के तलाक की अटकलें तेज हो गईं।

क्या एक-दूजे को डेट कर रहे हैं अनन्या पांडे-आदित्य रॉय कपूर? चंकी पांडे से मिले अभिनेता

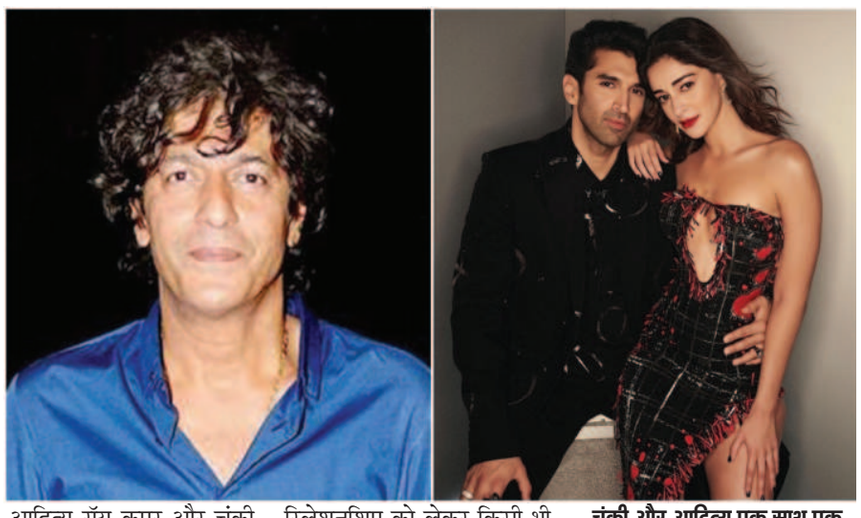

आदित्य रॉय कपूर और चंकी पांडे को बीते दिन शनिवार को एक हेयर सैलून में एक-दूसरे से मिलते देखा गया। आदित्य और अनन्या के कथित ब्रेकअप के बाद यह पहली बार है, जब आदित्य और चंकी एक साथ देखे गए हैं।

क्या अभी भी एक-दूजे को डेट कर रहे हैं आदित्य-अनन्या

आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे पहले एक-दूजे को डेट कर रहे थे, लेकिन अचानक दोनों की ब्रेकअप की खबरें सामने आने लगीं। हालांकि दोनों ने कभी भी अपने लव रिलेशनशिप को लेकर किसी भी तरह की कोई पुष्टि नहीं की है और ना ही इन दोनों के परिवारवालों ने दोनों के लव रिलेशनशिप को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा की है। लेकिन फिर भी दोनों को अक्सर कई सार्वजनिक स्थानों पर एक साथ देखा जा चुका है। लेकिन हाल फिलहाल में दोनों की राहें एक-दूजे से जुदा होती नजर आईं। इसी बीच अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें आदित्य और चंकी पांडे को एक ही जगह पर एक साथ देखा गया।

चंकी और आदित्य एक साथ एक ही छत के नीचे

इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें चंकी एक सैलून की तरफ जाते दिखाई दे रहे हैं और कुछ ही देर के बाद आदित्य भी उसी सैलून में उनके पीछे-पीछे जाते दिखाई दिए। दोनों एक ही छत के नीचे थे, तब आदित्य और चंकी ने अपनी मुलाकात को कैमरों से दूर रखा। यह पहली बार नहीं है, जब चंकी और आदित्य को अनन्या के साथ अभिनेता के अफवाह भरे अलगाव के बाद एक साथ देखा गया हो।

क्या वॉकर को डेट कर रही हैं अनन्या

इस बीच, अनन्या पांडे अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ अपने कथित ब्रेकअप से आगे बढ़ती दिख रही हैं। अनन्या का नाम अब पूर्व मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनन्या की वॉकर से मुलाकात क्रूज पर हुई थी और इसके बाद से दोनों को साथ देखा जा चुका है। अफवाहें यह भी है कि दोनों के बीच अब काफी अच्छी दोस्ती हो गई है। बता दें वॉकर जामनगर में रहते हैं और वंतारा एनिमल पार्क में अंबानी परिवार के लिए काम करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनन्या ने अनंत-राधिका अंबानी की शानदार शादी के दौरान वॉकर ब्लैंको को अपने 'पार्टनर' के रूप में भी पेश किया था, जिस वजह से उनके बीच रोमांस की नई अफवाहें उड़ीं। उस दौरान अनन्या और वॉकर एक रोमांटिक गाने पर डांस करते भी देखा गया था। काम की बात करें तो आदित्य अपनी आने वाली फिल्म 'मेट्रो...इन डिनो' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम के लिए कुमार सानू ने नहीं दी कोई प्रस्तुति, डीपफेक वीडियो पर भड़के गायक

मशहूर गायक कुमार को लेकर यह दावा किया जा रहा था कि उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के लिए प्रस्तुति दी है। इसे लेकर उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। अब इस मामले पर खुद कुमार सानू आगे आए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व पीएम के लिए कोई प्रस्तुति नहीं दी है। वे डीपफेक वीडियो के शिकार हुए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत सरकार से सख्त एक्शन की अपील भी की है।

कुमार सानू ने एक स्क्रीनशॉट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैंने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री के लिए कभी कोई गाना नहीं गाया है। फेसबुक पर जो ऑडियो चल रहा है, वह मेरी आवाज नहीं है। इसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) के जरिए बनाया गया है'।

सिंगर ने आगे लिखा है, 'कुछ लोग मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। लोग इस पर यकीन करें, इसलिए मैं अपने प्रशंसकों को

स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह खबर पूरी तरह झूठी है। यह तकनीक का दुरुपयोग है, जो एक गंभीर विषय है। भारत सरकार से मेरा निवेदन है कि एआई और डीपफेक तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। आइए, हम सभी मिलकर भ्रामक एवं गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकें'।

गायक के इस पोस्ट पर प्रशंसक भरोसा जता रहे हैं और लिख रहे हैं कि उन्हें अपने पसंदीदा गायक पर पूरा भरोसा है और वे इससे परिचित थे कि ये फर्जी वीडियो है। एक यूजर ने लिखा, 'हमें आप पर भरोसा है। हम ऐसी अफवाहों पर यकीन नहीं करते, जब तक कि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि न हो'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'हम सच्चाई से वाकिफ हैं और आपके साथ हैं'। एक यूजर ने लिखा, 'आप निश्चिंत रहिए, हमें आप पर पूरा भरोसा है'।

मालूम हो कि सोशल मीडिया पर वायरल एक फर्जी वीडियो में कुमार सानू को जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई से संबंधित एक संगीत समारोह में गाना गाते हुए दिखाया गया था। हालांकि, फैक्ट चेक में यह बात निकलकर आई है कि वायरल वीडियो कुमार सानू के एक कॉन्सर्ट का था, जो इसी साल ब्रिस्बेन में आयोजित हुआ था। वीडियो को एआई के जरिए एडिट किया गया था।

इतिहास के इन कोर्सेज में बना सकते हैं बढिया कॅरियर

इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं। इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। अगर आपकी रुचि इतिहास में है तो आप इसमें एक शानदार करियर बना सकते हैं। इतिहास में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं क्लास के बाद हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करना होगा। इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन, एमफिल और पीएचडी कर सकते हैं। बतौर

इतिहास में कई ऐसे कोर्सेज हैं जहां आप शानदार करियर बना सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको इतिहास के पांच ऐसे कोर्सेज के बारे में बताने जा रहे हैं जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं -

एंथ्रोपोलॉजी

इतिहास में पढ़ाई करने की इच्छा है तो आप एंथ्रोपोलॉजी का कोर्स भी कर सकते हैं। इतिहास में रुचि रखने वाले ज्यादातर छात्रों में यह कोर्स काफी चर्चित है। बतौर एंथ्रोपोलॉजिस्ट आपको अतीत और वर्तमान समाज के साथ मानव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना होगा। इसके अलावा आप राजनीति, संस्कृति और भाषा जैसे विषयों का चयन भी कर सकते हैं। इस विषय में आपको विदेशी संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च करने का मौका भी मिल सकता है।

आर्कियोलॉजी

अगर आपकी इतिहास में रुचि है तो आप आर्कियोलॉजी यानी पुरातत्व में पढ़ाई कर सकते हैं। आप ग्रेजुएशन के बाद आर्कियोलॉजी में एमए या रिसर्च कोर्स कर सकते हैं। बतौर आर्कियोलॉजिस्ट आपका काम ऐतिहासिक और प्राचीन धरोहरों की खोज करना होगा। इस फील्ड में आप अनुभव प्राप्त करने कर बाद 50 से 80 हजार रुपए प्रतिमाह कमा सकते हैं।

म्यूजियोलॉजी

इतिहास के कोर्स में म्यूजियोलॉजी का कोर्स भी एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में संग्रहालय का अध्ययन किया जाता है। आप ग्रेजुएशन के बाद इस कोर्स को कर सकते हैं। इसमें आपको संग्रहालय का

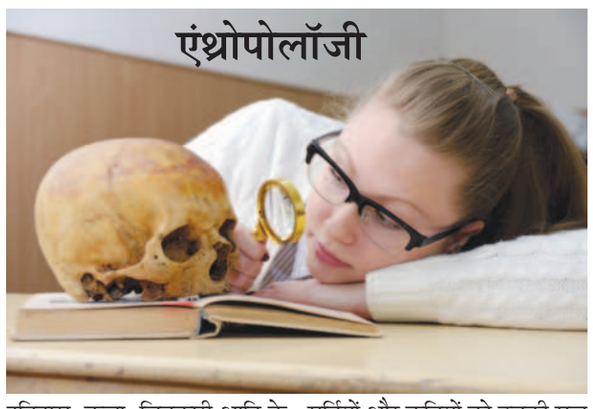

इतिहास, कला, चित्रकारी आदि के बारे में विस्तार से बताया जाता है। इस फील्ड में आप देश ही नहीं विदेश के संस्थानों के साथ मिलकर रिसर्च कर सकते हैं। इस फील्ड में अनुभव के साथ अच्छी जॉब और सैलरी भी मिलती है।

फ्रेस्को

इतिहास में फ्रेस्को या आर्ट रीस्टोरेशन का कोर्स भी एक दिलचस्प करियर ऑप्शन है। इस कोर्स में आर्ट को रिस्टोर करना सिखाया जाता है जिससे सांस्कृतिक विरासत को उसके मूल रूप में वापस लाया जा सके। जैसे कि खुदाई के दौरान मिलीप्राचीन मूर्तियों और कृतियों को उनकी मूल अवस्था में वापस लाना।

माइथोलॉजी

अगर आपकी रुचि पौराणिक कथाओं को पढ़ने समझने में है तो आप माइथोलॉजी स्टडीज यानी पौराणिक अध्ययन का कोर्स कर सकते हैं। आज के समय में यह कोर्स युवाओं के बीच काफी चर्चित है।

देश ही नहीं विदेशों में भी कुछ संस्थान इस कोर्स में डिग्री प्रदान करते हैं। अगर आप कोई अलग या अनोखा अनोखा कोर्स करना चाहते हैं तो पौराणिक अध्ययन का कोर्स आपके लिए बेस्ट होगा।

ऐसे चुनें सही ऑनलाइन करियर कोर्स

ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म की शुरुआत के साथ, व्यक्तियों के पास अपने कौशल को बढ़ाने और अपनी पेशेवर आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए करियर पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला तक अभूतपूर्व पहुँच है। इन पेशकशों में, ऑनलाइन परामर्शदाता पाठ्यक्रम और करियर परामर्श पाठ्यक्रम परामर्श के क्षेत्र में प्रवेश करने या आगे बढ़ने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए मूल्यवान संसाधन के रूप में सामने आते हैं। इस गाइड का उद्देश्य ऑनलाइन उपलब्ध परामर्शदाता पाठ्यक्रमों और करियर परामर्श पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सही ऑनलाइन करियर पाठ्यक्रम चुनते समय विचार करने वाले कारकों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करना है।

ऑनलाइन कैरियर परामर्श पाठ्यक्रमों को समझना

ऑनलाइन करियर कोर्स में विभिन्न व्यवसायों और उद्योगों से संबंधित विशिष्ट कौशल या दक्षताओं को विकसित करने के उद्देश्य से शैक्षिक कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला शामिल है। ये पाठ्यक्रम आमतौर पर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से वितरित किए जाते हैं, जो दुनिया भर के शिक्षार्थियों को लचीलापन और पहुँच प्रदान करते हैं। अल्पकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रमों से लेकर व्यापक डिग्री पाठ्यक्रमों तक, ऑनलाइन करियर पाठ्यक्रम व्यक्तियों को उनकी पेशेवर यात्रा के हर चरण में पूरा करते हैं।

ऑनलाइन शिक्षा का उदय

पहुँचः ऑनलाइन कैरियर परामर्श पाठ्यक्रम भौगोलिक बाधाओं और समय की कमी को दूर करते हैं, जिससे व्यक्ति इंटरनेट कनेक्शन के साथ कहीं से भी उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। यह पहुँच

विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों या व्यस्त शेड्यूल वाले व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है जो अपनी दैनिक दिनचर्या को बाधित किए बिना अपने कौशल को बढ़ाना चाहते हैं।

लचीलापनः ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म गति और समय-सारिणी के मामले में लचीलापन प्रदान करते हैं, जिससे शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार अध्ययन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम सामग्री और संसाधनों तक ऑन-डिमांड पहुँच के साथ, व्यक्ति पाठ्यक्रम के माध्यम से उस गति से आगे बढ़ सकते हैं जो उनकी सीखने की प्राथमिकताओं और जीवनशैली के अनुकूल हो।

विविध पाठ्यक्रम प्रस्तुतियाँः ऑनलाइन कैरियर परामर्श पाठ्यक्रम विविध व्यावसायिक रुचियों और उद्देश्यों को पूरा करने वाले विषयों और अनुशासनों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हैं। चाहे व्यक्ति तकनीकी कौशल हासिल करना चाहते हों, अपने ज्ञान के आधार का विस्तार करना चाहते हों, या करियर में उन्नति करना चाहते हों, ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ढेर सारे पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

सही ऑनलाइन करियर कोर्स चुनना

ऑनलाइन काउंसलर कोर्स चुनते समय , व्यक्तियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कई कारकों पर विचार करना चाहिए कि कार्यक्रम उनके लक्ष्यों, रुचियों और सीखने की प्राथमिकताओं के अनुरूप है। चाहे ऑनलाइन कोर्स या करियर काउंसलिंग कोर्स करना हो, निम्नलिखित मानदंड व्यक्तियों को सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं:

मान्यता और गुणवत्ता आश्वासन

सुनिश्चित करें कि ऑनलाइन काउंसलर कोर्स किसी प्रतिष्ठित संस्थान या प्रदाता द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसके पास क्षेत्र में मान्यता और मान्यता है। मान्यता प्राप्त कार्यक्रम गुणवत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता के कठोर मानकों का पालन करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षार्थियों को एक मूल्यवान और विश्वसनीय शैक्षिक अनुभव प्राप्त हो।

पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम सामग्री

यह निर्धारित करने के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम सामग्री का मूल्यांकन करें कि क्या ऑनलाइन कैरियर पाठ्यक्रम आपके कैरियर लक्ष्यों के अनुरूप प्रासंगिक विषयों और दक्षताओं को कवर करता है। ऐसे पाठ्यक्रमों की तलाश करें जो व्यापक निर्देश, व्यावहारिक कौशल विकास और हाथों से सीखने या वास्तविक दुनिया में आवेदन के अवसर प्रदान करते हों।

प्रशिक्षक विशेषज्ञता और समर्थन

ऑनलाइन करियर कोर्स देने वाले प्रशिक्षकों या सुविधाकर्ताओं की योग्यता और विशेषज्ञता पर विचार करें। अनुभवी और जानकार प्रशिक्षक शिक्षार्थियों को उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान मूल्यवान अंतर्दृष्टि, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, व्यक्तिगत सहायता के लिए प्रशिक्षक सहायता, कार्यालय समय या सलाह के अवसरों की उपलब्धता के बारे में पूछताछ करें।

सीखने का प्रारूप और संसाधन

ऑनलाइन करियर कोर्स द्वारा प्रदान किए जाने वाले सीखने के प्रारूप और संसाधनों का मूल्यांकन करें, जिसमें वीडियो व्याख्यान, इंटरैक्टिव मॉड्यूल, पठन सामग्री और आकलन शामिल हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों की तलाश करें जो आकर्षक और इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव प्रदान करते हों, साथ ही पाठ्यक्रम सामग्री की समझ और अवधारण को बढ़ाने के लिए पूरक संसाधनों या उपकरणों तक पहुँच प्रदान करते हों।

लचीलापन और पहुंच

शेड्यूलिंग, गति और पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुँच के मामले में ऑनलाइन करियर काउंसलिंग कोर्स की लचीलेपन और पहुँच पर विचार करें। ऐसे कोर्स चुनें जो आपकी सीखने की शैली और प्राथमिकताओं के अनुकूल हों, जिससे आप अपनी गति से अध्ययन कर सकें और अपनी शैक्षिक गतिविधियों को अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ संतुलित कर सकें।

लागत और वित्तीय विचार

अपने बजट और वित्तीय संसाधनों के साथ ऑनलाइन करियर कोर्स की लागत का मूल्यांकन करें। जबकि कुछ कोर्स वित्तीय सहायता या छात्रवृत्ति के अवसर प्रदान कर सकते हैं, अन्य के लिए अग्रिम भुगतान या किस्त योजना की आवश्यकता हो सकती है। निर्देश की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम सामग्री और करियर उन्नति या कौशल वृद्धि के संदर्भ में निवेश पर संभावित रिटर्न के संदर्भ में पाठ्यक्रम के समग्र मूल्य प्रस्ताव पर विचार करें।

एनिमेशन के क्षेत्र में संभावनाएं

इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। आज लगभग हर जगह कंप्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है। इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, सिनेमा में एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग का खूब इस्तेमाल होता है। इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं।

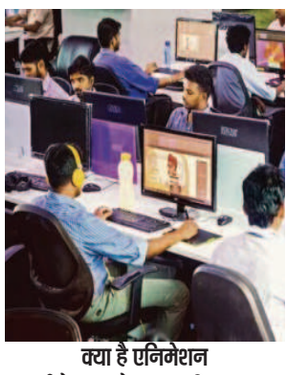

क्या है एनिमेशन

एनीमेशन को एक चरित्र या एक वस्तु के लिए जीवन को साँस लेने की कला के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह मनोरंजन उद्योग और प्रौद्योगिकी का मिश्रण है, जो ग्राफिक रूप से समृद्ध और आकर्षक मल्टीमीडिया क्लिप के डिजाइन, ड्राइंग, लेआउट और उत्पादन से संबंधित है।

जरूरी कौशल

रचनात्मकता
अच्छा दृश्य कल्पना
CAD का ज्ञान
कलात्मक कौशल
चित्र के माध्यम से विचार व्यक्त करने की क्षमता
कंप्यूटर कौशल

योग्यता

एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं पास करने के बाद आप ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल कई तरह के प्रोफेशनल कोर्स भी उपलब्ध हैं।

कहाँ मिलेगी नौकरी

एक एनिमेटर के रूप में, आपको निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिल सकता हैः

ऑनलाइन और प्रिंट समाचार मीडिया
कार्टून उत्पादन
विज्ञापन
वीडियो गेमिंग
थिएटर
फिल्म और टेलीविजन
ई-लर्निंग

सैलरी

एक जूनियर एनिमेटर के और पर आप 8000-15000 प्रति माह कमा सकते हैं। वहीं, 3-5 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 25,000- 75,000 रूपए तक हो सकती है। इसके साथ ही फ्रीलांस के तौर पर भी इस क्षेत्र में आप बहुत पैसा कमा सकते हैं। एनिमेशन की दुनिया में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आपमें हुनर और काम करने की इच्छा है तो आपको देश और विदेश दोनों जगह से काम करने का मौका मिल सकता है।

सरकारी नौकरी

ग्रेजुएट्स के लिए टीचर के 35,133 पदों पर निकली भर्ती, एज लिमिट 45 साल

ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन असम की ओर से असिस्टेंट टीचर और सीनियर ग्रेजुएट टीचर के 35,133 पदों पर भर्ती निकली है। 12 अगस्त तक आवेदन करे। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट dee.assam.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

असिस्टेंट टीचर (अपर प्राइमरी स्कूल) :

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीए, बीएससी की डिग्री और TET पास किया हो।

प्रारंभिक शिक्षा में 2 साल का डिप्लोमा (D.El.Ed) या B.Ed. या D.Ed. (विशेष शिक्षा) या B.Ed. (विशेष शिक्षा) किया हो।

असम TET/CTET पास किया हो।

साइंस टीचर (अपर प्राइमरी स्कूल) :

UGC द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से B.Sc. की डिग्री हो और साइंस और मैथ्स में TET पास किया हो।

प्रारंभिक शिक्षा में 2 साल का डिप्लोमा (D.El.Ed) या B.Ed. या D.Ed. (विशेष शिक्षा) या B.Ed. (विशेष शिक्षा) किया हो।

आयु सीमा :18 - 45 साल।

सिलेक्शन प्रोसेस : डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बेसिस पर।

सैलरी : पद के अनुसार, 14 हजार - 70 हजार रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट dee.assam.gov.in पर जाएं।

होम पेज पर Recruitment बॉक्स में क्लिक करें।

क्लिक हियर टू रजिस्टर लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

रजिस्ट्रेशन होने के बाद अन्य डिटेल्स भरकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में 195 पदों पर निकली भर्ती, 10वीं, 12वीं पास को मौका

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने डेढ़ सौ से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट hindustan-copper.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं, 12वीं।

उम्मीदवारों के पास आईटीआई सर्टिफिकेट होना चाहिए।

आयु सीमा :18 -25 साल।

एससी, एसटी उम्मीदवारों को उम्र में 5 साल और ओबीसी कैटेगरी को 3 साल की छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :

उम्मीदवारों को सिलेक्शन के लिए किसी तरह की एग्जाम नहीं देना होगी। आईटीआई और 10वीं में मिले अंकों के आधार पर सिलेक्शन किया जाएगा।

स्टाइपेंड : HCL नियमों के अनुसार।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट www.hindustancopper.com पर जाएं।

होम पेज पर सम्बंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

अपना रजिस्ट्रेशन करके जरूरी जानकारी दर्ज करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फॉर्म भरें।

एप्लीकेशन फॉर्म की एक हार्ड कॉपी निकाल कर रखें।

मेडिकल ऑफिसर के 895 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारी के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। यह भर्तियां 3 महीने के लिए कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर होंगी। 30 अगस्त से 29 सितंबर तक आवेदन करे। उम्मीदवार वेबसाइट mppsc.mp.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को 3 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 50 रुपए की फीस देकर अपने फॉर्म में करेक्शन का मौका मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

एमबीबीएसी की डिग्री या भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से समकक्ष डिग्री।

मप्र चिकित्सा परिषद में स्थायी रजिस्ट्रेशन।

आयु सीमा :

उम्मीदवारों की आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होना चाहिए।

आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

उम्मीदवारों के पास एमबीबीएस या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त कोई समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

फीस : एससी /एसटी/ ओबीसी (नॉन- क्रीमी लेयर) /ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूडी श्रेणी के एमपी के उम्मीदवार : 250 रुपए

अन्य सभी श्रेणी : 500 रुपए

सैलरी : 15600 - 39100 रुपए प्रतिमाह ग्रेड पे 5400 (छठवें वेतन आयोग के अनुसार)

सातवें वेतनमान में तत्स्थायी सैलरी मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बेसिस पर।

ऐसे करें आवेदन $ एमपीपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट mppsc.mp.gov.in पर जाएं।

एसबीआई में भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख करीब, ग्रेजुएट्स करें अप्लाई, सैलरी 85 हजार तक

भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ऑफिसर (स्पोर्ट्स पर्सन) और क्लर्क (स्पोर्ट्स पर्सन) के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की आखिरी तारीख 14 अगस्त तय की गई है। उम्मीदवार एसबीआई की वेबसाइट sbi.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स : ऑफिसर (स्पोर्ट्सपर्सन) : 17 पद

क्लर्क (स्पोर्ट्सपर्सन) : 51 पद

कुल पदों की संख्या : 68

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से ग्रेजुएशन की डिग्री।

संबंधित स्पोर्ट्स में पिछले 3 वर्षों के दौरान किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में देश का प्रतिनिधित्व किया हो।

उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व किया हो।

या किसी स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का या अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया हो।

या वह संयुक्त विश्वविद्यालय टीम का सदस्य रहा हो।

आयु सीमा :

ऑफिसर (स्पोर्ट्सपर्सन) : न्यूनतम : 21 वर्ष अधिकतम : 30 वर्ष

क्लर्क (स्पोर्ट्सपर्सन) : न्यूनतम : 20 वर्ष अधिकतम : 28 वर्ष

फीस :सामान्य/ईडब्ल्यूएस/ओबीसी : 750 रुपए

एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूबीडी : निःशुल्क

सैलरी : ऑफिसर (स्पोर्ट्स पर्सन) : 85,920 रुपए प्रतिमाह।

क्लर्क (स्पोर्ट्स पर्सन) : 64,480 रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट sbi.co.in पर जाएं।

होम पेज पर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करके फीस भरें।

फॉर्म जमा करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रेजेंटेशन स्किल्स को मजबूत करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी। आज के समय में आप किसी भी फील्ड में हो, आपको अपनी बात दूसरों के सामने अच्छे ढंग में पेश करना आना ही चाहिए। चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी -

प्रेजेंटेशन के विषय को समझें

आप अच्छी प्रेजेंटेशन तभी दे पाएंगे जब आपको अपने विषय की अच्छी समझ होगी। प्रेजेंटेशन देने से पहले अपने विषय को अच्छी तरह समझें और उस पर रिसर्च कर लें।

प्रेजेंटेशन देने से पहले अच्छे से तैयारी करें

कई बार ख़राब प्रेजेंटेशन का कारण कम या अधूरी तैयारी होती है। अगर आप प्रेजेंटेशन देते समय नर्वस होते हैं तो प्रेजेंटेशन की अच्छी तैयारी करें। आप किसी एकांत जगह पर प्रेजेंटेशन की प्रैक्टिस करें। अगर आपकी तैयारी अच्छी होगी तो आप नर्वस नहीं होंगे।

व्यर्थ शब्दों का उपयोग ना करे

अपनी प्रेजेंटेशन के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें, जिनका कोई मतलब न हो। अक्सर लोग प्रेजेंटेशन के दौरान अम्म, हम्म, आ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से दूसरों पर एक गलत इम्प्रेशन पड़ता है। इससे सामने वाले को लगता है कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी नहीं की है।

एक अच्छा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें

आप अपनी प्रेजेंटेशन को अच्छा बनाने के लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन की मदद ले सकते हैं। आप अपनी ppt में ग्राफ़िक्स, अलग फ़ॉन्ट्स,चार्ट्स आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इससे सबको लगेगा कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी की है और लोग आपकी प्रेजेंटेशन पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

शीशे के सामने करें प्रैक्टिस

अगर आप प्रेजेंटेशन के दौरन नर्वस होते हैं तो शीशे के सामने खड़े होकर प्रैक्टिस करें। आप शीशे के सामने खड़े होकर बिल्कुल वैसे ही प्रेजेंटेशन दें, जैसा आप सबके सामने देंगे। इससे आपको अपनी गलतियां पता चलेंगी और आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। आप चाहें तो शीशे के अलावा किसी दोस्त या घर के किसी सदस्य के सामने भी प्रेजेंटेशन देने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

टाटा नहीं मुकेश अंबानी को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

घाटे की लिस्ट में एलआईसी-एसबीआई भी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बीते हफ्ते शेयर बाजार में काफी गिरावट देखने को मिली। जिसका असर सबसे ज्यादा देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में देखने को मिला। आंकड़ों के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा करीब 34 हजार करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली।

जिसकी वजह से कंपनी का मार्केट कैप 20 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ गया। खास बात तो ये है कि रिलायंस के शेयरों में 1.67 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है।वैसे देश की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में से 8 कंपनियों के कंबाइंड मार्केट कैप 1,66,954.07 करोड़ रुपए का नुकसान देखने को मिला था। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा देश की दो बड़ी सरकारी कंपनियों भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी और देश के सबसे बड़े लेंडर एसबीआई के मार्केट कैप में अच्छी गिरावट देखने को मिली है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के मार्केट कैप में भी 19 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इसके विपरीत देश की दो कंपनियों के मार्केट कैप में अच्छा इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार देश की दो बड़ी एफएमसीजी कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी के मार्केट कैप में बढ़ोतरी देखने को मिली है। जहां एचयूएल के मार्केट कैप में करीब 13 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है।

वहीं दूसरी ओर आईटीसी के मार्केट कैप में 8400 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते बांबे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,276.04 अंक या 1.57 फीसदी लुढ़क गया था। आइए आपको भी बतिाते हैं कि आखिर देश की टॉप 10 कंपनियों में से किन कंपनियों को फायदा और किन्हें नुकसान हुआ है।

देश की टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप की स्थिति

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 33,930.56 करोड़ रुपए घटकर 19,94,765.01 करोड़ रुपए हो गया, जो शीर्ष 10 कंपनियों में सबसे अधिक है। देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 30,676.24 करोड़ रुपए घटकर 7,17,001.74 करोड़ रुपए रह गया।

देश का सबसे बड़ा लेंडर भारतीय स्टेट बैंक को अपने मूल्यांकन से 21,151.33 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जो 7,35,566.52 करोड़ रुपए रहा। देश की बड़ी आईटी कंपनियों में से एक इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 20,973.19 करोड़ रुपए घटकर 7,35,277.28 करोड़ रुपए रह गया। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 19,157.77 करोड़ रुपए घटकर 15,30,469.11 करोड़ रुपए रह गया। देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल का एमकैप 16,993.56 करोड़ रुपए घटकर 8,33,396.32 करोड़ रुपए रह गया। देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 16,975.55 करोड़ रुपए घटकर 8,25,201.23 करोड़ रुपए रह गया। देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,095.87 करोड़ रुपए घटकर 12,56,505.53 करोड़ रुपए हो गया। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 12,946.24 करोड़ रुपए उछलकर 6,45,808.65 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शुमार आईटीसी का मूल्यांकन 8,406.26 करोड़ रुपए बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ रुपए हो गया।

भरनी है आजादी के दिन उड़ान तो ऐसे मिलेगा सस्ता फ्लाइट टिकट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। इंडिया में रोज कई लोग हवाई से यात्रा करते हैं. फ्लाइट से सफर करना सफर को आसान बना देता है, यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ गई है. हालांकि, कई लोग फ्लाइट से यात्रा करना इसलिए भी पसंद नहीं करते हैं, क्योंकि टिकट की कीमतें अधिक होती हैं. पैसे बचाने के लिए लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं. लेकिन अगर आप 15 अगस्त को फ्लाइट की टिकट बुक करना चाहते हैं, तो हम आपको एक खास तरीका बताने जा रहे हैं, जिससे आप पैसे बचा सकते हैं.

यहां मिल रहा आजादी पर उड़ान का मौका

अगर आप पहली बार ईजी माई ट्रिप से टिकट बुक करते हैं तो आपको 15 अगस्त पर 10% का फ्लैट डिस्काउंट मिल रहा है. अगर उस वेबसाइट पर दिए कूपन कोड को यूज करते हैं तो आप होटल बुकिंग पर भी 25% बचा सकते हैं. वहीं विस्तारा 15 अगस्त से डोमेस्टिक उड़ान के लिए 1578 रुपए से फ्लाइट सर्विस दे रही है. यह ऑफर ईजी माई ट्रिप के साथ मेक माई ट्रिप पर भी मिल रहा है. दिल्ली से मुंबई जाने पर आकासा एयरलाइन 20% का फ्लैट डिस्काउंट दे रहा है. यह ऑफर ईजी माई ट्रिप के वेबसाइट से फ्लाइट टिकट बुक करने पर मिलेगा.

ये तरीका पैसा बचाने में करता है मदद

अगर आपने कभी फ्लाइट की बुकिंग की है, तो आपने देखा होगा कि यात्रा की तारीख के करीब आते ही टिकट की कीमतें बढ़ जाती हैं. उदाहरण के लिए, अगर किसी को 12 तारीख को यात्रा करनी है और वह 10 या 11 तारीख को टिकट बुक करता है, तो उसे ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है. वहीं, यदि वह 12 तारीख के लिए 5 या 6 तारीख को टिकट बुक करता है, तो उसे सस्ती दर पर टिकट मिलती है. इस तरीके को अपनाकर आप हजारों रुपये बचा सकते हैं. इसलिए, अगर आपकी यात्रा तय है, तो सात-आठ दिन पहले टिकट बुक करना बेहतर रहेगा; वरना आपको अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है.

जेब में बचाकर रखें पैसा, 2 या 5 नहीं आने वाले हैं कई आईपीओ

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में बीते हफ्ते काफी आईपीओ को लेकर काफी हलचल देखने को मिली. इस दौरान एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स, सीगल इंडिया और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समेत कुछ प्रमुख कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टिड हुई. इसके अवाला 9 एसएमई इश्यू, जिनमें पिक्चर पोस्ट स्टूडियोज, एफकॉम होल्डिंग्स, धारीवालकॉर्प, उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वेल्स, किज़ी अपैरल्स, आशापुरा लॉजिस्टिक्स, राजपूताना इंडस्ट्रीज, बल्ककॉर्प और सथलोखर सिनर्जिस ई एंड सी ग्लोबल शामिल हैं, एसएमई प्लेटफार्मों पर लिस्टिड हुए हैं. मौजूदा साल की बात करें तो 45 मेनबोर्ड आईपीओ शेयर बाजार में लिस्ट हो चुके हैं जिनमें से 33 इश्यू प्रॉफिट के साथ लिस्ट हुए हैं. वहीं साल 2024 में लगभग 150 एसएमई इश्यू पब्लिक हुए, जिनमें से 115 प्रॉफिट के साथ लिस्ट हुए हैं. 130 से अधिक अपनी लिस्टिंग की तारीख पर लाभ के साथ बंद हुए. आने वाले हफ्ते में कई आईपीओ आने वाले हैं. साथ ही कुछ कंपनियां लिस्ट भी होने जा रही हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कौन-कौन कंपनियों के आईपीओ मार्केट में आने जा रहे हैं.यूनिकॉमर्स ईसोल्यूशंस और ब्रेनबीज सॉल्यूशंस (फर्स्टक्राई) के शेयर मंगलवार, 13 अगस्त, 2024 को बीएसई और एनएसई पर अपनी शुरुआत करने वाले हैं. दोनों पब्लिक इश्यू ग्रे मार्केट में प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं. उम्मीद की जा रही है कि दोनों कंपनियों की लिस्टिंग काफी अच्छी हो सकती है. इस बीच, एसएमई आईपीओ एस्थेटिक इंजीनियर्स, पिक्चर पोस्ट स्टूडियोज और एफकॉम होल्डिंग्स की लिस्टिंग होने के आसार हैं.महिलाओं के कपड़े बनाने वाली कंपनी सरस्वती साड़ी डिपो का आईपीओ 12 अगस्त को ओपन होगा और 14 अगस्त को बंद हो जाएगा. आईपीओ का प्राइस बैंड 152-160 रुपए है. इस इश्यू के एक लॉट में 90 शेयरों को रखा गया है. इसका मतलब है कि निवेशकों को अधिकतम 14,400 रुपए का निवेश करना होगा.

कंपनी इस आईपीओ से 160.01 करोड़ रुपए जुटाने का मन बना रही है. इस आईपीओ में 6,499,800 फ्रेश शेयर रखे गए हैं. वहीं दूसरी ओर 10 रुपए के फेस वैल्यू के साथ 3,501,000 शेयर ओएफएस के तहत हैं. कंपनी के शेयर शुक्रवार, 16 अगस्त, 2024 को आवंटित होने की संभावना है, जबकि वे सोमवार, 19 अगस्त, 2024 को डीमैट खाते में दिखाई देंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-02
सूर्यास्त. - 18-39
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

तिथि-	सप्तमी 07-55 तक उपरान्त अष्टमी
मास -	श्रावण शुक्ल , सोमवार 12 August
नक्षत्र -	स्वाति 08-32 तक उप विशाखा
योग -	शुक्ल 16-25 तक उप ब्रह्म
करण-	वणिज 07-55 तक उप विष्टी
विशेष:-	दुर्गा अष्टमी
व्रत -त्योहार -	भद्रा - 07-55 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क मे	कर्क-	04-08 बजे
चंद्र-	तुला मे	सिंह..	06-21 बजे
मंगल	वृष मे	कन्या..	08-28 बजे
बुध-	सिंह मे	तुला...	10-32 बजे
गुरु-	वृष मे	वृश्चिक..	12-42 बजे
शुक्र-	सिंह मे	धनु....	14-56 बजे
शनि-	कुंभ. मे	मकर...	17-03 बजे
राहु-	मीन मे	कुंभ...	18-53 बजे
केतु-	कन्या मे	मीन-	20-32 बजे
		मेष---	22-07 बजे
		वृष--	00-01 बजे
		मिथुन-	01-52 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:35 से 09:10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत।	06:02 - 07:35 शुभ	चंचल	18:39 - 20:07 शुभ
काल..	07:35 - 09:10 अशुभ	रोग	20:07 - 21:32 अशुभ
शुभ.	09:10 - 10:46 शुभ	काल	21:32 - 22:56 अशुभ
रोग	10:46 - 12:21 अशुभ	लाभ	22:56 - 00:21 शुभ
उत्पात	12:21 - 13:56 अशुभ	उत्पात	00:21 - 01:46 अशुभ
चंचल	13:56 - 15:32 शुभ	शुभ	01:46 - 03:10 शुभ
लाभ	15:32 - 17:07 शुभ	अमृत	03:10 - 04:35 शुभ
अमृत	17:07 - 18:39शुभ	चंचल	04:35 - 06:02 शुभ

हिंडनबर्ग का एसईबीआई चीफ पर आरोप

माधबी बुच की उसी विदेशी फंड में हिस्सेदारी, जिसमें अडाणी का निवेश; बुच बोलीं- हमारी जिंदगी खुली किताब

मुंबई,11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग ने शनिवार को सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप लगाए। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। बुच ने इन आरोपों को निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया है। एसईबीआई चेयरपर्सन ने सभी फाइनेंशियल रिकॉर्ड डिक्लेयर करने की इच्छा व्यक्त की। अपने पति धवल बुच के साथ एक जॉइंट स्टेटमेंट में उन्होंने कहा, 'हमारा जीवन और फाइनेंसेस एक खुली किताब है।' पिछले साल अडाणी ग्रुप पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाकर हिंडनबर्ग रिसर्च चर्चा में आई थी। व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर हिंडनबर्ग ने दावा किया कि बुच और उनके पति की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड' में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि 'ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड' में कथित तौर पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी ने अरबों डॉलर निवेश किए हैं। इस पैसे का इस्तेमाल अडाणी ग्रुप के शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया था।

अडाणी ग्रुप बोला- हिंडनबर्ग ने अपने फायदे के लिए ऐसा किया

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट का अडाणी ग्रुप ने भी खंडन किया है। ग्रुप ने कहा- हिंडनबर्ग ने अपने फायदे के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का गलत इस्तेमाल किया। अडाणी ग्रुप पर लगाए आरोप पहले ही निराधार साबित हो चुके हैं। गहन जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में हिंडनबर्ग के आरोपों को खारिज कर दिया था।

अडाणी ग्रुप पर लगाए थे मनी लॉन्ड्रिंग, शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, बाद में इसमें रिकवरी आई। इस रिपोर्ट को लेकर भारतीय शेयर बाजार रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने हिंडनबर्ग को 46 पेज का कारण बताओ नोटिस भी भेजा था।1 जुलाई 2024 को पब्लिश किए अपने एक ब्लॉग पोस्ट में हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि नोटिस में बताया गया है कि उसने नियमों उल्लंघन किया है।

कब शुरू होगी मुकेश अंबानी की पहली 'ड्रीम फैक्ट्री'? सामने आया प्लान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी और देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी पहली 'ड्रीम फैक्ट्री' की शुरुआत जल्दी करने जा रही हैं. आप सोच रहे हैं कि आखिर मुकेश अंबानी की ऐसी कौन ड्रीम फैक्ट्री है, जो जल्द ही शुरू होने वाली है. तो आपको बता दें कि मुकेश अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड चालू वित्त वर्ष में अपनी पहली सौर गीगा-फैक्टरी चालू करने की योजना बना रही है. कंपनी वर्ष 2035 तक परिचालन से नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के दिशा में बढ़ रही है. रिलायंस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि उसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के पहले चरण को चालू करना और 2026 तक चरणबद्ध तरीके से इसे 20 गीगावाट तक बढ़ाना है. सौर गीगा-फैक्टरी में एक ही स्थान पर पीवी मॉड्यूल, सेल, वेफर्स और सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण होगा. कंपनी ने 2025 में मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगिकीकरण करने और 2026 में पहली बार 50 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) प्रति वर्ष लिथियम बैटरी सेल बनाने का लक्ष्य भी तय किया है.रिलायंस ने 2021 में घोषणा की थी कि वह वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित एक नया ईंधन व्यवसाय तैयार करने के लिए तीन वर्षों में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी. इस योजना के तहत गुजरात के जामनगर में नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण, बैटरी भंडारण, ईंधन सेल और हाइड्रोजन के निर्माण के लिए चार गीगा कारखाने स्थापित किए जाने हैं. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि हमने ऐसे कारखाने स्थापित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो हमारे इंटीग्रेटिड सौर पीवी मैन्युफैक्चरिंग का हिस्सा होंगे.अगर बात बीते एक हफ्ते की करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में डेढ़ फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली थी.

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे । ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा। आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट पर अडानी का रिएक्शन- सेबी चीफ के साथ नहीं है कोई कमर्शियल कनेक्शन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट आने के बाद से हंगामा मचा हुआ है. अब अडानी समूह ने शनिवार देर शाम आई रिपोर्ट अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है. अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के द्वारा लगाए गए आरोपों से इनकार करते हुए रविवार को कहा कि सेबी चीफ माधबी पुरी बुच के साथ उसका कोई कमर्शियल कनेक्शन नहीं है, जिसका दावा हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में किया गया है.

रिपोर्ट में बताए गए व्यक्तियों के साथ नहीं है संबंध

अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट का एक दिन बाद खंडन करते हुए कहा कि रिपोर्ट में जिन व्यक्तियों का या जिन मामलों का जिक्र किया गया है, उनसे कमर्शियली अडानी समूह का कोई लेना-देना नहीं है. हिंडनबर्ग रिसर्च के द्वारा शनिवार को देर शाम में जारी की गई सनसनीखेज रिपोर्ट पर अडानी समूह की यह पहली प्रतिक्रिया है. रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कुछ विदेशी फंड में विनोद अडानी व उनके करीबी सहयोगियों और सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच दोनों ने निवेश किया था.

पारदर्शी है विदेशी होल्डिंग का स्ट्रक्चर

समूह ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को भी खारिज कर दिया. अडानी समूह ने कहा कि उसकी कंपनियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को वह खारिज करता है और फिर से अपनी बात को दोहराता है कि उसकी विदेशी होल्डिंग का स्ट्रक्चर पूरी तरह से पारदर्शी है. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडानी समूह को लेकर कहा गया है कि उसने कंपनियों का जाल बुनकर फंड को इधर से उधर किया.

पिछले साल जनवरी में शुरू हुआ था मामला

अडानी समूह और हिंडनबर्ग रिसर्च का मामला कोई नया नहीं है. यह आज से लगभग डेढ़ साल पहले पिछले साल जनवरी में उस समय शुरू हुआ था, जब हिंडनबर्ग ने अडानी समूह के खिलाफ अपनी पहली सनसनीखेज रिपोर्ट जारी की थी. उसमें हिंडनबर्ग ने अडानी समूह के ऊपर शेयरों के भाव चढ़ाने समेत फंड के हेर-फेर जैसे गंभीर आरोप लगाया था. साथ ही हिंडनबर्ग ने उसे कॉरपोरेट वर्ल्ड के इतिहास का सबसे बड़ा फ्रॉड करार दिया था.

रिलायंस इंडस्ट्रीज में 42 हजार कर्मचारियों की छंटनी पर बोले अनुपम मित्तल?

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अडानी और हिंडनबर्ग मसले पर जारी हंगामे के बीच अब देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी को लेकर मामला उठने लगा है. उद्यमी व इन्वेस्टर अनुपम मित्तल ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों की हुई छंटनी का मामला सोशल मीडिया पर उठाया है. साथ में उन्होंने सवाल किया है कि इस मसले पर इतनी चुप्पी क्यों है.

अनुपम मित्तल ने किया एक्स पर ये अपडेट

शादी डॉट कॉम के फाउंडर एवं शार्क टैंक इंडिया के जज अनुपम मित्तल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों की हुई कटौती की एक खबर शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- 42 हजार? यह क्वाइट न्यूज क्यों है? इस खबर से तो आर्थिक और राजनीतिक गलियारे में गंभीर खतरे की घंटियां बजनी चाहिए थी.

इन कारणों से कम किए गए कर्मचारी

टेक इन्वेस्टर ने एक्स पर जो खबर शेयर की है, उसके अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने कर्मचारियों की कुल संख्या में 42 हजार की कटौती कर दी. रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों की संख्या में यह भारी-भरकम कमी का कारण लागत को कम करने पर ध्यान देना और हायरिंग की रफ्तार को कम करना बताया जा रहा है.

सबसे ज्यादा रिटेल सेगमेंट में कटौती

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वर्कफोर्स कम करने की जानकारी बीते दिनों जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में दी थी. एनुअल रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों की संख्या में 11 फीसदी की कमी आई. सबसे ज्यादा कर्मचारियों की कमी रिटेल सेगमेंट में आई. पिछले वित्त वर्ष के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज के रिटेल सेक्टर में कर्मचारियों की कुल संख्या 2,07,552 पर आ गई थी, जो उसके कुल कर्मचारियों के लगभग 60 फीसदी के बराबर है. हालांकि एक साल पहले रिटेल सेक्टर में 2,45,581 कर्मचारी काम कर रहे थे।

आईटीआर फाइलिंग की खत्म हो गई है डेडलाइन? उसके बाद भी क्लेम कर सकते हैं रिफंड

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 और असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए बिना पेनाल्टी के इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की डेडलाइन 31 जुलाई, 2024 को खत्म हो चुकी है. इसके बाद अगर आप इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं तो आपको जुर्माना देना होगा. 5 लाख रुपये की सालाना इनकम वाले लोगों को बतौर जुर्माना 1,000 रुपये देने होंगे. वहीं 5 लाख रुपये से अधिक की इनकम पर 5,000 रुपये की पेनल्टी देनी होगी. इसके साथ ही ध्यान रखें कि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद इसका ई-वेरिफिकेशन पूरा करना आवश्यक है. बिना ई-वेरिफिकेशन के आईटीआर फाइलिंग को पूरा नहीं माना जाएगा. ई-वेरिफिकेशन के प्रोसेस को रिटर्न फाइल करने के 31 दिन के भीतर पूरा करना आवश्यक है. वरना रिटर्न को खारिज कर दिया जाएगा. ध्यान रखें कि ई-वेरिफिकेशन को आप आधार ओटीपी, नेट बैंकिंग या साइन आईटीआर-वी से पूरा कर सकते हैं.

डेडलाइन के बाद भी इनकम टैक्स रिफंड कर सकते हैं क्लेम

बता दें कि आईटीआर फाइल करने की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी आप इनकम टैक्स रिफंड को क्लेम कर सकते हैं. इसके लिए आपके पास 31 दिसंबर तक का वक्त है. ध्यान रखें कि इसके लिए पेनल्टी फीस और लेट फीस देनी होगी. ऐसे में आपके रिफंड में लेट फीस की राशि को काटकर आपको बाकी रिफंड की राशि मिल जाएगी.

क्या उपराष्ट्रपति धनखड़ को हटा पाएगा विपक्ष

बात महाभियोग लाने तक कैसे पहुंची, क्या है पूरा प्रोसेस और पॉलिटिक्स

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने के लिए विपक्ष महाभियोग की तैयारी कर रहा है। 8 अगस्त को राज्यसभा में शुरू हुआ विवाद 9 अगस्त को और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्यसभा के कम से कम 87 सांसद धनखड़ के खिलाफ प्रस्ताव लाने पर सहमति जता चुके हैं। भारत के राजनीतिक इतिहास में पहला मौका होगा, जब उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए सदन में प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

बता दें कि 8 अगस्त को हर दिन की तरह राज्यसभा का सदन चल रहा था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'विनेश फोगाट का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है, हमें जानने की जरूरत है कि इसके पीछे कौन था। जगदीप धनखड़ ने खड़गे को रोकते हुए कहा कि आप इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं कर सकते हैं। यह परंपरा के खिलाफ है। विपक्षी सांसद इसपर हंगामा करने लगे। धनखड़ ने टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को फटकार लगाते हुए कहा, 'आपका आचरण सदन में सबसे घटिया है। मैं आपके कृत्य की निंदा करता हूं। अगली बार मैं आपको बाहर का रास्ता दिखाऊंगा। आप चिल्ला नहीं सकते।'

विरोध कर रहे जयराम रमेश के किसी बात पर हंसते ही धनखड़ गुस्से में तमतमाते हुए बोले- 'कांग्रेस सांसद, हंसिए मत। मैं आपकी आदतें जानता हूं। कुछ सांसद गलत टिप्पणियां करते हैं। मैं सभी का सम्मान करता हूं, लेकिन सांसदों के व्यवहार से दुखी हूं।' कुछ देर बाद विपक्षी सांसदों ने विरोध जताते हुए सदन से वॉक आउट कर दिया।

इसके बाद सदन में हंगामा शुरू होने पर धनखड़ ने विपक्षी सांसदों के बर्ताव को अराजक और अशोभनीय बताया। उन्होंने विपक्षी सांसदों पर पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाने के साथ ही अध्यक्ष पद की गरिमा को धूमिल करने का आरोप लगाया। इसके बाद वो कुछ देर के लिए सभापति की कुर्सी छोड़कर चले गए। 9 अगस्त की सुबह राज्यसभा में प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्ष ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर घनश्याम तिवाड़ी की ओर से की गई टिप्पणी का मुद्दा उठा दिया। जयराम रमेश ने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर कुछ आपत्तिजनक बातें कही थी। इस पर आपने कहा था कि रुलिंग देंगे। वह रुलिंग क्या है? इसके जवाब में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि घनश्याम ने मल्लिकाजुर्न की प्रशंसा की थी, जिसके लिए कोई माफी नहीं मांगता। वे माफी नहीं मांगेंगे। इस पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि घनश्याम तिवाड़ी ने जो शब्द कहे थे, वह दोहराना नहीं चाहता। उनकी जो टोन थी, वह विपक्ष के नेता के लिए ठीक नहीं है। इस बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश भी कुछ बोल रहे थे।

सभापति ने जयराम रमेश को नेम करने की चेतावनी दी। इस पर अजय माकन ने कहा कि क्यों नेम कर देंगे सर, एक बात जो विपक्ष के नेता के साथ हुआ वह बताने के लिए नेम कर देंगे। आप कहते हैं- हंस क्यों रहे हैं, मुस्कुरा क्यों रहे हैं, बैठे क्यों हैं। हाथ जोड़कर कह रहे हैं प्लीज ऐसे मत कीजिए। आखिर में जया बच्चन ने कहा कि मैं एक एक्टर हूं और बॉडी लैंग्वेज, एक्सप्रेशन समझती हूं। मुझे माफ करिएगा सर, आपकी जो टोन है, ठीक नहीं है। हम लोग कुलीग हैं, आप वहां हैं। आपकी टोन अस्वीकार्य है। इस पर नाराज सभापति ने कहा कि हर दिन आपकी स्कूलिंग करना नहीं चाहता। आप मेरी टोन को लेकर बात कर रही हैं? ये बहुत ज्यादा है। मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि आप सेलिब्रिटी

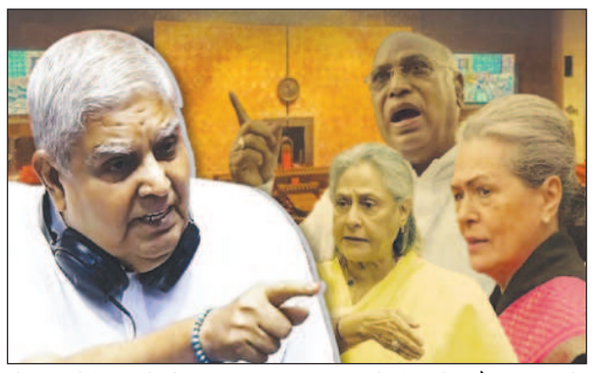

होंगी, लेकिन डेकोरम मानना पड़ेगा। इसके बाद विपक्ष सदन से वॉकआउट कर गया।

महाभियोग लाने की बात उठी

राज्यसभा के कम से कम 87 सांसद धनखड़ के खिलाफ प्रस्ताव लाने पर सहमति जता चुके हैं। हालांकि अभी तक इस बात पर आखिरी फैसला नहीं हुआ है कि पार्टियों के फ्लोर लीडर भी महाभियोग नोटिस पर हस्ताक्षर करेंगे या नहीं। संविधान के अनुच्छेद 67 के मुताबिक, सभापति के खिलाफ कोई प्रस्ताव पेश करने से कम से कम चौदह दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। ऐसे में अभी विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव को पेश करने की तारीख को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है। उपराष्ट्रपति, राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और उच्च सदन को नियमों और परंपराओं के मुताबिक सुचारू रूप से चलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में उन्हें राज्यसभा के सभापति पद से तभी हटाया जा सकता है, जब उन्हें भारत के उपराष्ट्रपति के पद से हटा दिया जाए।

संविधान के अनुच्छेद 67 में उपराष्ट्रपति की नियुक्ति और उन्हें पद से हटाने से जुड़े ये नियम हैं। उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने से 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। जब प्रस्ताव सभापति के खिलाफ विचाराधीन हो तो सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते। राज्यसभा के सभापति के खिलाफ प्रस्ताव पर वोटों की समानता के मामले में मतदान का अधिकार नहीं मिलता। संविधान के अनुच्छेद 67(बी) के मुताबिक उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव को राज्यसभा में मौजूद कुल सदस्यों के बहुमत से और लोकसभा में 'साधारण बहुमत' से पास होना जरूरी है। इसके बाद उपराष्ट्रपति को पद से हटाया जा सकता है।

राज्यसभा सदस्यों का उपराष्ट्रपति के खिलाफ प्रस्ताव लाना एक संवैधानिक अधिकार है। ऐसे में कभी भी सदस्य नोटिस दे सकते हैं। कानून में कहीं नहीं लिखा है कि नोटिस देने के लिए सेशन चलना जरूरी है। कानून में इसको लेकर भी क्लैरिटी नहीं है कि कब नोटिस लाया जा सकता है। एक बार नोटिस दिए जाने के बाद सरकार की यह जिम्मेदारी होती है कि वह राज्यसभा और लोकसभा में 14 दिन बाद चर्चा कराए। अगर ऐसा नहीं होता है तो ये सदस्यों के संवैधानिक अधिकारों का हनन होता है। उपराष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कौन अध्यक्षता करेगा, इसको लेकर कानून में स्पष्टता नहीं है। हालांकि लोकसभा में स्पीकर को पद से हटाने का प्रस्ताव आता है तो उस दौरान डिप्टी स्पीकर अध्यक्षता करते हैं। नैतिक तौर पर इस तरह की स्थिति में उप-सभापति को अध्यक्षता करना चाहिए।

राज्यसभा की वेबसाइट पर फिलहाल सदस्यों की कुल संख्या 225 बताई गई है। सदन में उपराष्ट्रपति के खिलाफ अगर विपक्षी दल महाभियोग लाते हैं तो उसे बहुमत से पास होने के लिए 113 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। राज्यसभा में फिलहाल इंडिया गठबंधन के पास अभी कुल 87 सांसद हैं। इनमें कांग्रेस के पास 26, टीएमसी के 13, आम आदमी पार्टी और डीएमके के 10-10 सांसद हैं। प्रस्ताव पेश होता है तो इंडिया को वायएसआर कांग्रेस के 11 और एआईडीएमके के 4 सांसदों के अलावा बीजद के 8 बीएसपी और एमएनपी के एक-एक सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। अगर ऐसा करने में विपक्ष सफल हो जाता है तो प्रस्ताव के समर्थन में 113 वोट हासिल हो जाएंगे। अगर किसी तरह राज्यसभा में प्रस्ताव पास भी हो जाता है तो लोकसभा में भेजा जाएगा। वहां विपक्ष के पास पर्याप्त नंबर नहीं है। राज्यसभा में बीजेपी के पास बहुमत नहीं है। विपक्षी दल एकजुट हो जाएं तो राज्यसभा में उपराष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास करना ज्यादा मुश्किल नहीं है। हालांकि लोकसभा में ऐसा करना विपक्षी दलों के लिए बेहद मुश्किल है। सवाल ये नहीं है कि विपक्षी दल इस प्रस्ताव के जरिए उपराष्ट्रपति को हटा पा रहे हैं या नहीं । इससे ज्यादा महत्वपूर्ण तो ये है कि एक बार राज्यसभा से ये प्रस्ताव पास हो जाता है तो नैतिक तौर पर उपराष्ट्रपति इस पद पर बने रहने का ग्राउंड खो देंगे। अगर महाभियोग लाया जाता है तो इसकी एक वजह पॉलिटिकल भी है। राज्यसभा में एनडीए पर हावी होने के लिए संभव है कि विपक्ष ये प्रस्ताव ला रहा हो। उपराष्ट्रपति को हटाने की लिए सदन में महाभियोग प्रस्ताव नहीं लाया गया है। अगर ऐसा हुआ तो ये भारतीय राजनीतिक इतिहास में पहला मौका होगा।

इससे पहले सितंबर 2020 में 12 विपक्षी दलों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। राज्यसभा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ था, जब किसी उपसभापति के खिलाफ इस तरह से विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया। तब सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि यह प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 90 के तहत गैर-स्वीकार्य है। उन्होंने कहा था कि नियमों के मुताबिक 14 दिन पहले प्रस्ताव पेश नहीं किया गया। इस वजह से तब उनके खिलाफ भी पेश होने वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया था।

भाजपा सिर्फ दिवंगत लोगों से सवाल करती है

एमपी संतोष पांडे के नक्सली कनेक्शन के सवाल पर भूपेश बघेल का पलटवार

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 5 नक्सलियों के पकड़ाने के बाद राजनीति तेज हो गई है। जहां नक्सलियों की पहचान के दौरान एक नक्सली की पहचान विवेक सिंह के रूप में हुई। जोकि पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल का सलाहकार रहा है। जिसके बाद बीजेपी सांसद संतोष सिंह ने बघेल का नक्सलियों से संबंध बता दिया। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा दिवंगत लोगों से सवाल करती है। भूपेश बघेल ने भाजपा सांसद संतोष पांडेय के उस बयान पर पलटवार किया। जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मोहला-मानपुर जिले में नक्सलियों के साथ गिरफ्तार विवेक सिंह के संबंध भूपेश बघेल और उनके स्वर्गीय पिता नंदकुमार बघेल से है। उन्होंने कहा कि स्वर्गवासी होने के बाद किसी से कैसे सवाल करेंगे। क्योंकि जवाब देने के लिए वह उपस्थित हैं ही नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा दिवंगत लोगों से सवाल करती है। वह गांधी, नेहरू, इंदिरा गांधी से सवाल करते हैं। आज मेरे पिताजी से सवाल कर दिया। मैं संतोष पांडेय से कहना चाहूंगा कि वह वहां (स्वर्ग) चले जाएं और जवाब लेकर आ जाएं। मूर्खता की हद हो गई। सभी लोग जानते हैं कि मेरा पिता से राजनीतिक विरोधाभास था। उनकी लाइन अलग थी, मेरी अलग है। वह मेरे साथ रहते भी नहीं थे। वह स्वतंत्र रहते थे। बघेल ने कहा कि संतोष पांडेय के बयान से यह साफ हो जाता है कि उनकी मानसिकता क्या है। ऐसी मानसिकता वाले व्यक्ति के बारे में मैं कोई बयान नहीं देना चाहता। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्रियों के बंगले में नक्सली जाकर हफ्ता वसूली करते रहे हैं, यह बात सब जानते हैं। बता दें कि भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत के क्रम में कहा था कि नक्सलियों के साथ गिरफ्तार विवेक सिंह स्वर्गीय नंदकुमार बघेल का सलाहकार रहा है। अब भूपेश बघेल बताएं, यह रिश्ता क्या कहलाता है।

सरकारी भर्ती में मिले 10 अंकों का बोनस

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, किन लोगों को मिलेगा लाभ

बिलासपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोविड काल में लगतार काम करने वालों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोरोना काल में लगातार 6 महीने तक काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को सरकारी नौकरी में 10 नंबर का बोनस अंक दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि इसमें किसी भी संस्था में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मी शामिल हैं। बता दें कि राज्य सरकार ने तीन साल पहले इसकी घोषणा की थी लेकिन इसका लाभ नहीं मिला था। कोर्ट ने कहा कि तृतीय और चतुर्थ वर्ग के पदों पर चयन प्रक्रिया में 10 नंबर बोनस अंक के रुप में दिए जाएं। कोर्ट के इस फैसले से कोविड काल में सेवा देने वाले उन लोगों को फायदा होगा जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल, धमतरी जिले के रहने वाले चंद्रकांत साहू ने कोविड काल में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलरगांव में संचालित कोविड कैंप में में काम किया था। 6 महीने पूरा होने के बाद उन्होंने सर्विस जारी रखने की मांग की थी। इसी बीच 7 दिसंबर 2021 को राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि जिन स्वास्थ्यकर्मियों ने 6 महीने तक सेवाएं दी हैं उनको राज्य की तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की भर्तियों में 10 अंक बोनस के रुप में दिए जाएंगे। आवेदक चंद्रकांत साहू ने स्वास्थ्य विभाग की भर्ती में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया था लेकिन इसे आमान्य कर दिया गया और उसे बोनस के 10 नंबर नहीं मिले। जिसके बाद आवेदक ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इस पूरे मामले में जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की सिंगल बेंच ने आदेश दिया कि शासन के साथ संयुक्त रूप से संचालित सभी संस्थाओं के स्वास्थ्य कर्मियों को बोनस के 10 अंक दिए जाएं। हालांकि कोर्ट ने कहा कि इसका लाभ उन लोगों को ही मिलेगा जिनके पास 6 महीने लगातार स्वास्थ्य सेवा का प्रमाण पत्र होगा।

डोमिनोज पिज्जा में छापा

एक ही जगह पर वेज–नॉनवेज फूड रायपुर में आउटलेट मालिक को नोटिस

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर में तेलीबांधा स्थित डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। पिज्जा आउटलेट में वेज-नॉनवेज एक ही जगह पर रखे मिले। अधिकारियों ने जांच के बाद आउटलेट को नोटिस जारी किया है। 4 दिन के अंदर वेज-नॉनवेज स्टोरेज और प्रिपरेशन एरिया को अलग करने कहा है। पिज्जा तैयार करने वाले सॉस का सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए भेजा गया है।

दरअसल, शुक्रवार को तेलीबांधा स्थित डोमिनोज़ पिज्जा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवक और डोमिनोज पिज्जा में काम करने वाले कर्मियों के बीच बहस हो रही थी। युवक ने वेज पिज्जा ऑर्डर दिया, लेकिन उसे नॉनवेज पिज्जा दे दिया गया। इस दौरान गलती होने के बावजूद डॉमिनोज पिज्जा में काम करने वाले कर्मचारी से अपनी गलती मानने को तैयार नहीं थे और बहस कर रहे थे।

इसलिए युवक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद शिकायत कलेक्टर तक पहुंची।

उन्होंने अफसरों को मौके पर जाकर जांच करने के आदेश दिए। शिकायत सही पाई गई। इसके बाद आउटलेट मालिक को नोटिस जारी किया गया है। वीडियों वायरल होने के बाद खाद्य एवं औषधि नियंत्रक विभाग के डिप्टी कमिश्नर डॉ. अजय शंकर कनौजिया कार्रवाई करने पहुंचे। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ पांडे, एहसान तिग्गा, साधना चंद्राकर के संयुक्त दल ने निरीक्षण किया, जिसमें शिकायत सही पाई गई। वेज-नॉनवेज स्टोरेज एरिया और स्टोरेज अलग नहीं बनाया गया है। रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग ने टिकरापारा संजय नगर स्थित अमानत बेकरी, हीरा बेकरी और शारदा होटल पर जुर्माने की कार्रवाई की है। निगम ने तीनों दुकानों से 18 हजार रुपए जुर्माना वसूला। अमानत बेकरी पर 15 हजार रुपए, हीरा बेकरी पर 2000 और शारदा होटल पर 1000 रुपए की जुर्माना लगाया गया। शुक्रवार को जब निगम अमला कार्रवाई करने पहुंचा इस दौरान अमानत बेकरी संचालक और निगम कर्मियों के बदतमीजी कर रहा था। मौके पर पहुंची निगम स्वास्थ्य अधिकारी तृप्ति पाणिग्रही ने बेकरी संचालक को जमकर फटकार लगाई।

नक्सलियों के नाम पर लेव्ही वसूलने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

कई बड़े लोगों को बना चुके हैं अपना निशाना

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस ने नक्सलियों के नाम पर लेव्ही वसूलने करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी जिले के मानपुर का रहने वाला है। वहीं चार आरोपी बीजापुर थाना क्षेत्र के हैं जो तेंदूपत्ता ठेकेदारों को धमकी देकर लेव्ही मांगी थी। राजनांदगांव आईजी दीपक झा ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया है। दरअसल, पुलिस ने कुछ महीने पहले आदिवासी नेता सुरजू टेकाम को गिरफ्तार किया था, उसके घर से नक्सली पर्चे, नक्सली साहित्य,

बारूद कोऑर्डिनेटर वायर डेटोनेटर और अन्य सामान बरामद किया गया था। उसी के कहने पर लेव्ही के पैसों से दिल्ली के लिए फ्लाइट का टिकट विवेक सिंग द्वारा किया गया था। वहीं शहरी नेटवर्क को लगातार अलग-अलग माध्यम से सहयोग कर एक दूसरे के संपर्क में था। साथ ही बीजापुर जिले के भैरमगढ़ क्षेत्र के चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। वे सभी तेंदूपत्ता ठेकेदारों से लेव्ही वसूली करते थे। इन पकड़े गए पांचो आरोपी नक्सलियों तक लगभग एक करोड़ से ज्यादा रुपए भेजवा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। इस पूरे मामले में जिला पुलिस फायनेंसियल ट्रेल व इलेक्ट्रॉनिक सहित अन्य दस्तावेज खंगालने में लगी है।

डेमोग्राफिक बदलाव कैसे बन रहा चुनावी मुद्दा?

बीजेपी के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार

रांची, 11 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस, दोनों ही मुख्य पार्टियों के खेमे में सरगर्मियां भी शुरू हो गई है। बीजेपी नेताओं के हाल फिलहाल के बयानों से लगता है कि प्रदेश में वो कथित डेमोग्राफिक बदलाव को चुनावी मुद्दा बनाएगी। बीते दिनों संसद में गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने डेमोग्राफिक बदलाव का मुद्दा सदन में उठाया थी। उन्होंने कहा था कि राज्य में मुसलमानों की आबादी तेज़ी से बढ़ रही है । दुबे ने कहा था कि' मेरे लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्र में के करीब 267 बूथों पर मुसलमानों की आबादी 117 फीसदी गई है। झारखंड में 25 ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां ये आबादी 123 % आबादी बढ़ी है।' ऐसा ही कुछ लोकसभा चुनाव के चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था। खूंटी में एक जनसभा के दौरान शाह ने कहा था कि राज्य में घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं, जिससे कि वो नौकरियों और जमीनों पर कब्जा कर सकें। हालांकि कांग्रेस डेमोग्राफिक बदलाव के इन आरोपों को पूरी तरह से नकार कर इसे बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति का ही एक उदाहरण करार देती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार कहते हैं कि बीजेपी इस मामले में सरासर झूठ बोल रही है, वो कहते हैं कि ये कैसे डेमोग्राफिक बदलाव की बात कर सकते हैं। ऐसा कोई डेटा नहीं है जो इस तरह के संकेत दे। स्कूल में एनरोलमेंट और वोटरों की बढ़ी हुई तादाद इस तरह का मानक होती है। अगर सरकार जनगणना करवाती है तो सब कुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

बीजेपी के पास झारखंड में हिंदू मुसलमान करने के अलावा कुछ नहीं और ये सब वो सरकार कर रही है, जिसने जनगणना तक नहीं करवाई है। दरअसल, हाल के लोकसभा चुनाव में झारखंड में बीजेपी की सीटें और वोट शेयर दोनों ही कम हुए हैं।

मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना के फार्म फेंके गए

महिलाएं बोली- सरकार नहीं चाहती तो ना दे लाभ लेकिन इसमें हमारे अहम दस्तावेज हैं

धनबाद, 11 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना के कई फार्म ऐसे ही दफ्तर में फेंक दिए गये। महिलाओं को जब इसकी जानकारी मिली तो सभी अपने फार्म छांटकर ले जाने लगे। महिलाओं ने इस घटना के बाद निराशा जताते हुए कहा कि अगर योजना का लाभ नहीं देना था तो ना देते इस तरफ हमारे फार्म को फेंक नहीं देना चाहिए। अगर यह फार्म किसी और फ्रांड के हाथ लग जाते तो हमारी परेशानी और बढ़ सकती थी।

जमीन पर फेंक दिए गए फार्म

मईंया सम्मान योजना के फार्म फेंकने की घटना धनबाद के तेलीपाड़ा विवाह मंडप में हुई है जहां इस योजना के लिए सेंटर बनाया गया था। इस योजना का लाभ लेने के लिए भारी मात्रा में महिलाएं पहुंची थी। कई महिलाओं ने घंटो कतार में खड़े होकर आवेदन जमा किया। कई महिलाओं को दूसरे तीसरे दिन आकर फार्म भरना पड़ा। जब उन्हें पता चला कि फार्म ऐसे ही फेंक दिया गया है तो आसपास की महिलाएं की भीड़ जुट और फेंके गए फॉर्म में अपना फार्म तलाश कर वापस ले गईं।

महिलाओं ने कहा, नहीं देना है योजना का लाभ ना दें

इस घटना के बाद महिलाओं ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि हम पहले भी कमा कर खा रहे थे लेकिन इस योजना से हमें उम्मीद जगी थी। अगर सरकार को योजना का लाभ नहीं देना तो ना दे लेकिन इस तरह फार्म जमीन पर फेंक दिए गये जिसका हमें दुख है। महिलाओं ने कहा कि इस फॉर्म में हमारी सारी जानकारी है, फॉर्म में आधार कार्ड, राशन कार्ड, आय के माध्यम , बैंक डिटेल है। अगर किसी और के हाथ यह अहम दस्तावेज लग गया तो हमारे लिए परेशानी बढ़ सकती है। कोई भी इन दस्तावेजों की मदद से फ्रॉड कर सकता है। हम जहां भी यह दस्तावेज देते हैं उम्मीद रखते हैं कि उसे अच्छी तरह रखा जाएगा लेकिन यहां तो सरकारी योजना के लिए हमारे दस्तावेज जमीन पर फेंक दिए गये। अगर हमारे साथ कोई धोखाधड़ी हुई तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।

झारखंड को दो गोल्ड समेत छह पदक

रांची, 11 अगस्त (एजेंसियां)। खेलगांव के वेलोड्राम स्टेडियम में दो दिवसीय साइकिलिंग वूमेन ट्रैक ईस्ट जोन प्रतियोगिता शुरू हो गई। इसका शुभारंभ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ि किया। प्रतियोगिता के पहले दिन चार श्रेणी में स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें झारखंड की झोली में 2 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल आए। 5 किलोमीटर स्क्रेच रेस प्रतिस्पर्धा में वूमन सब जूनियर श्रेणी में झारखंड की मिनी हेंब्रम ने पहला स्थान लाकर गोल्ड जीता।

जबकि झारखंड की ही अनीता उरांव ने सिल्वर और असम की बिस्मिता सारमाह ने ब्रॉन्ज अपने नाम किया। व्यक्तिगत टाइम ट्रायल 500 मीटर वूमन एलिट में ओड़िशा की वर्षा रानी बारिक ने गोल्ड, ओड़िशा की ही उर्मिला बेहेरा ने सिल्वर और झारखंड की पूर्णिमा कुमारी मंडल ने ब्रॉन्ज पदक जीता। इसके बाद इसी प्रतियोगिता के वुमन सब-जूनियर श्रेणी में असम की देवी ने 43.085 सेकेंड में रेस जीतकर गोल्ड अपने नाम किया।

वहीं, झारखंड की मिनी हेंब्रम ने दूसरे स्थान पर रहकर सिल्वर और आंध्रप्रदेश की पीसा यागू ने ब्रॉन्ज हासिल किया। वूमन जूनियर श्रेणी में झारखंड की सबिना को गोल्ड, उत्तरप्रदेश की आकांक्षा वर्मा को सिल्वर और झारखंड की सिंधुलता हेंब्रम को ब्रॉन्ज मिला।

प्रतियोगिता में झारखंड के अलावा पूर्वी जोन ईस्ट जोन बिहार, बंगाल, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों की महिला खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

सही जानकारी देना 'गंदी बात' नहीं

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में शुरू हुई सेक्स एजुकेशन, किस उम्र के बच्चे को कैसे करें गाइड

रायपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। साल 2023 में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी अभिनीत एक मूवी आई थी, 'ओएमजी-2'। इस मूवी में कांति शरण मुदगल (पंकज त्रिपाठी) का एक डायलॉग है, 'सेक्स एजुकेशन विज्ञान है, जो सेक्स से संबंधित सही-गलत, उचित-अनुचित का ज्ञान देता है। अगर स्कूल मेरे बच्चे को यह सिखाता तो आज वो हंसी का पात्र नहीं बनता।' मूवी का यह डायलॉग अब गुजरे जमाने की बात है। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में बच्चों को इसी सत्र से सेक्स एजुकेशन देने की शुरुआत की गई है। क्लास में बच्चों को गुड और बैड टच समेत शरीर के पार्ट्स, लैंगिक अपराध क्या है, इसे लेकर जानकारी दी जा रही है। मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा कार्यक्रम के तहत यह अभियान स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में चलाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग खुद डीपीआई (लोक शिक्षण संचालनालय) के अधिकारी कर रहे हैं। अफसरों के मुताबिक, प्राचार्यों की मॉनिटरिंग में छात्रों को शिक्षा दी जा रही है। इसकी मंथली रिपोर्ट भी जिला शिक्षा कार्यालय भेजी जा रही। यौन शिक्षा क्या है? इसे किस तरह बच्चों को पढ़ाया और सिखाया जा रहा है? इसके लिए सरकार को अलग टीम बनाने की जरूरत क्यों पड़ी? इसे लेकर टीचर, काउंसलर और शिक्षाविद क्या सोचते हैं? रायपुर में एक सरकारी स्कूल के हेड मास्टर ने कार में लिफ्ट देने के बहाने कक्षा 4 की छात्रा से छेड़खानी की। परिजनों को पता चला तो मोहल्ले वालों के साथ मिलकर उन्होंने स्कूल में जमकर हंगामा किया। मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जांच बैठाई और छेड़खानी करने वाले हेड मास्टर के खिलाफ एक्शन लिया। रायपुर में चार साल की बच्ची से पड़ोस में रहने वाले नाबालिग आरोपी ने छेड़खानी की। बच्ची को नहलाते हुए मां को जब निशान दिखा, तो पूरी घटना का पता चला। मामले में परिजनों ने हंगामा किया और मामला थाना तक पहुंचा। पुलिस ने एक्शन लिया, लेकिन लोक-लाज के डर से दोनों परिवार ने समझौता कर लिया।

मिसाइल, केमिकल हथियार, परमाणु सीक्रेट

अमेरिका के दुश्मनों की ताकत बना उत्तर कोरिया, ईरान को मजबूत कर रहे किम जोंग

प्योंगयांग, 11 अगस्त (एजेंसियां)। परमाणु हथियारों को लेकर पागल उत्तर कोरिया अमेरिका और पश्चिमी देशों के दुश्मनों की ताकत बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया ईरान और उसके खून के प्यासे प्रॉक्सी को हथियारों से लैस कर रहा है। यह दिखाता है कि उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों का कोई असर नहीं हो रहा। एक एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान को तेजी से हथियारों की सप्लाई इसलिए नहीं कर पा रहा क्योंकि वह इनका प्रोडक्शन ही तेजी से नहीं कर पा रहे हैं। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक सिडनी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जस्टिन हेस्टिंग्स ने कहा कि अगर ईरान हथियार खरीद रहा था तो उत्तर कोरिया उसे बेच रहा था।

हेस्टिंग्स ने कहा कि उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंध अब सिर्फ कागज पर मौजूद है, क्योंकि रूस और चीन अब सहयोग नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के लिए यह कोई समस्या नहीं है कि अगर ईरान हथियारों को हिजबुल्ला और हूती विद्रोहियों को सौंप दे। उत्तर कोरिया बस अमेरिका और दक्षिण कोरिया के दुश्मनों को हथियार बेचकर मजबूत करना चाहता है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि इससे भी बड़ा कारण है कि उन्हें पैसों की जरूरत है। आप सोच सकते हैं कि ईरान उत्तर कोरिया से और अधिक धन लेने में दिलचस्पी रख सकता है।'

उन्होंने कहा कि अब तस्करी की जगह उत्तर कोरिया के लिए सीधे व्यापार करना आसान हो रहा है। क्योंकि अब प्रतिबंधों का दबाव कम हो रहा है, जिस कारण वह व्यापार करने को अधिक सुरक्षित मान रहे हैं। उन्होंने कहा, 'उत्तर कोरिया अब सीधे चीन के माध्यम से या रूस के माध्यम से ईरान को हथियार भेज सकता है। कोई भी मूल रूप से इस पर ध्यान नहीं देगा कि वे यहां कैसे पहुंच रहे हैं।' एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर कोरिया की उत्पादन क्षमता ही उसे तेजी से हथियारों की सप्लाई में बाधा ला सकती है।

हमास के पास उत्तर कोरिया के हथियार

वॉइस ऑफ अमेरिका कोरियाई के मुताबिक हमास ने 7 अक्टूबर के आतंकी हमले में उत्तर कोरिया की आरपीजी का इस्तेमाल किया था। आईडीएफ की ओर से जारी की गई तस्वीरों से पता चलता है कि इजरायल ने जिन हथियारों को हमास के ठिकानों से पाया उसमें कोरियाई भाषा में लिखा हुआ था। तब से इजरायल को हमास के पास से हजारों हथियार मिले हैं, जिन्हें उत्तर कोरिया ने सप्लाई किया था। यूएन के प्रतिबंधों के कारण उत्तर कोरिया पर हथियारों की बिक्री का प्रतिबंध है। लेकिन दशकों से इसमे ईरान के साथ मिसाइल सीक्रेट्स का व्यापार किया है। इसके अलावा कथित तौर पर उत्तर कोरिया ने केमिकल हथियार के पुरजे और हथियारों को बनाने की विशेषज्ञता दी है।

हसीना बोलीं- बांग्लादेशियों की जान बचाने के लिए इस्तीफा दिया

कहा– अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप दे देती तो सत्ता नहीं जाती, मैं बांग्लादेश लौटूंगी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के 6 दिन बाद शेख हसीना ने कहा है कि अमेरिका को सेंट मार्टिन आइलैंड न देने की वजह से उनकी सरकार गिराई गई है। हसीना ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा, मैं कट्टरपंथियों की हिंसा में मरने वालों की संख्या को बढ़ने नहीं देना चाहती थी। वे छात्रों के शवों के जरिए सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पद छोड़कर ऐसा नहीं होने दिया।

हसीना ने कहा, मैं सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी को अमेरिकी कंट्रोल में देकर अपनी कुर्सी बचा सकती थी। मैं देशवासियों से अपील करती हूं कि वे कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं। अल्लाह की कृपा से मैं बांग्लादेश जल्द लौटूंगी। छात्रों के आंदोलन पर बात करते हुए हसीना ने कहा, मैंने कभी उन्हें रजाकार नहीं बुलाया। देश में अस्थिरता लाने के लिए मेरे शब्दों को गलत तरह से पेश किया गया। बांग्लादेश की जनता की मासूमियत का फायदा उठाते हुए यह साजिश रची गई है। इस्तीफे के बाद यह पहला मौका है जब हसीना का इस मामले में कोई बयान सामने आया है। इससे पहले जून 2021 में बांग्ला अखबारों में दावा किया गया था कि अमेरिका, बांग्लादेश से सेंट मार्टिन द्वीप की मांग कर रहा है। वह यहां मिलिट्री बेस बनाना चाहता है। इसके बाद बांग्लादेश वर्कर्स पार्टी के अध्यक्ष रशीद खान मेनन ने भी संसद में कहा कि अमेरिका सेंट मार्टिन द्वीप हासिल करना चाहता है और क्वाड का मेंबर बनने के लिए दबाव बना रहा है। सेंट मार्टिन द्वीप जिसे लेकर बांग्लादेश की राजनीति में इतना हंगामा मचा वह सिर्फ 3 वर्ग किमी का एक द्वीप है। म्यांमार से इसकी दूरी सिर्फ 5 मील है। जून 2023 को पीएम हसीना ने कहा था कि विपक्षी बीएनपी पार्टी अगर सत्ता में आई तो वे सेंट मार्टिन बेच देंगे। बांग्लादेश में हिंसा के बीच हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले के अबतक 205 मामले सामने आ चुके हैं। शनिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हेड मुहम्मद यूनुस ने इसकी निंदा की। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यकों पर हमले करना जघन्य अपराध है। बांग्लादेश में रह रहे हिंदू, ईसाई और बौद्ध समुदाय के लोगों की रक्षा करना देश के युवा वर्ग का फर्ज है। बांग्लादेश की बेगम रोकेया यूनिवर्सिटी को संबोधित करते हुए यूनुस ने कहा, छात्रों ने इस देश को बचाया है। क्या वे अल्पसंख्यकों की रक्षा नहीं कर सकते। वे भी हमारे देश के नागरिक हैं। हमें साथ मिलकर रहना होगा। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश अब युवाओं के हाथ में है। बांग्लादेशी मीडिया डेली स्टार के मुताबिक, शनिवार को हजारों हिंदू प्रदर्शनकारियों ने ढाका और चिटगांव में सड़कें जाम कीं। उन्होंने अपने घरों, दुकानों और मंदिरों पर हो रहे हमलों का विरोध किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'हिंदुओं की रक्षा करो', 'हमें इंसाफ चाहिए' और 'देश सभी नागरिकों का है' जैसे नारे भी लगाए। उन्होंने पूछा कि हिंदुओं के घर और मंदिर क्यों लूटे जा रहे हैं?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना के इस्तीफे के बाद उनकी पार्टी अवामी लीग के 2 हिंदू नेताओं की हत्या की जा चुकी है। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने हिंदुओं पर हमले रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए एक अलग मंत्रालय की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि उन्हें बांग्लादेश की संसद में 10% सीटें दी जानी चाहिए।

ताइवान के रक्षा क्षेत्र में घुसे चीनी विमान

ताइपे ने कहा– स्थिति के अनुसार जवाबी कार्रवाई करेंगे

ताइपे, 11 अगस्त (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि शनिवार की सुबह छह बजे से रविवार की सुबह छह बजे तक आठ चीनी सैन्य विमान, आठ नौसैनिक जहाज और तीन विमान उनके वायु रक्षा पहचान क्षेत्र घुस गए। आठ में से तीन विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य के मध्य रेखा को पार करते हुए ताइवान के दक्षिणपूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। एमएनडी ने कहा कि वे चीन की गतिविधियों पर नजर बनाकर रखे हैं और स्थिति के अनुसार जवाबी कार्रवाई करेंगे। हालांकि, ताइवान ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए क्षेत्र में विमान और नौसैनिक जहाज भेज दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए ताइवान के एमएनडी ने कहा, आज सुबह छह बजे तक ताइवान के क्षेत्र में आठ पीएलए और आठ पीएलएएल का पता लगाया गया।

एफ-35 के लिए पाकिस्तान को रूसी एस-400 सिस्टम बेचेगा तुर्की?

एर्दोगन के खास के बयान से सनसनी

अंकारा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। तुर्की के एक ताकतवर राजनेता और पूर्व मंत्री कैविट कैगलर ने कहा है कि उनका देश रूस से खरीदे गए एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल सिस्टम को बेच सकता है। कैगलर ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया है, लेकिन माना जा रहा है कि तुर्की इसे पाकिस्तान को बेच सकता है। इसके बदले उसे अमेरिका के एफ-35 प्रोग्राम में एंट्री मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि तुर्की ऐसा इसलिए करेगा, क्योंकि वह एस-400 के बिना अपनी स्वदेशी मल्टी लेयर एयर डिफेंस सिस्टम को विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाल ही में, तुर्की ने एक अत्याधुनिक, स्वदेशी रूप से विकसित मल्टी लेयर एयर डिफेंस सिस्टम की योजना की घोषणा की, जिसे 'स्टील डोम' कहा जाता है। इस ऐलान के बाद माना जा रहा है कि नाटो सदस्य तुर्की रूस के एस-400 मिसाइल सिस्टम से दूरी बना सकता है। तुर्की ने रूस से लगभग पांच साल पहले एस-400 मिसाइल सिस्टम की खरीद की थी। लेकिन, अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण उसे सक्रिय या चालू नहीं किया है। यह सिस्टम तुर्की के गोदाम में धूल फांक रहा है। इस कारण अमेरिका ने तुर्की को एफ-35 प्रोग्राम से बाहर कर दिया था और उसकी डिफेंस इंडस्ट्रीज पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगा दिए थे। दिसंबर 2023 में, तुर्की के रक्षा मंत्री यासर गुलर ने स्पष्ट किया था कि रूस से खरीदी गई एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली सेना के भंडार में रहेगी और आवश्यकतानुसार इसका उपयोग किया जाएगा। रूस से तुर्की के एस-400 मिसाइस सिस्टम की खरीद ने कई सवाल खड़े किए थे। तुर्की नाटो सदस्य देश है, जिसके अमेरिका के साथ मजबूत सैन्य संबंध हैं। नाटो का गठन ही रूस के खिलाफ किया गया है। ऐसे में रूस से उसके एयर डिफेंस को खरीदना और उसे तैनात करना बाकी सदस्य देशों, खासकर अमेरिका को चिढ़ाने जैसा था। अमेरिका का मानना था कि रूस में बना एस-400 मिसाइल सिस्टम उसके एफ-35 प्रोग्राम को खतरे में डाल देगा, जिसका तुर्की एक महत्वपूर्ण सदस्य था। हालांकि, अमेरिका की कई चेतावनियों के बावजूद तुर्की ने 2017 में 2017 में रूस के साथ एस-400 खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए और दो साल बाद डिलीवरी भी प्राप्त की। 2019 में एस-400 की डिलीवरी होते ही अमेरिका ने तुर्की के डिफेंस सेक्टर पर प्रतिबंध लगा दिया और तुर्की को एफ-35 प्रोग्राम से हटा दिया। तुर्की ने भी दुनिया के सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले एफ-35 लड़ाकू विमान की जगह रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को चुना, जो दुनिया के चुनिंदा देशों के पास ही है।

हालांकि, खरीद में दिखाई गई जल्दीबाजी के बावजूद तुर्की ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को अभी तक तैनात नहीं किया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तुर्की ने अमेरिका के और अधिक प्रतिबंधों के खतरे और भविष्य में अपनी हवाई शक्ति को बढ़ाने में उसके सहयोग को देखते हुए एस-400 को अपने मिसाइल डिफेंस नेटवर्क में शामिल नहीं किया है। पूर्व मंत्री कैविट कैगलर ने एक इंटरव्यू में कहा है कि तुर्की को एस-400 को किसी तीसरे देश को बेचकर इससे छुटकारा पा लेना चाहिए।

यूक्रेन ने रूस के कई गांवों पर कब्जा किया

11 टैंकों के साथ घुसे 1 हजार यूक्रेनी सैनिक, 76 हजार लोगों ने घर छोड़े

कीव, 11 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच ढाई साल से जारी जंग के बीच अब यूक्रेन ने रूस में घुसकर हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेनी सेना रूस की सीमा के 10 किमी अंदर तक पहुंच गई है। टास न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रूसी प्रांत कुर्स्क के गवर्नर एलेक्सी स्मनोंव ने बताया कि हमलों को देखते हुए 76 हजार लोग घर छोड़ कर जा चुके हैं। बीबीसी के मुताबिक, यूक्रेन के 1 हजार से ज्यादा सैनिक, 20 बख्तरबंद गाड़ियां और 11 टैंक रूस में मौजूद हैं। उन्होंने कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। उनका अगला टारगेट सुद्जा शहर बताया जा रहा है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत के बाद से यूक्रेन की तरफ यह अब तक का सबसे बड़ा पलटवार है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में रूस के ओक्टाब्रास्को शहर में 15 सैन्य वाहनों का काफिला क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है। यह शहर रूसी सीमा से करीब 38 किमी दूर है। बीबीसी ने इस वीडियो की पुष्टि की है। हमलों को देखते हुए रूस ने कुर्स्क में कई टैंक और रॉकेट लॉन्चर भेजे हैं। वहीं रूस के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को पहली बार रूस पर हमले की बात कबूली है। जेलेंस्की ने कहा, हमारी सेना जंग को रूस की जमीन पर लेकर जा रही है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे इंसाफ बहाल करते हुए हमलावरों पर जरूरी दबाव डालने में सक्षम हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सैनिकों का शुक्रिया अदा भी किया। यूक्रेनी हमले की वजह से कुर्स्क प्रांत के न्यूक्लियर पावर प्लांट पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, यह प्लांट सुद्जा शहर से करीब 60 किमी दूर है। इस बीच इंटरनेशनल अटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के चीफ राफेल ग्रॉसी ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने दोनों देशों से सावधानी बरतने की अपील की है, जिससे परमाणु दुर्घटना को रोका जा सके। इससे पहले 8 अगस्त को यूक्रेनी सैनिकों के घुसने के बाद कुर्स्क-ओब्लास्त प्रांत में इमरजेंसी लगा दी गई थी। यूक्रेन ने रूस के लिपेत्स्क प्रांत में बॉर्डर से 300 किमी दूर एक एयरफील्ड को भी ड्रोन के जरिए निशाना बनाया था।

सऊदी को खतरनाक हथियार दे सकेगा अमेरिका

3 साल से लगा बैन हटाया, यमन में मासूमों के खिलाफ इस्तेमाल के चलते लगा था प्रतिबंध

वाशिंगटन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में बाइडेन सरकार ने सऊदी अरब को खतरनाक हथियार बेचने पर लगे बैन को हटा दिया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका सऊदी को हवा से जमीन पर हमला करने वाले हथियार ट्रांसफर कर रहा है। इसी को देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने प्रतिबंध हटाया है।

दरअसल, साल 2021 में यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी के युद्ध में आम नागरिकों की मौत हो रही थी। इसका विरोध करने के लिए अमेरिका ने उस पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बाद 2022 में यूएन की मध्यस्थता से यमन और सऊदी में समझौता हो गया। इसके बाद सऊदी ने वहां एयरस्ट्राइक करना बंद कर दिया।

अमेरिकी अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि सऊदी ने अपने हिस्से की डील पूरी की है और अब हम अपना वादा निभाएंगे। अमेरिकी कानून के मुताबिक, किसी भी देश को बड़े हथियार सप्लाई करने से पहले संसद से मंजूरी लेनी पड़ती है। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों पार्टी के नेताओं यमन में मानवाधिकारों के उल्लंघन का मुद्दा उठाकर कई बार सऊदी को हथियार सप्लाई करने पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, इजराइल और हमास में जंग की शुरुआत के बाद यह विरोध कम हो गया है। पिछले साल अप्रैल में सऊदी अरब और हूतियों के बीच सीजफायर समझौता हुआ था। अलजजीरा के मुताबिक, सऊदी और ओमान के डेलीगेशन ने यमन के सबसे ज्यादा हिस्से में कब्जा करने वाले हूती विद्रोहियों के हेड मेहदी अल मशत से मुलाकात की थी। दोनों पक्षों ने यमन में शांति स्थापित करने पर जोर दिया था।

बीबीसी के मुताबिक, समझौते में तय हुआ था कि 9 साल तक चली जंग के बाद मिलकर यमन को नए सिरे से खड़ा किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों को वेतन दिया जाएगा।

देश की अर्थव्यवस्था का पटरी पर लाना हमारा लक्ष्य

बोले अंतरिम वित्त सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद

ढाका, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सियासी उथल-पुथल के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो गया। इस सरकार का मुख्य काम देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर वापस लाना है। वित्त और योजना सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने कहा कि अंतरिम सरकार की प्राथमिकता केंद्रीय बैंक का कामकाज फिर से शुरू करते हुए बैंकों में आम लोगों का विश्वास बहाल करना है। बता दें कि अहमद बांग्लादेश के पूर्व बैंक गवर्नर थे, उन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में वित्त और योजना सलाहकार बनाया गया है।

पदभार संभालने के बाद सालेहुद्दीन अहमद ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, हम सुधार लाने पर काम करेंगे। कई कारणों से देश की अर्धव्यवस्था धीमी पड़ गई है। हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना है। एक बार जब अर्थव्यवस्था रुक जाती है तब इसे दोबारा शुरू करना मुश्किल होता है। हम नहीं चाहते हैं कि इसमें रुकावट आए। अर्थव्यवस्था में कई तरह की समस्याएं हैं। बैंकिंग क्षेत्र, मुद्रास्फीति और कई अन्य मुद्दे हैं। हमें सभी मुद्दों पर काम करना होगा। अहमद ने कहा, उन्हें देश के महत्वपूर्ण समय पर अहम जिम्मेदारी दी गई है। इस समय, यह केवल कानून व्यवस्था या सुरक्षा उपायों के बारे में नहीं है, बैंक खोलना, बंदरगाहों को चालू रखना, इन सब में समान महत्व देने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि अंतरिम सरकार समान और न्याय-आधारित समाज बनाने के साथ महंगाई को कम कर आय में वृद्धि सुनिश्चित करना चाहती है। बता दें कि शुक्रवार को बांग्लादेश बैंक के गवर्नर अब्दुर रउफ तालुकदार ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। शेख हसीना की सरकार के पतन के पांच दिन बाद ही मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। बांग्लादेश में 1971 में देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रतता सेनानियों के लिए तय किए आरक्षण के खिलाफ जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए और छात्रों द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की जाने लगी। ये विरोध प्रदर्शन इतने हिंसक हो गए कि पांच अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। वहीं बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हो चुका है।

हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के विरोध में टोरंटो में प्रदर्शन

पीड़ितों के लिए न्याय की मांग

टोरंटो, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हुई हिंसा के विरोध में रविवार को कनाडा के टोरंटो शहर में प्रदर्शन हुआ। हिंसा के विरोध में एकजुटता दिखाते हुए हिंदू, ईसाई, बौद्ध और यहूदी समुदायों के हजारों लोग एकत्र हुए। टोरंटो के डाउनटाउन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में लोगों को 'हम न्याय चाहते हैं' के नारे लगाते देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने कनाडा सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। प्रदर्शनकारियों में एक ने अफसोस जताते हुए कहा कि उन्होंने टोरंटो में बांग्लादेशी मस्जिदों को ई-मेल भी भेजे थे। लेकिन उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है। उन्होंने कहा, हमने टोरंटो में बांग्लादेशी मस्जिदों को ई-मेल भेजे हैं। अब तक, हमने उनसे कोई प्रतिक्रिया नहीं सुनी है। हम इंतजार करेंगे। शायद वे सप्ताहांत के कारण व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने भाइयों के साथ खड़े हैं। प्रदर्शनकारी ने आगे कहा कि विभिन्न समुदायों के लोग अभूतपूर्व संख्या में एकत्र हुए हैं, जो एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, अगर वे भी एकजुटता में खड़े होते तो हमें अच्छा लगता। विभिन्न समुदायों के लोग यहां अभूतपूर्व संख्या में हैं, जो एक अच्छा संकेत है। निराश करने वाली बात यह है कि उनकी कनाडा की राजनीति में भी भागीदारी है। लेकिन ई-मेल, ट्वीट और कॉल के बाद भी वे हमारी बात नहीं सुन रहे हैं।

विभिन्न समुदायों के नेताओं ने भी हिंदुओं पर हमलों पर अपनी चिंता जताई। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरुवार को एक्स पर एक संदेश में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सरक्षण का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को नया कार्यभार संभालने पर मेरी ओर से शुभकामनाएं। हम हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जल्द सामान्य स्थिति में लौटने की उम्मीद करते हैं। भारत शांति, सुरक्षा, विकास और दोनों देशों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रम्प के चुनावी कैंपेन पर ईरानी हैकरों का अटैक

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार वेंस से जुड़ी जानकारियां चुराईं, राष्ट्रपति चुनाव में साजिश का आरोप

वाशिंगटन, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कैंपेन (चुनावी टीम) ने दावा किया है कि उनकी अंदरूनी बातचीत, प्लानिंग से जुड़ी जानकारियां और दस्तावेजों को हैक किया गया है। कैंपेन के मुताबिक हैंकिग की इस घटना को ईरानी हैकरों ने अंजाम दिया है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट पॉलिटिको ने शनिवार को बताया कि उसे ट्रम्प के प्रचार कार्यक्रम से जुड़े निजी दस्तावेज ईमेल के जरिए भेजे गए हैं। इनमें रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार वेंस के बारे में की गई पार्टी की रिसर्च से जुड़ी हुई जानकारियां भी शामिल हैं। न्यूज बेवसाइट बीबीसी को ट्रम्प के कैंपेन से जुड़े एक प्रवक्ता ने बताया कि इन दस्तावेजों को अमेरिका के दुश्मन देश ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने के मकसद से चुराया है। न्यूज वेबसाइट पॉलिटिको ने इन दस्तावेजों को वेरीफाई करने का दावा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प की पार्टी से प्रवक्ता जुड़े स्टीवन चेयुंग ने कहा कि ईरान ट्रम्प को दोबारा राष्ट्रपति बनने से रोकना चाहता है। स्टीवन के मुताबिक अगर ट्रम्प सत्ता में वापस आते हैं तो ईरान की आतंकी गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जैसे उन्होंने पिछले कार्यकाल में किया था।

सैयद रेफत अहमद बने बांग्लादेश के नए मुख्य न्यायाधीश

राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने दिलाई शपथ

ढाका, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के कुछ ही दिन बाद मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने पद से इस्तीफा दे दिया था। अब शीर्ष जज सैयद रेफत अहमद को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को हसन और अन्य पांच जजों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बता दें कि बांग्लादेश में 1971 में देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के लिए तय किए आरक्षण के खिलाफ जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गए और छात्रों द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की जाने लगी। ये विरोध प्रदर्शन इतने हिंसक हो गए कि पांच अगस्त को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपने पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। ओबैदुल हसन ने अपना इस्तीफा तब दिया, जब प्रदर्शनकारी सुप्रीम कोर्ट के परिसर में जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें और अन्य न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक अपना इस्तीफा सौंपने को कहा। सैयद रेफत अहमद ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास के दरबार हॉल में एक समारोह के दौरान नए मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लीं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अहमद को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन ने किया। इस समारोह में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। बता दें कि मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर शपथ ली। अंतरिम सरकार की देखरेख में ही अगले कुछ महीनों में चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। देश में सियासी उथल पुथल और प्रदर्शन को देखते हुए बांग्लादेश में ढाका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. मकसूद कमाल और बांग्ला अकादमी के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. एमडी हारुन-उर-रशीद अस्करी सहित कई शीर्ष अधिकारियों ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

बीजेपी विधायक बालमुकुंदाचार्य बोले

संशोधन समय की जरुरत, वक्फ बोर्ड के नाम पर धांधली चल रही है

झुंझुनूं, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी के हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक बालमुकुंदाचार्य ने वक्फ बोर्ड पर जमकर निशाना साधा है. एक दिवसीय दौरे पर झुंझुनूं आए बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि कांग्रेस ने वक्फ कानून में कई विसंगतियां और कमियां छोड़ी हैं. उन्हें संशोधित करना जरूरी है. समय के अनुसार परिवर्तन जरूरी है और वो ही केंद्र सरकार कर रही है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह भी सच है कि वक्फ बोर्ड के नाम पर पूरे देश में लैंड जेहाद चल रहा है.

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बालमुकुंदाचार्य ने वक्फ बोर्ड पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि वक्फ

बोर्ड जमीनों पर कब्जा करने का काम कर रहा है. आज पूरे भारत में मनचाही जगह पर बोर्ड लगाकर उस पर वक्फ बोर्ड लिख दिया जाता है. यह सही नहीं है. उन्होंने सवाल उठाया कि आखिरकार वक्फ बोर्ड को इतनी जमीनों की आवश्यकता क्यों पड़ गई है? वक्फ बोर्ड ने नाम से अलग कोर्ट बना रखा है. अलग नियम-कायदे बना रखे हैं.

हिंदूओं को अपने आराध्य देवी-देवताओं के लिए कोर्ट जाना पड़ता है

बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि कांग्रेस ने ऐसा कानून बना दिया कि बिना नोटिस दिए किसी भी सरकारी, गैर सरकारी, व्यक्तिगत जमीन पर बोर्ड लगाकर कब्जे किए जा रहे हैं. चारों ओर जमीनें कब्जाई जा रही है. इसलिए परिवर्तन की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि एक तरफ सनातनी हिंदूओं को अपने आराध्य देवी-देवताओं के लिए कोर्ट जाना पड़ता है और दूसरी तरफ वक्फ बोर्ड के नाम पर धांधली चल रही है.

जमीनें स्कूलों और दुकान वालों को किराए पर दे दी

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड ने उनके विधानसभा क्षेत्र हवामहल में 100-200 मुस्लिम परिवार समेत अन्य सैंकड़ों परिवारों को वक्फ बोर्ड की जमीन का हवाला देकर बेदखल कर दिया. फिर उन जमीनों की बंदरबांट कर ली. स्कूलों और दुकान वालों को किराए पर दे दी.

बोर्ड के सदस्यों ने पट्टे बना लिए. इसलिए वक्फ कानून में संशोधन महत्ती आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि पहले केंद्र में संशोधित कानून पास हो जाए. फिर राजस्थान में भी इसमें आवश्यक संशोधन की जरूरत पड़ी तो किया जाएगा.

भारी बारिश से तबाही, पोखर की पाल टूटी, 7 बच्चों की मौत

भरतपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भारी बारिश ने आज कर बरपा ही दिया. भरतपुर में एक पोखर की मिट्टी की पाल टूट जाने से 8 बच्चे पानी के साथ बह गए. उनमें से सात की मौत हो गई है.

वहीं एक बच्चे को बचा लिया गया. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया. मौके पर राहत कार्य जारी हैं. बच्चों के शवों को स्थानीय अस्पताल लाया गया है. हादसे के शिकार हुए बच्चों के परिजन बदहवास हो गए हैं. ग्रामीण उनको ढांढस बंधाने में लगे हैं. वहीं जयपुर में भी बारिश ने कहर ढा रखा है.

जानकारी के अनुसार भरतपुर जिले में यह हादसा बयाना इलाके के फरसो गांव में दोपहर में हुआ. वहां भारी बारिश के चलते पोखर के चारों तरफ बनी मिट्टी की एक पाल पानी के प्रेशर से टूट गई. यह पोखर बाणगंगा नदी के किनारे स्थित है. उस समय कुछ बच्चे वहां खड़े थे. पोखर की पाल ढहते ही उसमें से बेशुमार पानी निकला. इस वहां खड़े बच्चों में से आठ पानी में बह गए. ग्रामीणों को जैसे ही इसका पता चला तो वे वहां पहुंचे.

एक के बाद एक सात बच्चों के शव मिले

उन्होंने पानी में बच्चों को तलाशना शुरू किया और पुलिस प्रशासन को सूचित किया. सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और रेस्क्यू टीमें वहां पहुंची. लेकिन जब तक ग्रामीण और रेस्क्यू टीमें बच्चों को ढूंढ पाती तब तक सात बच्चे पानी में डूबकर मौत की आगोश में समा चुके थे. बच्चों की मौत की खबर फैलते ही उनके परिजनों में कोहराम मच गया. वहीं पूरे गांव में मातम पसर गया.

मेंटल हेल्थ को लेकर शिक्षा मंत्री दिलावर ने जताई चिंता

बोले- भारत में प्रति एक लाख पर 0.75 मनोचिकित्सक

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी के तत्वावधान में एक होटल में कार्यशाला का आयोजन किया गया। मनोचिकित्सकों के लिए आयोजित क्लीनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया। वर्तमान में मनोविकारों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश की जनसंख्या के सापेक्ष मनोचिकित्सकों की संख्या बेहद कम है। प्रति एक लाख पर भारत में 0.75 मनोचिकित्सक ही है। इस कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित होते हुए भी बहुत से लोग इलाज नहीं करवा पाते। कार्यशाला में डॉ. शिव गौतम को भारतीय मनोचिकित्सा परिषद का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष क्लीनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स 'मनोव्याधियों में बेहतर अनुभूति के लिए आंकलन व उपचार' विषय पर बनाई जा रही है। कार्यशाला में 50 से अधिक चिकित्सकों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। डॉ. अमृत पत्तोंजोशी, डॉ. विहांग वाहिया, डॉ. देबादत्त महापात्रा, डॉ. संदीप ग्रोवर व डॉ. अलीम सिद्दीकी सहित देश के अन्य शहरों से आए मनोचिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. अनिता गौतम ने बताया कि देशभर के चिकित्सकों ने इस कार्यशाला में भाग लेकर अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। सभी पर विचार विमर्श एवं मंथन के बाद जो निष्कर्ष निकलेगा, उसकी पुस्तक देशभर के मनोचित्सकों को इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ साइकाइट्री के परिशिष्ट के रूप में भेजी जाएगी।

एक कॉल सेंटर, 14 लड़के और 4 लड़कियां, 29 लैपटॉप 40 मोबाइल, देखकर दंग रह गई पुलिस

अजमेर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर पुलिस ने विदेशी लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले कॉल सेंटर पर छापा मारकर बड़ा खुलासा किया है. पुलिस ने कॉल सेंटर पर दबिश देकर 4 लड़कियों सहित 18 लोगों को हिरासत में लिया है. पुलिस ने इनसे 29 लैपटॉप और 40 मोबाइल के साथ ही अन्य एसेसरीज भी जब्त की है. इसे पूरे प्रकरण को लेकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वे किस तरह से विदेशी लोगों को कॉल कर उनसे ठगी की वारदात कर रहे थे.

अजमेर एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि इस कॉल सेंटर को लेकर उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि वहां ठगी का

कारोबार किया जाता है. इसक पर साइबर टीम के साथ क्रिश्चनगंज थाना पुलिस को अतिरिक्त जाब्ते के साथ शुक्रवार को मौके पर भेजा गया. वहां एक होटल में पहले दबिश देकर सभी को पकड़ा गया. इसके बाद फाई सागर रोड स्थित संजय पैलेस में संचालित होने वाले कॉल सेंटर पर पहुंचकर जांच की गई. वहां 29 लैपटॉप 40 मोबाइल और अन्य एसेसरीज के साथ ही कई दूसरी सामग्री जब्त की गई.

पुलिस सभी के पुराने रिकॉर्ड को खंगाल रही है

पकड़े गए लड़के और लड़कियां यूएस के लोगों को कॉल कर ठगी की वारदात को अंजाम देने का काम करते हैं. इसमें और कौन-कौन शामिल हैं इसे लेकर जानकारी जुटाई जा रही है. पकड़े गए सभी आरोपी भारत की अलग-अलग राज्यों के रहने वाले हैं. उन्होंने jobs.com पर जॉब अप्लाई किया था. उसके बाद इन्हें काम पर रखा गया था. पुलिस इन सभी के पुराने रिकॉर्ड को खंगाल रही है.

पकड़े गए सभी आरोपी आईटी सेक्टर में एक्सपर्ट हैं

यह सभी आईटी सेक्टर में एक्सपर्ट हैं. उनकी ट्रेनिंग के बाद ही इस कॉल सेंटर में उनकी भर्ती की गई है. उन्होंने कहा कि संभव है कि सामान की डिलीवरी गलत होने या फिर किसी भी प्रकार की समस्या पर कॉल करने के दौरान कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मचारी उनसे संपर्क करते हैं और फिर वारदात को अंजाम देते हैं. पहले भी ठगी की ऐसी शिकायतें सामने आई है.

आरोपियों का विदेश से भी कोई इसका संपर्क हो सकता है

फिलहाल इस पूरे प्रकरण को लेकर गहनता से पड़ताल की जा रही है. एसपी ने बताया कि इस कॉल सेंटर में और भी आरोपी शामिल हो सकते हैं. इनका विदेश से भी कोई इसका संपर्क हो सकता है. इन सभी पहलुओं को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है.

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

लंबे समय से थे बीमार; पहली बार भरतपुर से सांसद बने थे

भरतपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह का शनिवार रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 93 वर्ष के थे। उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उन्हें पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती किया गया था। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक उनके बेटे अस्पताल में हैं और उनके परिवार के कई अन्य सदस्य अंतिम संस्कार के लिए रविवार को दिल्ली आ रहे हैं।

के. नटवर सिंह ने 2004-05 के दौरान मनमोहन सरकार में भारत के विदेश मंत्री के रूप में सेवा दी थी। इस दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह थे। उन्होंने पाकिस्तान में राजदूत के रूप में भी कार्य किया और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े रहे।

भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से देश के विदेश मंत्री तक के औहदे पर पहुंचने वाले नटवर सिंह राजस्थान के भरतपुर जिले के रहने वाले थे। नटवर सिंह की प्रारंभिक शिक्षा अजमेर के मेयो कॉलेज से हुई थी। इसके बाद उन्होंने ग्वालियर के सिंधिया कॉलेज से पढ़ाई की, साथ ही इनकी उच्च शिक्षा सेंट स्टीफंस कॉलेज से हुई। बाद में उन्होंने इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। इनके पिता भरतपुर के पूर्व राजपरिवार में अहम पद पर कार्यरत थे।

वर्ष 1984 में जीता था पहला चुनाव

1953 में नटवर सिंह को भारतीय विदेश सेवा (IFS) के लिए चुना गया और 31 साल तक उन्होंने सेवाएं दीं। उन्होंने चीन, न्यूयॉर्क, पोलैंड, इंग्लैंड, पाकिस्तान, जमैका और जाम्बिया सहित कई देशों में सेवा की। इंदिरा गांधी के निधन के बाद नटवर सिंह ने 1984 में विदेश सेवा से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के टिकट पर भरतपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीता। इसके बाद उन्हें राज्यमंत्री का पद मिला।

नटवर सिंह के गांव जघीना में शोक की लहर

मूलतः भरतपुर जिले के जघीना गांव नटवर सिंह की मौत की खबर सुनकर पूरे गांव में शोक की लहर है। जघीना गांव के निवासी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि, 'नटवर सिंह को इस गांव से बहुत लगाव था। उन्होंने इस गांव के लिए बहुत कुछ किया। वह मिलनसार हंसमुख स्वभाव के थे। जब भी गांव का कोई व्यक्ति उनके पास काम लेकर के जाता था तो वह कभी खाली हाथ नहीं लौटा।'

लक्ष्मण सिंह ने बताया कि, 'नटवर सिंह की इच्छा थी कि उनके निधन के बाद गांव में स्मारक बनाया जाए, जिसके लिए उन्होंने अलग से 6 बीघा में जमीन खरीद रखी थी।' उन्हें किताब पढ़ने का काफी शौक था और उनकी निजी लाइब्रेरी में 10 हजार से अधिक पुस्तके हैं।

बहन के लव मैरिज से नाराज भाई ने गुस्से में बहनोई की गोली मार कर दी हत्या

झुंझुनू, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सूरजगढ़ थाना इलाके महपालवास गांव में छह अगस्त की बहन के लव मैरिज से नाराज भाई ने बहनोई की रात को गोली मार और तलवार से हाथ काटकर की हत्या कर दी। हत्या के बाद पकड़े गए भाई समेत अन्य आरोपियों ने सनसनीखेज खुलासा किया। आरोपी भाई ने बताया कि बहन के लव मैरिज करने से कई सालों से वह गुस्से को दबाए बैठा था। लव मैरिज के बाद बहनोई के मजजाक में चैलेंज करने पर उसका गुस्सा और बढ़ गया। इसके चलते उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी। पुलिस ने 72 घंटे में बाद पांच आरोपियों का पकड़ लिया। एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि मृतक अंकित उर्फ अमित जाट का पहले मुय आरोपी रिंकू सिंह की चचेरी बहन के साथ मिलना-जुलना था। इसके बाद उसने उसे छोड़कर रिंकू की सगी बहन के साथ शादी कर ली। इस शादी से पहले से ही रिंकू सिंह और मृतक अंकित उर्फ अमित के बीच रंजिश थी। एक बार रिंकू सिंह ने अंकित उर्फ अमित को थप्पड़ मारा था। इसके बाद अंकित उर्फ अमित ने उसकी सगी बहन से शादी करने की धमकी दी और बाद में शादी भी कर ली। इसके बाद भी अंकित उर्फ अमित कई बार रिंकू सिंह का मजाक बनाता था। रिंकू काफी समय से बदला लेने का मानस बना रहा था। छह अगस्त की शाम को रिंकू सिंह ने अपने साथियों के साथ अंकित उर्फ अमित की हत्या कर दी। घटना के वक्त रिंकू सिंह समेत सात लोग थे। इनमें से बोलेरो चालक मोहित जाट को पुलिस पूर्व में गिरतार कर हत्या में काम ली गई बोलेरो जब्त कर चुकी है। वहीं बीती रात को चूरू जिले के मेहरासर गांव में दबिश देकर मुय आरोपी कुशलपुरा निवासी मृतक के साले रिंकू सिंह के साथ चिमा का बास निवासी दक्षित जाट, धींगड़िया निवासी सुमित राजपूत तथा चांदू सिंह की ढाणी तन जाखोद निवासी विकास खाती को पुलिस ने गिरतार कर लिया है। दो नामजद आरोपी अभी फरार है। अब तक गिरफ्तार पांच आरोपियों में से दक्षित जाट का आपराधिक रेकॉर्ड भी सामने आया है।

पांच जिलों को होंगे 8 लाख झंडे वितरित

भीलवाड़ा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस पर सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान छेड़ा। भीलवाड़ा के राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने प्रोसेस हाउस व अन्य उद्यमियों को तिरंगे मंगवाने को कहा। भीलवाड़ा के उद्यमी सूरत से तिरंगे मंगवा रहे हैं। तिरंगे सरकारी स्तर पर बांटे जाएंगे।

21 लाख तिरंगे की सूचना उद्यमियों को सरकारी स्तर पर दो दिन पहले ही दी गई। उनको तिरंगे बनाकर देने के लिए 12 अगस्त तक का समय दिया है। हालांकि भीलवाड़ाकपड़ा मंडी है। इसे वस्त्रनगरी के नाम से विदेशों में जाना जाता है, लेकिन तिरंगा बनाने की कोई इकाई भीलवाड़ा में नहीं है। तिरंगा साड़ी के कपड़े पर बनाया जाता है। इनका ऑर्डर सूरत के उद्यमियों को दिया है। झंडे आने शुरू हो गए। इनको जिले के आधार पर वितरण करने का काम भी शुरू कर दिया है।

नन्हें मुन्ने बच्चों के साथ एक घर में जा धमका कोबरा, बड़े-बड़ों को डरा दिया

कोटा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। कोचिंग सिटी कोटा में एक कोबरा सांप अपने नन्हे मुन्ने 2 बच्चों के साथ एक घर में जा धमका. यह देखकर मकान मालिक और उसके बड़े-बड़े बच्चे खौफ में आ गए. घबराए मकान मालिक ने बाद में इसकी सूचना स्नेक कैचर गोविंद शर्मा को दी. इस पर वे वहां पहुंचे और कोबरा सांप और 2 बेबी कोबरा को पकड़कर उनको लाडपुरा के जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया. लेकिन इस दौरान वहां मौजूद लोगों की घिग्घी बंधी रही. कोबरा के परिवार को वहां निकाल देने के बाद उनकी सांस में सांस आई. जानकारी के अनुसार दिल को दहला देने वाला यह मंजर शहर के आंवली रोजड़ी इलाके में नजर आया. वहां जितेंद्र प्रजापति के मकान में एक कोबरा अपने पूरे कुनबे के साथ जा धमका. मकान में एक नहीं बल्कि तीन-तीन कोबरा नजर आने से वहां मौजूद मकान मालिक और उसके बच्चे खौफ में आ गए. मकान में दो छोटे बेबी कोबरा के बीच तीन फीट लंबा कोबरा सांप मौत बनकर रेंग रहा था. इन बेबी कोबरा की साइज 12-12 इंच के करीब थी. बाद में जितेंद्र प्रजापति ने आनन फानन में बच्चों सहित परिवार वालों को घर से बाहर निकाला. उसने स्नैक केचर गोविंद शर्मा को कोबरा परिवार के बारे में सूचना दी.

सांवलिया सेठ के मंदिर में 124 करोड़ का चढ़ावा

चित्तौड़गढ,11 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मेवाड़ के प्रसिद्ध कृष्ण धाम सांवलिया सेठ में हर समय भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है. भक्त भगवान सांवलिया सेठ के दर पर माथा टेकते हैं और जब मनोकामना पूरी हो जाती है तो इतना चढ़ावा चढ़ाते हैं कि सांवलिया सेठ के भंडारे से हर महीने करोड़ का चढ़ावा आता है. दान पत्र खुलते हैं तो सोने चांदी के जेवरात और अलग-अलग वस्तुएं सोने चांदी की बनी हुई उसमें डाली जाती हैं.

सांवलिया सेठ के प्रति भक्तों की इस तरह आस्था है कि पिछले 8 महीने में सांवलिया सेठ के भंडारे से करीब 124 करोड़ का चढ़ावा निकला है. खास बात यह है कि हर महीने भंडारे से चढ़ावे को गिनने के लिए चार से पांच दिन लगते हैं.

अलग-अलग राउंड में काउंटिंग होती है और उसमें भी मंदिर मंडल के पदाधिकारी और बैंक के कर्मचारी भी मौजूद रहते हैं.

भक्त सांवलिया सेठ से जो भी मन्नत मांगते हैं सांवलिया सेठ उनकी मन्नत पूरी करते हैं. भक्त कमाई का एक बड़ा हिस्सा या पार्टनर सांवलिया सेठ को अवश्य बनाते हैं और हर महीने सांवलिया सेठ के दर पर माथा टेक कर उनके हिस्से का दान कर देते हैं. पिछले 2 महीने में सांवलिया सेठ के भंडारे से 37 करोड़ से अधिक चढ़ावा आया है. यहां तक की इस महीने भी पांच राउंड की गिनती पूरी हुई, जिसमें 18 करोड़ 29 लाख 53 हजार का चढ़ावा आया है. भेट कक्ष से भी चांदी और सोने के जेवरात भी चढ़ावे में मिले हैं. 8 महीने में 124 करोड़ से अधिक चढ़ावा की राशि सांवलिया सेठ के भंडारे से निकली है. जो भक्त सांवलिया सेठ से मांग कर जाता है उसे सांवलिया सेठ बच्चन को पूरा करते हैं इस कारण वक्त सांवलिया सेठ के हिस्से का चढ़ावा चढ़ाते हैं. त्योहार के समय तो सांवलिया सेठ के मंदिर में भक्तों की इस तरफ भीड़ उमड़ती है कि जगह नहीं मिल पाती. देश भर के भक्त सांवलिया सेठ के यहां दर्शन करने आते हैं. सांवलिया सेठ के प्रति इस तरह आस्था है कि कोई भक्त पेट्रोल पंप खोलना है तो चांदी का पेट्रोल सांवलिया सेठ को भेंट करता है तो कोई चांदी का ट्रैक्टर तो कोई भक्त चांदी की बांसुरी, चांदी का ट्रक इस तरह की भेट सांवलिया सेठ में देखने को मिलती है.

15 दिन में तीसरी बार सीमा पर मिली एंटी लैंड माइन

जैसलमेर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा से सटे राजस्थान के जैसलमेर में 15 दिन के अंदर लगातार तीसरी एंटी लैंड माइन मिली है. इस बार यह एंटी लैंड माइन म्याजलार के कीरत सिंह की ढाणी में मिली है. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर बीएसएफ को सूचित किया है. वहीं बीएसएफ के दस्ते ने इसे निसक्रिय करा दिया है. 15 दिन पहले भी इसी तरह की एक एंटी लैंड माइन मिली थी. इसे एक चरवाहे ने देखा था और पुलिस को सूचना दी थी.

इसी प्रकार बीते गुरुवार को यहां एक हैंड ग्रेनेड बम मिला था. पुलिस अभी इसकी जांच करा रही है. उधर, क्षेत्र में लगातार एंटी लैंड माइन और हैंड ग्रेनेड मिलने से लोगों में दहशत की स्थिति है. पुलिस के मुताबिक रविवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के 20 किलोमीटर अंदर म्याजलार क्षेत्र में यह एंटी लैंड माइन मिली है. पुलिस के मुताबिक अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि बार्डर से इतना दूर कहां से और कैसे हैंड ग्रेनेड और एंटी लैंड माइन आया.

बीएसएफ भी अपने स्तर पर इसकी जांच करा रही है. पुलिस के मुताबिक यह दुश्मन देश की साजिश भी हो सकती है. ऐसे में देख की खुफिया एजेंसिया भी सक्रिय हो गई है. संभावना यह भी है कि युद्धाभ्यास के दौरान यहां एंटी लैंड माइन व हैंड ग्रेनेड गिरे होंगे. स्थानीय लोगों ने इलाके में लगातार एंटी लैंड माइन और हैंड ग्रेनेड मिलने पर आपत्ति जताई है. साथ ही सीमा की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए हैं. हालांकि पुलिस और सेना की ओर से अभी तक अधिकृत बयान नहीं आया है.

टैंकबंड पर जल्द ही सरदार पपन्ना महाराज की प्रतिमा स्थापित होगी : मंत्री

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन व बीसी कल्याण विभाग के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि टैंकबंड पर जल्द ही सरदार पपन्ना महाराज की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

रविवार को जय गौड़ आंदोलन समिति के तत्वावधान में 374वां सरदार पपन्ना महाराज जयंती समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर, तेलंगाना के पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़, एपी के पूर्व मंत्री जोगी रमेश ने सरदार पपन्ना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बहुजन राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महापुरुष सरवई पपन्ना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि निज़ाम ने शासकों और जमींदारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बहुजनों के उत्थान के लिए काम किया और बहुना और गौड़ा जातियों को उनके रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में जयगौड़ा आंदोलन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामाराव गौड़, वरिष्ठ भाजपा नेता तुल्ला वीरेंद्र गौड़, पूर्व विधायक भिक्षामैय्या गौड़ समेत अन्य लोग शामिल हुए।

पेड पर लटकी लाश मिली

वारंगल, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय जेएनएस स्टेडियम, हनुमाकोंडा के उद्यान क्षेत्र में लगभग 35 वर्षीय अज्ञात युवक ने पेड़ पर लटक कर फांसी लगा ली। मृतक ने नारंगी रंग की टी-शर्ट पहन रखी है तथा दाहिने हाथ के निचले हिस्से में खाकी रंग का टैटू, बाएं पैर की अनामिका उंगली पर काला धागा लगा रखा है। घटना से आसपास के क्षेत्रों में सनसनी फैल गई है। शव की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

मलकाजगिरी में रुद्राभिषेक संपन्न

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना और बिहार महिला ऐसोसिएशन द्वारा रुद्राभिषेक आज रविवार को इंदिरा नेहरु नगर मलकाजगिरी, दुर्गा माता मंदिर में संपन्न हुई। रविवार प्रातः 9 बजे से शुरू किया गया 2 बजे समाप्त हुई तथा सायं 4.30 बजे से श्री सुंदरकांड का अखंड संगीतमय पाठ शुशील कुमार ओझा कि टीम द्वारा सुनिश्चित किया गया है। अतः इस संदर्भ में सभी भक्त गण, पदाधिकारी गण तथा सदस्य गण उक्त पुण्य अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर भगवान शिव कि आराधना पूजा में सम्मिलित होकर पुण्य के भागी बने। रुद्राभिषेक का कार्यक्रम महिला एसोशिएसन के अध्यक्ष अनिता भगत ने अपने पूरे टीम के साथ पूजा में भाग लिया।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 212 आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ साइबराबाद पुलिस ने एक सशक्त अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 212 अपराधियों को पकड़ा गया। कुल 165 दोपहिया वाहन, 10 तिपहिया वाहन, 34 चार पहिया वाहन और 3 भारी वाहन चालक पकड़े गए। 21 अपराधियों को 200 मिलीग्राम/100 मिली से 550 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लोगों को उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में वाहन चलाता है और दुर्घटना का कारण बनता है, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, जिसके लिए अधिकतम सजा 10 साल की जेल और जुर्माना है।

पानी छोड़े जाने को देखने के लिए हजारों की संख्या में पर्यटक एनएसपी पहुंचे

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है, क्योंकि परियोजना के 10 रेडियल क्रेस्ट गेटों को पुलिचिंतला परियोजना में एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ने के लिए उठाया जा रहा है। श्रीशैलम जलाशय से लगातार बाढ़ आ रही है, इसलिए रविवार को बड़ी संख्या में पर्यटक परियोजना की सुंदरता और बांध से पानी के शानदार प्रवाह को देखने के लिए नागार्जुन सागर पहुंचे।

रविवार को छुट्टी होने के कारण पिछले कुछ दिनों की तुलना में परियोजना स्थल पर पर्यटकों की संख्या काफी अधिक है और लोग सुबह से ही परियोजना स्थल पर आना शुरू हो गए थे। इस बीच, पुलिस ने परियोजना स्थल पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रतिबंध लगा दिए हैं। एहतियात के तौर पर नागार्जुनसागर मुख्य बांध की ओर जाने वाली सड़क को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है और बिजली घर के आगंतुकों के लिए भी जगह बंद कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से मोबाइल फोन से फोटो और सेल्फी लेने के लिए परियोजना स्थल के पास न आने की अपील की है। एनएसपी में अभी 590 फीट के पूर्ण जलस्तर के मुकाबले 587.30 फीट पानी है। इसी तरह परियोजना की पूरी भंडारण क्षमता 312.50 टीएमसी के मुकाबले 305.68 टीएमसी पानी है।

रेलवे के खिलाफ सोशल मीडिया में दी जा रही है गलत जानकारी

रेलवे का आरोप बड़े राजनीतिक दल के सोशल मीडिया अकाउंट भी शामिल

नई दिल्ली, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ महीनों से रेलवे को लेकर सोशल मीडिया में भ्रामक व गलत तथ्यों के साथ जानकारी पोस्ट करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। खास बात ये है कि इसमें कुछ बड़े राजनीतिक दल के सोशल मीडिया अकाउंट भी शामिल हैं। इन सोशल मीडिया अकाउंट से बिना तथ्यों की जांच किए हुए गलत वीडियो ट्विटर पर पोस्ट कर ना सिर्फ रेलवे की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है, बल्कि लोगों के मन में भी रेलवे के प्रति गलत धारणा पैदा करने की कोशिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में रविवार को हुए रेल हादसे का मामला भी ऐसा ही है। रेलवे ने इसे गलत बताते हुए आधिकारिक रूप से इसका खंडन किया है। रेलवे के अनुसार जांच में पता चला कि ये घटना सोनभद्र जिले में स्थित अनपरा थर्मल पावर स्टेशन की है। इसमें भारतीय रेल का ना लोको है, ना ट्रैक है और ना वैगन है।

रेलवे के सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से देश के कुछ राजनीतिक दल और उनका इकोसिस्टम लगातार भारतीय रेल के बारे में झूठी खबरे व गलत जानकारी फैलाकर लोगों को बमित कर रहे हैं। कुछ दिन पहले एक पुराने वीडियो को फिर से पोस्ट करके नया वीडियो बताया गया और झूठी अफवाह फैलाई गई कि ट्रेन पटरी से उतर गई है। ऐसा ही कुछ आज फिर से देखने को मिला है। सोनभद्र में एक ट्रेन के डिब्बो के पटरी से उतरने की घटना को भारतीय रेल का बताकर सोशल मीडिया ट्रोल आर्मी फिर से पोस्ट करने लगी। जबकि वह ट्रेन और पटरी भारतीय रेल की है ही नहीं। इस तरह की गलत जानकारी और फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर रेलवे की छवि धूमिल करने की लगातार कोशिश की जा रही है। रेलवे से जुड़े सूर्जी का कहना है कि कुछ दिनों पूर्व भी सोशल मीडिया पर रेलवे की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया था। भिवानी में ट्रेन के पटरी से उतकर खेत में इंजन का वीडियो दिखाकर केरल कांग्रेस की यूनिट के अधिकृत ट्विटर हैंडल से सोशल मीडिया पर वीडियो प्रचारित किया गया था और रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए थे। इसमें कांग्रेस के एक "इकोसिस्टम" द्वारा वर्षों पुरानी इस घटना की बहुत बड़े स्तर पर प्रसारित किया गया, लेकिन रेलवे की तरफ से आधिकारिक रूप से इस पर प्रतिक्रिया देने के बाद उन्हें ट्वीट हटाने पड़े थे। कुछ दिनों पहले ऐसा ही एक और मामला देखने को मिला जब एक वीडियो में दावा किया गया था कि वंदे भारत ट्रेन दूसरे इंजन पर चढ़ गई है। जबकि सच्चाई यह थी कि ये वीडियो भारत का नहीं बल्कि चिली का था। इसके अलावा हाल ही में प्लेटफार्म पर ट्रेन के चढ़ने का 9 साल पुराना वीडियो सोशल मीडिया में डालकर रेलवे की छवि खराब करने की कोशिश की गई। ऐसे ही एक फेक न्यूज सोशल मीडिया पर खूब फैलाई गई कि पुल के ऊपर दो ट्रेनें भिड़ गई हैं और कोच नदी में गिर गए हैं, जबकि ये घटना भी भारत में नहीं हुई थी। कई सालों पहले चीन में हुई इस घटना को भारत का बताया गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, जिस तरह से बार-बार फर्जी खबरों और वीडियो के जरिए रेलवे को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है उस पर कुछ ही दिनों पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में भी ऑन रिकॉर्ड यह बात रखी थी और कहा था कि कांग्रेस और समाजादी पार्टी का इकोसिस्टम छोटी घटनाओं को भी बड़ा बना रहा है और अपनी ट्रोल आर्मी के जरिए सोशल मीडिया पर गलत खबरें फैला रहा है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए संसद में इसका उदाहरण देते हुए कहा था कि अयोध्या रेलवे स्टेशन की एक पुरानी दीवार को गिरा हुआ दिखाकर नए रेलवे स्टेशन की दीवार बताया गया और खूब वायरल किया गया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह काफी दुखद है कि रेलवे को बदनाम करने की साजिश ऐसे समय में हो रही है जब वो अपने कायाकल्प के सबसे सुनहरे दौर से गुजर रहा है और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

समंदर में 'ड्रैगन' के इरादों पर फिरेगा पानी

न्यूक्लियर पावर से लैस आईएनएस अरिघात एंट्री को तैयार

विशाखापट्टनम, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना लगातार समंदर में अपनी ताकत बढ़ाने में जुटी है। चीन की ओर से बढ़ते खतरे को देखते हुए इंडिया भी अपनी नौसैनिक पावर को मजबूत करना चाहता है। यही वजह है कि देश को जल्द ही दूसरी परमाणु मिसाइल पनडुब्बी मिलने जा रही। न्यूक्लियर पावर से लैस ये सबमरीन जल्द ही तैनाती के लिए तैयार है। सिर्फ यही नहीं देश में दो और न्यूक्लियर पावर अटैक सबमरीन के निर्माण से प्रोजेक्ट को भी अंतिम मंजूरी मिलने वाली है। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती नौसैनिक धमक पर लगाम लग सकती है।

आईएनएस अरिघाट कमीशनिंग के लिए तैयार :

विशाखापट्टनम के शिप-बिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) में निर्मित 6,000 टन की आईएनएस अरिघाट कमीशन के लिए तैयार है। समंदर में इसकी तैनाती से पहले सभी जरूरी ट्रायल्स पूरे हो चुके हैं। इन ट्रायल्स में सफलता के बाद अब ये औपचारिक तौर पर कमीशनिंग के लिए पूरी तरह से तैयार है। इन परीक्षणों में कुछ तकनीकी मुद्दों को दूर किया गया। टीओआई से बातचीत में एक सोर्स ने बताया कि एसएसबीएन को एक या दो महीने के भीतर कमीशन कर दिया जाएगा। इसके बाद आईएनएस अरिघाट अपनी सहयोगी आईएनएस अरिहंत के साथ मिलकर भारतीय नौसेना को मजबूती देगी। आईएनएस अरिहंत 2018 से पूरी तरह ऑपरेशनल है।

आईएनएस अरिघाट की खूबियां

आईएनएस अरिघाट भी आईएनएस अरिहंत की तरह 750 किलोमीटर रेंज की के-15 मिसाइलों से लैस होगी। हालांकि, तीसरा एसएसबीएन आने से इंडियन नेवी और मजबूत होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि 7,000 टन का आईएनएस अरिदमन 3,500 किलोमीटर रेंज की के-4 मिसाइलों के साथ अगले साल शुरू होगा।

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कानून और न्याय पर सम्मेलन

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नलसर विधि विश्वविद्यालय ने भारतीय विधि आयोग के सहयोग से भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कानून और न्याय पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया। नलसर के आर. एन. झुनझुनवाला कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में सरकारी विभागों, शिक्षाविदों, कानूनी तकनीक और उद्योग के विशेषज्ञों ने एआई और कानून के तेजी से विकसित हो रहे अंतर्संबंध पर चर्चा की। सम्मेलन का उद्देश्य कानूनी और न्यायिक प्रणाली में एआई को अपनाना था, भारत में कानून और न्याय को बदलने की इसकी क्षमता की खोज करना था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पहले से ही एआई-सुविधायुक्त सुपेस का उपयोग करने और ई-कोर्ट आधुनिकीकरण चरण III में एआई-आधारित उपकरणों के एकीकरण के साथ, सम्मेलन ने कानूनी क्षेत्र में एआई द्वारा प्रस्तुत अवसरों और चुनौतियों पर गहराई से चर्चा की। सम्मेलन में दो सत्र आयोजित किए गए, भारत में कानून और न्याय में एआई, वर्तमान और भविष्य और एआई और न्याय के सिद्धांत और न्याय के लिए निहितार्थ (चैट जीपीटी, जनरेटिव एआई और उभरते रुझान)। तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग में उभरती प्रौद्योगिकियों की निदेशक रमा देवी लंका और भारत के विधि आयोग की सदस्य-सचिव डॉ. रीता वशिष्ठ सहित प्रख्यात वक्ताओं ने कानून और न्याय पर एआई के प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में डेटा गोपनीयता और एआई नैतिकता जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए बहु-विषयक शिक्षा और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में एआई मतिभ्रम, पूर्वाग्रह और मानवीय सहानुभूति के नुकसान के बारे में चिंताओं को दूर करने में पारदर्शिता, विश्वास-निर्माण और नियमित ऑडिट के महत्व को भी रेखांकित किया गया। यह सम्मेलन एआई, कानून और न्याय के विषय पर नलसर द्वारा की जा रही कई पहलों में से एक है। विश्वविद्यालय यूनेस्को के साथ एआई और न्यायपालिका द्वारा इसके उपयोग पर काम कर रहा है और आईआईटी-मद्रास के सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल एआई (सीईआरएआई) के साथ रिस्पॉन्सिबल एआई में पाठ्यक्रम विकसित कर रहा है।

16 अगस्त को छत्र स्थापनोत्सवम

तिरुमला, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 16 अगस्त को तिरुमाला में श्रीवारी पडालू में वार्षिक छत्र स्थापनोत्सवम मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान के चरणों की विशेष पूजा की जाएगी और एक नई छत्र की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यह आयोजन सैकड़ों वर्षों से प्रचलित है। बाद में भक्तों को दर्शन की अनुमति दी जाएगी और प्रसाद वितरित किया जाएगा।

अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर देखना प्रत्येक सनातनी के लिए गौरव का क्षण : स्वामी अभिषेक

श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ का शुभारंभ

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर स्कंदगिरी मठ में स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी के मार्गदर्शन में श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। 11 से 13 अगस्त तक आयोजित महायज्ञ का प्रारंभ सुबह 7.50 पर पूजन विधि के साथ हुआ। भगवान गणेश अंबिका का आवाह्न, वरुण पूजन, मातृका पूजन, गुरु पादुका पूजन एवं गणपति सहस्रार्चन से महायज्ञ का पूजन प्रारंभ हुआ। 1 करोड़ श्री ललिता सहस्रनाम के मंत्रों से श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ आहूत है। 1000 किलो कुमकुम से महायज्ञ में माता ललिता का पूजन आयोजित है। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने इससे पूर्व नई दिल्ली, मुंबई, वाराणसी, प्रयागराज, कोलकाता, गुवाहाटी, जयपुर, कांचीपुरम, चेन्नई में श्री विद्या यज्ञ आयोजित कर चुके हैं।

स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने बताया कि सनातन धर्म हमें सबका सम्मान सिखाता है। हमारे धर्म ने हमें अन्याय और असत्य के खिलाफ संघर्ष करने का पाठ पढ़ाया है। स्वामी जी ने कहा की आज पूरी दुनिया हमारे देश की ओर देख रही है। यह समय राजनीति का नहीं सेवा का है। जो सनातन का विरोध करेगा वह मिट्टी में मिल जाएगा। माता ललिता से प्रार्थना है की देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़े और विश्व में शांति स्थापित हो। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर देखना प्रत्येक सनातनी के लिए गौरव का क्षण है।

महायज्ञ स्थल पर भाजपा तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एवं कोयला विभाग के कैबिनेट मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरलीधर राव, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, पूर्व विधान पार्षद एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एन रामचंद्र राव ने विशेष उपस्थित दी। तेलंगाना हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एन राजेश्वर राव ने भी महायज्ञ स्थल पर पहुंचकर पूजन में भाग लिया। अवसर पर सुबह से ही भंडारा व प्रसाद वितरण किया गया।

महायज्ञ के आयोजक युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने बताया की देश को वर्ष 2047 तक विश्वगुरु बनाने हेतु सबको मिलकर काम करना होगा। श्री सिंह ने कहा की माता ललिता के आशीर्वाद और लोगों के श्रम के बल पर देश का वैभव बढ़ेगा। इस अवसर पर पी नवीन राव, सुधाकर शर्मा, जयपाल सिंह नयाल, रोहित चौधरी के हरिनाथ, कृष्णन राजमणी, सौरभ सिंह आदि उपस्थित रहे।

किशन रेड्डी ने शहर में तिरंगा रैली का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज यहां रामनगर चौरास्ता में तिरंगा रैली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह शुरू हो गया है। पिछले तीन वर्षों से, हम केंद्र सरकार के तत्वावधान में बड़े पैमाने पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन कर रहे हैं। इस अवसर पर, हर घर पर, प्रधानमंत्री ने हर घर तिरंगा के नाम पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा देश भर में तिरंगा रैली और तिरंगा यात्रा का आयोजन करेगा। स्वतंत्रता दिवस के 75 साल पूरे होने के अवसर पर लगभग 23 करोड़ लोगों ने अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्रधानमंत्री ने आगामी स्वतंत्रता दिवस पर भी इसी भावना को जारी रखने का आह्वान किया। इसके तहत भारत सरकार की ओर से राज्य सरकार की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संगठनों और छात्र संगठनों ने तिरंगा रैली में भाग लिया और देश की अखंडता, देश की एकता को बनाए रखा और दुनिया और युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता दिवस समारोह का इतिहास बताया। उन्होंने कहा, इस अवसर पर, मैं तेलुगु लोगों से देश के स्वतंत्रता उत्सव का हिस्सा बनने और सभी से अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आग्रह करता हूं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सुप्रीम कोर्ट ...

कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि भाजपा नीत एनडीए सरकार आंबेडकर के संविधान का अनुसरण करेगी और उसमें उल्लेखित अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण व्यवस्था जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि विपक्ष जानता है कि शीर्ष अदालत ने केवल क्रीमी लेयर पर टिप्पण की थी, फिर भी वह लोगों के बीच भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

आरक्षण के मुद्दे पर देश में जारी रार के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया था। खड़गे ने कहा था, क्रीमी लेयर लाकर आप किसे लाभ पहुंचाना चाहते हैं? क्रीमी लेयर (अवधारणा) लाकर आप एक तरफ अछूतों को नकार रहे हैं और उन लोगों को दे रहे हैं जिन्होंने हजारों सालों से विशेषाधिकारों का आनंद लिया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि सात न्यायाधीशों की तरफ से उठाया गया क्रीमी लेयर का मुद्दा दर्शाता है कि उन्होंने एससी और एसटी के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है।

उन्होंने यह भी कहा था, मैंने पढ़ा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्रीमी लेयर (अवधारणा) लागू न हो, उन्हें संसद में (एक कानून) लाना चाहिए था और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निरस्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार कुछ घंटों में विधेयक तैयार कर देती है और अब निर्णय आए लगभग 15 दिन हो चुके हैं।

इस पर मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अदालत का कहना है कि राज्यों को आरक्षित वर्ग के भीतर आरक्षण देने के लिए एससी/एसटी का उपवर्गीकरण करने का अधिकार है, ताकि वंचित जातियों के लोगों का भी उत्थान हो सके। मगर क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह एक टिप्पणी है। उन्होंने विपक्ष को याद दिलाते हुए कहा कि निर्देश और टिप्पणी के बीच में एक अंतर है। समाज को गुमराह करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में क्या कहा :

इस महीने की शुरूआत में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय के सात न्यायाधीशों की पीठ ने 6:1 के बहुमत का फैसला सुनाया। पीठ ने फैसले में कहा कि राज्य सरकारों को अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर एससी सूची के भीतर समुदायों को उप-वर्गीकृत करने की अनुमति है।

धमाका सेल सिर्फ अंतिम दो दिन

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजिगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स में चल रहा वार्षिक धमाका सेल का अब अंतिम दो दिन ही बचा है। जो कि प्रतिवर्ष जुलाई महिने में रहता है वह अब अपने अंतिम रचण में है.. इस वार्षिक सेल में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटका, तमिलनाडु एवं तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से ग्राहकों का आवगमण रहा । ग्राहक इस बार डिजाइन को लेकर काफी खुश नजर आय।

ग्राहकों को लाइट वेट ज्वलरी, हाथफुल, नेक्लेस, हॉफ सेट, अुलसेट, चुडी, पाटला, कड़ा, मंगलसुत्र, चेन, ब्रासलेट की डिजाइन्स ने मन लुभा दिया। यह सेल जल्द ही समाप्त होने जा रही है। बाहर गांव से पधारने वाले सभी ग्राहकें को यह अंतिम अवसर है।

इस वर्ष की धमाका सेल में पधारने का सभी ग्राहकों डिजाइन्स का आवलोकन करने के लिए आमंत्रित है। डाइमंड में भरपुर कलेक्शन उपलब्ध है एवं चांदी के बरतनों में कई नई-नई डिजाइन्स का स्टोक उपलब्ध है। जल्दी किजिए मौका छुट न जाये। स्वर्ण एवं चांदी के भावों में भी भारी गिरावट है। इसका लाी ले सकते है।

बाल चिकित्सा एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की बैठक समाप्त

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दो दिवसीय बाल चिकित्सा एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की बैठक रविवार शाम को संपन्न हुई। इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (आईएपीए) की मध्यावधि सीएमई 2024, जो शनिवार और रविवार को "द पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया कनेक्ट" थीम पर आयोजित की गई थी, रविवार शाम को होटल द प्लाजा, बेगमपेट में संपन्न हुई। इसका आयोजन इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट-आईएसए और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थेसियोलॉजी-आईएपीए, तेलंगाना राज्य शाखाओं द्वारा किया गया था। इसका आयोजन डॉ. राजा नरसिंह राव और डॉ. शैलजा के नेतृत्व में किया गया, जो क्रमशः अध्यक्ष और आयोजन सचिव थे। भारत से 150 प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। बाल चिकित्सा और नवजात शिशु की देखभाल और प्रक्रियाओं में प्रगति पर विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य कार्यक्रम के बाद एनेस्थीसिया स्नातकोत्तर केस प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया गया, ताकि युवा उभरते एनेस्थेसियोलॉजिस्ट को बाल चिकित्सा एनेस्थीसिया में अपना काम दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। समापन समारोह को संबोधित करते हुए, आईएपीए के तेलंगाना अध्यक्ष और आयोजन अध्यक्ष, डॉ राजा नरसिंह राव ने बात की। आईएपीए तेलंगाना राज्य सचिव और केयर अस्पताल में वरिष्ठ सलाहकार एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ.के. शैलजा ने भी बात की।

पांच कांस्य और एक रजत के साथ समाप्त हुआ भारत का ओलंपिक अभियान, भारतीय खिलाड़ियों का सफर

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। खेलों के महाकुंभ कहे जाने वाले ओलंपिक का आज आखिरी दिन है। समापन समारोह के साथ पेरिस में जारी ओलंपिक 2024 खत्म हो जाएगा। भारतीय खिलाड़ियों का ओलंपिक में सफर समाप्त हो चुका है। इस बार भारत ने कुल छह मेडल अपने नाम किए जिनमें पांच कांस्य और एक रजत पदक शामिल है। वहीं, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने एक स्वर्ण के साथ सात पदक जीते थे।

26 जुलाई से शुरू हुए पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सात रिजर्व सहित 117 खिलाड़ियों को भारतीय दल में भेजा था। वहीं, इनके साथ 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी भारतीय दल के साथ गए थे। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि भारत ने कुल छह पदक किस खेल में जीते। आइये जानते हैं...

भारत ने पहला पदक 28 जुलाई को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता था। स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने तीसरे स्थान पर रहकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह ओलंपिक शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट भी हैं। फाइनल में मनु भाकर ने 221.7 का स्कोर बनाया। 30 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य जीता। इस ओलंपिक में यह भारत का दूसरा पदक था। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और ली वोन्हो की जोड़ी को 16-10 से हराया। इसी के साथ मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहले भारतीय बन गईं।

भारत को तीसरा पदक स्वप्निल कुसाले ने दिलाया। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में एक अगस्त को कांस्य पदक जीता। स्वप्निल महिला या पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

स्वप्निल का पदक अप्रत्याशित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की दौड़ में नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौंकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की काफी उम्मीद थी, स्वर्ण तो नहीं आया, लेकिन भारतीय टीम कांस्य पदक को बरकरार रखने में कामयाब रही है। भारत ने टोक्यो 2020 में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था और रमनप्रीत सिंह की अगुआई में कांस्य पदक जीता था। तीन साल बाद भारतीय टीम ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हरा दिया।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। हालांकि, इस बार वह अपने पदक का बचाव नहीं कर पाए। नीरज सिर्फ एक ही सफल प्रयास कर सके और उन्होंने छह में से पांच फाउल किए।

भारत ने छठा पदक नौ अगस्त को जीता। पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती में 57 किलोग्राम भारवर्ग में अमन ने कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने कांस्य के मुकाबले में पुअर्तो रिको के पहलवान डैरियन टोई क्रूज को 13-5 हराकर इतिहास रचा। अमन पेरिस ओलंपिक में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे।

खेल पंचाट कल सुनाएगा विनेश फोगाट को रजत देने पर फैसला

पेरिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)। खेल पंचाट का तदर्थ प्रभाग ओलंपिक महिला 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले अयोग्य करार दी गई भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर फैसला अब 13 अगस्त यानी मंगलवार को सुनाएगा। मामले पर फैसला पहले ही आना था। आईओए ने एक बयान में कहा, 'कैस के तदर्थ विभाग ने एकल पंच डॉक्टर अनाबेल बेनेट द्वारा विनेश फोगाट बनाम युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग बनाम अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के मामले पर फैसला लिये जाने के लिये समय सीमा एक दिन बढाकर 11 अगस्त 2024 शाम छह बजे तक कर दी है।' इसमें कहा गया, 'मामले पर विस्तार से फैसला बाद में जारी किया जाएगा।' आईओए के सूत्र के अनुसार फैसला 13 अगस्त को ही सार्वजनिक किया जाएगा। पेरिस ओलंपिक का समापन समारोह 11 अगस्त को है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को समाप्त हुई जिसमें कैस ने विनेश की अपील स्वीकार कर ली थी। विनेश ने फाइनल की सुबह 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ अपील की थी।

विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं, जो सेमीफाइनल में उनसे हार गई थीं। भारतीय पहलवान ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिये जाने की मांग की है क्योंकि मंगलवार को अपने मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित सीमा के अंदर था।

'पदक नहीं लाने पर लोग भूल जाते हैं'

इससे पहले पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले नीरज ने विनेश का समर्थन करते हुए कहा, 'हम सभी को पता है कि अगर विनेश को पदक मिलता है तो यह काफी अच्छा होगा। अगर यह स्थिति नहीं बनती तो वह जरूर पदक जीतने में सफल रहती। अगर हम पदक नहीं जीतते हैं तो लोग हमें कुछ समय तक याद रखते हैं और हमें चैंपियन कहते हैं, लेकिन पदक नहीं मिलने पर वह हमें भूल भी जाते हैं। मैं बस लोगों से कहना चाहता हूं कि विनेश ने देश के लिए क्या किया है, उसे हमें नहीं भूलना चाहिए।'

विनेश को पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता पहलवान हिगुची रेई का समर्थन मिला है। हिगुची ने 57 किग्रा वर्ग में पेरिस में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने ही भारत के अमन सहरावत को सेमीफाइनल में हराया था। उन्होंने अब विनेश को लेकर बयान दिया है। हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं। बस 50 ग्राम। दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे खूबसूरत चीज है। अच्छी तरह आराम करो।'

विनेश फोगाट को जापान के पहलवान का सपोर्ट

रेई हिगुची बोलें- दर्द समझ सकता हूं; मुझे ओलिंपिक क्वालीफायर में 50 ग्राम ज्यादा होने पर किया था बाहर

पेरिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में भारत को निराशा हाथ लगी। जहां टोक्यो ओलंपिक में भारत ने इस स्पर्धा में एक रजत (रवि दहिया) और एक कांस्य (बजरंग पूनिया) समेत दो पदक जीते थे। इस ओलंपिक में अब तक भारत को अमन सहरावत (कांस्य) के रूप में एक ही सफलता मिली है। विनेश फोगाट के पास स्वर्ण जीतने का मौका था, लेकिन फाइनल से ठीक पहले उन्हें बढ़े हुए वजन के लिए अयोग्य करार दिया गया। इसके बाद भारत के स्वर्ण जीतने की उम्मीदों को झटका लगा। विनेश इस ओलंपिक में शानदार फॉर्म में दिखी थीं।

हिगुची ने विनेश का समर्थन किया

उन्होंने अपने पहले ही मैच में चार बार की विश्व चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन विश्व नंबर एक जापान की सुसाकी को हराया था। हिगुची का विनेश से भिड़ने के पहले का रिकॉर्ड 82-0 था। इस जीत के सिलसिले को विनेश ने रोक दिया था। इसके बाद टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता ओकसाना लिवाच और क्यूबा की गुजमान लोपेज को हराकर विनेश ने फाइनल में जगह बनाई थी। अब क्वालिफायर से सिर्फ 50 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह अपने घरेलू ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके।

हिगुची ने कही यह बात

हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं। बस 50 ग्राम। दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे खूबसूरत चीज है। अच्छी तरह आराम करो।'

हिगुची ने दिया यह बयान

हिगुची ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता था। उन्होंने 'जापान न्यूज' से तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में असफल होने के बारे में कहा, 'मैं असफलता और निराशा से गुजर चुका हूं, लेकिन मैं खुद पर विश्वास करके सफल होने में कामयाब रहा। फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं सिर्फ अपने प्रयासों से स्वर्ण पदक जीत सकता था।' तब हिगुची को 'जंक फूड' के प्रति लगाव के लिए दोषी माना जा रहा था।

कौन होगा पीआर श्रीजेश का विकल्प? भारतीय गोलकीपर ने खुद दिया जवाब, बोले- टीम में प्रतिभा मौजूद है

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम की दीवार माने जाने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास का एलान कर दिया। अब उन्हें भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। श्रीजेश के बाद कौन उनकी टीम में जगह ले सकता है। इस सवाल का जवाब स्टार खिलाड़ी ने खुद दिया है।

पेरिस ओलंपिक में 36 वर्षीय श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन किया और कांस्य पदक के मैच में भारत की स्पेन के खिलाफ 2-1 की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडिया हाउस में पीटीआई से बात करते हुए दिग्गज गोलकीपर श्रीजेश ने टीम में अपने विकल्प पर चर्चा की। उन्होंने कहा, कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और आएगा। सभी खेलों में ऐसा ही होता है। सचिन तेंदुलकर थे और अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा। इसलिए श्रीजेश कल थे लेकिन कल कोई और आएगा और उनकी जगह लेगा।

संन्यास के अगले दिन ही हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश को भारत की जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। नई जिम्मेदारी मिलने पर दिग्गज ने खुशी जताई, लेकिन इस बात से वह इस बात से दुखी हैं कि अब

वह हॉकी नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के इर्द-गिर्द घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे।

श्रीजेश ने कहा, यह जीवन की कमी खलना जैसे है। मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं। मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। सुबह से ही मैं उनके साथ बाहर रहता हूं – ट्रेनिंग, जिम, मैदान पर – हमेशा एक मजेदार माहौल होता है। उत्साहवर्धक बातचीत, टीम बैठक, आपको उन पर चिल्लाना पड़ता है, यहां तक कि उन्हें बुरा-भला भी कहना पड़ता है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि श्रीजेश जूनियर इंडिया टीम के कोच बनने के लिए तैयार हैं। श्रीजेश ने कहा, मुझे अभी प्रस्ताव मिला है। मैंने भोला सर से बात की है। अब बस घर वापस जाने, अपने परिवार से बात करने और कोई फैसला लेने का समय आ गया है।

टीम का भला हो रहा है तो...

वनडे में मौका नहीं मिलने पर संजू सैमसन ने तोड़ी चुप्पी

तिरुवनंतपुरम, 11 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें लेकर फैंस अक्सर आवाज उठाते रहते हैं. उन्हें लगातार मौके दिए जाने की मांग होती है. कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि उन्हें जितने मौके मिलने चाहिए, उतने नहीं मिलते हैं. पिछले कुछ समय में उन्हें लगभग हर सीरीज के लिए चुना गया है. हालांकि, टीम में होने के बावजूद उन्हें मैच खेलने के मौके लगातार नहीं मिले. वनडे फॉर्मेट में उनका रिकॉर्ड बेहद शानदार है. सैमसन साउथ अफ्रीका खिलाफ खेले आखिरी वनडे में शतक भी जड़ा था. इसके बावजूद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा ने मौका नहीं दिया. अब सैमसन ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने गौतम गंभीर की कोचिंग में खेलने का अनुभव भी शेयर किया.

संजू सैमसन हाल ही में केरल क्रिकेट लीग के लॉन्च इवेंट में गए थे. इस दौरान मीडिया ने उनसे वनडे सीरीज से ड्रॉप किए जाने को लेकर सवाल किया. इस पर सैमसन ने दिल जीतने वाली बात कही. उन्होंने कहा कि सेलेक्टर्स जब भी उन्हें सेलेक्ट करेंगे वो जाकर खेलेंगे. फिलहाल टीम इंडिया अच्छी खेल रही है उनके लिए वही बड़ी बात है. सैमसन ने आगे कहा कि वो ऐसे इंसान हैं, जो बड़े लक्ष्य के लिए खेलते हैं और हर चीज को पॉजिटिव तरीके से लेने की कोशिश करते हैं. उनके हाथ में जो चीज है, उसमें जान लगाते हैं. मीडिया से बातचीत में उन्होंने गौतम गंभीर की कोचिंग में टी20 सीरीज खेलने का के अनुभव को काफी अच्छा बताया. बता दें गंभीर हमेशा से ही उनका सपोर्ट

करते रहे हैं और उन्हें भारत बेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज बता चुके हैं. टीम में नहीं चुने जाने पर संजू सैमसन को फैंस का जबरदस्त सपोर्ट मिलता है. उनके फैंस सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाते हैं. संजू सैमसन ने इस पर भी रिएक्ट किया. उन्होंने खुलासा किया कि पिछले 3-4 महीने उनके करियर का सबसे बेहतरीन समय रहा है. आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया और फिर वर्ल्ड कप खेलने का सपना भी पूरा हुआ. वो जिस देश भी खेलने जाते हैं, केरल के फैंस उनके लिए चीयर करते हैं. यहां तक कि टीम इंडिया की ड्रेसिंग रूम में भी ये चर्चा विषय है कि उन्हें हर जगह कैसे इतना सपोर्ट मिलता है. हालांकि, कई बार जब वो जीरो पर आउट होते हैं, तब फैंस का इतना सपोर्ट उनके लिए बैकफायर कर जाता है. उनकी ट्रोलिंग होने लगती है.

संजू सैमसन ने वनडे में कुल 16 मुकाबले खेले हैं. इसकी 14 पारियों में उन्होंने 56 की औसत से कुल 510 रन बनाए हैं. इससे 3 अर्धशतक और 1 शतक भी शामिल है. उन्होंने पिछला वनडे साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर 2023 में खेला था, जिसमें 108 रन बनाए थे.

महिला गोल्फ स्पर्धा में अदिति और दीक्षा का नहीं चला जादू, चौथे दिन इस स्थान पर रहीं

पेरिस, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। महिला गोल्फ स्पर्धा में भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर चौथे दौर के बाद क्रमशः संयुक्त 29वें और 49वें स्थान पर रहीं।

टोक्यो ओलंपिक में मामूली अंतर से पदक से चूकने वाली अदिति ने स्पर्धा के अंतिम दौर में चार अंडर का स्कोर किया लेकिन शुक्रवार को खराब कार्ड के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।

उनका कुल स्कोर दो ओवर का रहा। वहीं, दीक्षा का प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन भी खराब रहा। उन्होंने सिर्फ छह ओवर का कार्ड खेला।

उनका कुल स्कोर 13 ओवर का रहा। ओलंपिक में इससे पहले दो बार की पदक विजेता न्यूजीलैंड की लिडिया को (71) ने कुल 10 अंडर के स्कोर से स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पाकिस्तान पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नदीम को देगा यह विशेष सम्मान

डाक टिकट भी होगा जारी

इस्लामाबाद, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को देश के दूसरे सबसे बड़े पुरस्कार हिलाल-ए-इम्तियाज से सम्मानित करेगा। इसकी घोषणा की गई। सरकार ने अगले सप्ताह 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अज्म-ए-इस्तेहकाम (स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता) नामक एक स्मारक डाक टिकट जारी करने का भी निर्देश दिया। नदीम ने गुरुवार को पेरिस में 92.97 मीटर के रिकॉर्ड थ्रो के साथ पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था।

इस 27 साल के खिलाड़ी ने इस दौरान अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से ओलंपिक का नया रिकॉर्ड कायम किया। यह 40 साल में पाकिस्तान का पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक है। नदीम ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पाकिस्तान के पहले खिलाड़ी हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के निर्देश पर उनके कार्यालय ने औपचारिक सम्मान के लिए मंत्रिमंडल को एक पत्र भेजा। खेल के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए राष्ट्रपति एक विशेष समारोह में नदीम को नागरिक पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 14 अगस्त को पाकिस्तान के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अज्म-ए-इस्तेहकाम नामक एक स्मारक डाक टिकट जारी करने का निर्देश दिया। इसकी डिजाइन में नदीम और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक मीनार-ए-पाकिस्तान की छवि भी है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने अरशद नदीम के लिए 10 करोड़ (पाकिस्तानी) रुपये की नकद पुरस्कार की घोषणा की थी। मरियम ने यह भी कहा था कि इस खिलाड़ी के नाम पर उनके गृहनगर खानेवाल में एक स्पोर्ट्स सिटी बनाई जाएगी। मालूम हो कि राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप (2023) में रजत पदक जीतने के बाद भी नदीम को पेरिस ओलंपिक से पहले एक नए भाले के लिए गुहार लगानी पड़ी थी।

विराट कोहली देंगे नौकरी, पंजाब के लोगों के लिए उठाया बड़ा कदम

चंडीगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे के बाद टीम इंडिया क्रिकेट से लंबे ब्रेक पर है. अब अगली सीरीज उसे 19 सितंबर से खेलनी है. ऐसे में विराट कोहली ने इस खाली वक्त का इस्तेमाल पंजाब को लोगों को खास तोहफा देने के लिए किया है. उन्होंने अपने रेस्टोरेंट बिजनेस का विस्तार करते हुए अपने पांव मोहाली में भी फैला दिए हैं. विराट के इस कदम के बाद कई लोगों के लिए नौकरियों के नए अवसर खुल गए हैं. विराट ने वन8 कम्यून के अपने नए आउटलेट की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है. विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर मोहाली में खुले वन8 कम्यून के नए आउटलेट का वीडियो पोस्ट किया है, जिसका कैप्शन है- मोहाली कोहलिंग. साथ ही उन्होंने पंजाब के लोगों से पूछा है कि क्या वो इसके लिए तैयार हैं.

विराट कोहली ने रेस्तरां का 10वां आउटलेट खोला विराट कोहली के वन8 कम्यून का ये 10वां आउटलेट है. इससे पहले गुड़गांव, पुणे, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे शहरों में भी विराट कोहली के वन8 कम्यून के आउटलेट हैं. यानी, भारत के लगभग हर बड़े शहर में उन्होंने अपने पांव फैलाए हैं. विराट अपने बड़े भाई विकास कोहली के साथ मिलकर रेस्तरां का ये बिजनेस चलाते हैं.

अपने नए-नए टेस्ट के लिए जाना जाने वाला वन 8 रेस्तरां मोहाली में लोगों के लिए खोल दिया गया है. विराट कोहली ने इस खास मौके पर कहा कि मोहाली का उनके दिल में खास स्थान है. उन्होंने कहा कि उनके लिए वन8 कम्यून केवल खाने-पीने की जगह नहीं बल्कि एक ऐसी जगह से है, जहां लोग अपनी दिल की बात शेयर कर सकें. नए दोस्त बना सकें. और, जहां पंजाब की कॉम्यूनिटी के बारे में जानने को ज्यादा से ज्यादा मिल सके.

लोगों के लिए चिंता का विषय बना वायरल बुखार

50 प्रतिशत से अधिक डेंगू सहित विभिन्न बुखार से पीड़ित

आदिलाबाद में डेंगू बुखार के 45 मामले आए सामने

आदिलाबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अधिकारियों द्वारा कदम उठाए जाने के बावजूद वायरल बुखार जनता के लिए चिंता का कारण बन गया है। मंचेरियल के कासिपेट मंडल के रेगुलागुडेम की 32 वर्षीय गर्भवती महिला गेडेम पार्वती की 9 अगस्त को वारंगल के एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान डेंगू बुखार से मृत्यु हो गई। वायरल बुखार ने 24 घंटे के अंतराल में कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कौटाला मंडल के गुंडेयपेट गांव में दसवीं कक्षा की एक लड़की सहित दो लोगों की जान ले ली।

राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद में हाल के दिनों में वायरल बुखार के मरीजों की बाढ़ आ गई है। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि कुल मरीजों में से 50 प्रतिशत से अधिक डेंगू सहित विभिन्न बुखार से पीड़ित पाए गए। वे मरीजों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए कदम उठा रहे थे, जबकि अस्पताल में स्टाफ की कमी थी। भेला मंडल की आठ वर्षीय अंजलि को चार दिन पहले रिम्स में भर्ती कराया गया था। उसे डेंगू बुखार होने का पता चला था। जैनूर मंडल की पांच वर्षीय वेदमा अर्चना का प्लेटलेट्स कम होने पर संस्थान में इलाज चल रहा था। मरीजों ने बताया कि खांसी, बदन दर्द, मतली और उल्टी के साथ बुखार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो महीनों में आदिलाबाद जिले में डेंगू बुखार के 45 मामले सामने आए हैं। निर्मल जिले में डेंगू बुखार के 19 मामले सामने आए हैं, जबकि आदिलाबाद में 16 मामले सामने आए हैं। मंचेरियल जिले में डेंगू के नौ पॉजिटिव मामले सामने आए, जबकि कुमराम भीम आसिफाबाद में 7 जून से 7 अगस्त तक डेंगू का एक मामला सामने आया।

पूछे जाने पर मंचेरियल डीएमएचओ डॉ. हरीश राज ने कहा कि वेक्टर और जल जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए गांव, मंडल और उप-केंद्र स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित किए गए हैं, साथ ही महामारी को रोकने के उपायों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा की गई है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए ब्रीडिंग चेकर्स को लगाया गया है। पानी के ठहराव वाले क्षेत्रों में एंटी-लार्वा रसायनों का छिड़काव किया जा रहा है। सरकारी छात्रावासों और विकर तथा जलजनित बीमारियों से ग्रस्त गांवों में मच्छरदानी दी गई है। खुले कुओं में क्लोरीनेशन किया जा रहा है। बीमारियों से बचाव के लिए हर शुक्रवार को ड्राई डे मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि वे इस्तेमाल न किए गए टायरों, एयर-कूलर और टैंकों में पानी जमा होने से बचें, क्योंकि ये मच्छरों की आबादी के स्रोत माने जाते हैं।

अमेजन के साथ हमारी बातचीत बेहद सकारात्मक और सफल रही : श्रीधर बाबू

तेलंगाना में डेटा सेंटर परिचालन का विस्तार करेगी अमेजन वेब सर्विसेज

कैलिफोर्निया/हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अमेजन इंक ने यहां हैदराबाद में अपने डेटा सेंटर सुविधाओं और कार्यबल का विस्तार करने में महत्वपूर्ण निवेश करने में गहरी रुचि व्यक्त की है। एडब्ल्यूएस डेटा सेंटर प्लानिंग एंड डिलीवरी के उपाध्यक्ष केरी पर्सन के नेतृत्व में अमेजन के वरिष्ठ नेतृत्व की एक टीम के साथ बैठक के बाद, आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू के नेतृत्व में तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने अमेजन को तेलंगाना में अपने डेटा सेंटर परिचालन को और मजबूत बनाने के लिए राजी किया। अमेजन की पहले से ही तेलंगाना में मजबूत उपस्थिति है, जिसमें हैदराबाद में दुनिया की उनकी सबसे बड़ी कॉर्पोरेट बिल्डिंग शामिल है। अमेजन ने 2023 में हैदराबाद में अपना समर्पित एयर कार्गो नेटवर्क 'अमेजन एयर' लॉन्च किया। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने हैदराबाद को एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में नामित किया है और तीन बड़े डेटा सेंटर पहले से ही चालू हैं। उन्होंने हैदराबाद में नए हाइपरस्केल डेटा सेंटर सहित अपने व्यवसाय के आगे विस्तार की योजनाओं को साझा किया जो एआई/एमएल सक्षम सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मंत्री श्रीधर बाबू, जिन्होंने चर्चाओं का नेतृत्व किया। अमेजन के साथ हमारी बातचीत बेहद सकारात्मक और सफल रही।

हमने निगम को आश्वासन दिया कि हम उन्हें हैदराबाद में उनके लक्ष्यों को सफल बनाने के लिए सर्वोत्तम प्रोत्साहन और पूर्ण समर्थन प्रदान करेंगे। हमें अपने राज्य में उनकी उपस्थिति के बड़े पैमाने पर विस्तार की उम्मीद थी।

बैठक के बाद बोलते हुए, अमेजन वेब सर्विसेज में डेटा सेंटर प्लानिंग और डिलीवरी के उपाध्यक्ष केरी पर्सन ने कहा, मैं भारत में एडब्ल्यूएस की रणनीति के एक अभिन्न अंग के रूप में हैदराबाद, तेलंगाना में हमारे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का और विस्तार करने के अवसर से उत्साहित हूं।

हमें उम्मीद है कि हैदराबाद में एडब्ल्यूएस क्षेत्र निकट भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित भारत में क्लाउड सेवाओं के एडब्ल्यूएस के विकास का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एडब्ल्यूएस तेलंगाना की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है, राज्य और देश भर में हमारे ग्राहकों और भागीदारों को सशक्त बनाकर भारत के ट्रिलियन डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है, तेलंगाना में अमेजन वेब सर्विसेज व्यवसाय के विस्तार के साथ, राज्य भारत में क्लाउड और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है।

अमेजन कंप्यूटिंग, स्टोरेज, डेटाबेस, नेटवर्किंग, मशीन लर्निंग, एनालिटिक्स और अन्य सेवाओं सहित क्लाउड बिजनेस सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें अब एआई भी शामिल होगा। वाशिंगटन डीसी, यूएसए में मुख्यालय वाले अमेजन का बाजार पूंजीकरण $1.89 ट्रिलियन से अधिक है और दुनिया भर में इसके 1.5 मिलियन से अधिक कर्मचारी हैं।

आर्थिक झटके की दी चेतावनी

राज्य की आर्थिक प्रतिष्ठा दांव पर : केटीआर

अमरा राजा समूह को लेकर जताई चिंता

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अमरा राजा समूह के तेलंगाना से बाहर निकलने की संभावना पर गंभीर चिंता व्यक्त की, उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य की आर्थिक प्रतिष्ठा दांव पर है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से नीतिगत निरंतरता को प्राथमिकता देने और राजनीतिक मतभेदों के कारण ब्रांड तेलंगाना को खतरे में डालने से बचने का आग्रह किया। रामा राव ने यह अपील अमारा राजा समूह के अध्यक्ष जयदेव गल्ला के इस बयान के मद्देनजर की है कि यदि तेलंगाना सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान नहीं करती है तो कंपनी अन्यत्र विस्तार पर विचार कर सकती है।

उन्होंने कहा कि हमने अमरा राजा को तेलंगाना में 9,500 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए मनाने के लिए बहुत मेहनत की। सरकार एक ऐसी संस्था है जिसे नीतिगत निरंतरता सुनिश्चित करनी चाहिए। रामा राव ने हाल ही में अन्य प्रमुख निवेशों के नुकसान की याद दिलाई, जिसमें केनेस टेक्नोलॉजी शामिल है, जो गुजरात चली गई, और कॉर्निंग प्लांट, जो चेन्नई में स्थानांतरित हो गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमरा राजा अब चले गए, तो यह एक आपदा होगी। रामा राव ने जोर देकर कहा कि राजनीतिक मतभेदों के कारण तेलंगाना की आर्थिक वृद्धि को कम नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस सरकार से अपील की कि वह तेलंगाना में अपनी कंपनियां स्थापित करने वाले सभी निवेशकों से पिछली बीआरएस सरकार द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करे, साथ ही उन्होंने राज्य के व्यापारिक गंतव्य के रूप में आकर्षण को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

छात्र ने पैदल यात्री को कार से मारी टक्कर

नशे में धुत था कार चालक

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के जीडीमेटला में रविवार की सुबह एक तेज रफ्तार कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। कार कथित तौर पर नशे में धुत एक डिग्री छात्र द्वारा चलाई जा रही थी।

जीडीमेटला के गजुलारामरम निवासी और सुरक्षा गार्ड बाशा गोपी (38) सड़क पर चल रहे थे, तभी देवेंद्र नगर से गजुलारामरम जाने वाले मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घटना के समय कार में डिग्री छात्र मनीष गौड़ (20) और उसके पांच दोस्त सवार थे। एसयूवी ने गोपी को टक्कर मार दी और वह हवा में उछलकर जमीन पर गिर गया।

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जीडीमेटला इंस्पेक्टर मल्लेश ने कहा कि मनीष को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि उसके पांच दोस्त भागने में सफल रहे। हमने ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराया और पाया कि मनीष कार चलाते समय शराब के नशे में था। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मनीष और उसके पांच दोस्तों ने पार्टी की थी और जब यह घटना हुई तब वे घर लौट रहे थे।

जालसाजों ने छात्रा के माता-पिता को धमकाया

निर्मल, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने भैंसा स्थित एक सरकारी आवासीय विद्यालय की छात्रा के माता-पिता को पुलिसकर्मी बनकर फोन किया और दावा किया कि उन्होंने रविवार को बच्ची को मादक पदार्थ बेचते हुए पकड़ा है। अज्ञात लोगों ने भैंसा के एलीगांव के कांबले वेंकटेश से फोन पर संपर्क किया और कहा कि उन्होंने उनकी बेटी को तब हिरासत में लिया था जब वह ड्रग्स बेच रही थी। इसके बाद उन्होंने धमकी दी कि अगर वह 10 मिनट के भीतर उनसे नहीं मिले तो वे उनकी बेटी को मार देंगे। घबराकर वेंकटेश ने फोन काट दिया और स्कूल के अधिकारियों से संपर्क किया। वेंकटेश ने राहत की सांस ली जब उन्होंने पाया कि उनकी बेटी स्कूल में सुरक्षित है। भैंसा पुलिस ने जनता से उन धोखेबाजों से सावधान रहने का अनुरोध किया है जो फोन करके और खुद को पुलिस बताकर भोले-भाले लोगों को ठगते हैं।

कृष्णा नदी के तटवर्ती निवासियों को किया गया सावधान

अमरावती, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने रविवार को कर्नाटक में तुंगभद्रा बांध के एक गेट के बह जाने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मनाथ ने बताया कि चेन लिंक टूटने के कारण गेट नंबर 19 बाढ़ के पानी की तीव्रता के कारण बह गया।

रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना शनिवार रात होस्पेट में हुई। उन्होंने

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि लगभग 35,000 क्यूसेक बाढ़ का पानी बह चुका है और कुल 48,000 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा। कुरनूल जिले के कोसिरी, मंत्रालयम, नंदवरम और कौथलम के लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। इसके अलावा, प्रबंध निदेशक ने कृष्णा नदी के तटीय निवासियों को नहरों और धाराओं को पार करने से बचने की सलाह दी।

सीताराम परियोजना पंप हाउसों का ट्रायल रन सफल

खम्मम, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीता राम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के पंप हाउसों का ट्रायल रन रविवार को खम्मम जिले में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, तुम्माला नागेश्वर राव और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने संयुक्त रूप से सीताराम परियोजना के ट्रायल रन का उद्घाटन किया और क्षेत्र स्तर पर पंप हाउसों की स्थिति की जांच की। इस अवसर पर बोलते हुए सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तीन पंप हाउस शुरू होने के लिए तैयार हो रहे हैं और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 15 अगस्त को खम्मम जिले के वायरा में परियोजना का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) को परियोजना द्वारा अब तक प्राप्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और अन्य मंजूरियां पहले ही सौंप दी हैं, जिसमें सीताराम परियोजना के लिए गोदावरी जल से 67 टीएमसी पानी के आवंटन की मांग की गई है, जिसका उद्देश्य नागार्जुनसागर के अंतिम छोर के 3.45 लाख एकड़ क्षेत्र को स्थिर करना और खम्मम, भद्राद्री-कोत्तागुडेम और महबूबाबाद जिलों में 3.29 लाख एकड़ (कुल 6.74 लाख एकड़) सिंचाई क्षमता का सृजन करना है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, परियोजना के पंप हाउसों के उद्घाटन के बाद 15 अगस्त को खम्मम के वायरा में एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की जाएगी। मंत्री ने सीताराम परियोजना के तहत वितरणियों के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

रवींद्र भारती रंगप्रवेश में कामतम बहनों का जलवा

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुचिपुड़ी गुरु दीपिका रेड्डी के शिष्य, भाई-बहन सैमु और खुशी कामतम ने रवींद्र भारती में मनमोहक रंगप्रवेशम किया। सम्यु और ख़ुशी ने अपनी सुंदर मुद्राओं और अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया और उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। प्रदर्शन की शुरुआत भगवान शिव को समर्पित एक नोट या शपथ के रूप में गणेश और तरंगम के आह्वान से हुई। इसके बाद बहनों द्वारा भगवान कृष्ण और गोपिका के साथ मधुरा का एक मनमोहक प्रदर्शन किया गया। इसके बाद, कलिकाष्टकम और काली कौथवम का प्रदर्शन किया गया। बहनों ने अलारुलु कुरियागा भी प्रस्तुत किया और थिलाना के साथ समापन किया। रंगप्रवेशम में मुख्य अतिथि अभिनेता और निर्देशक डॉ. तनिकेला भरानी और लतामा फाउंडेशन की ट्रस्टी माधवी लता थीं। ऑर्केस्ट्रा में गायक के रूप में दंडीभोटला श्रीनिवास वेंकट शास्त्री, मृदंगम पर के. राजगोपालाचार्य, वायलिन पर के. साई कुमार, बांसुरी पर वीबीएस मुरली और विशेष प्रभावों के लिए डी. जयकुमार आचार्य शामिल थे। सम्यु ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस से रोबोटिक्स में माइनर के साथ कंप्यूटर साइंस में प्रौद्योगिकी में स्नातक की डिग्री पूरी की है, जबकि ख़ुशी वर्तमान में बिट्स, हैदराबाद में कंप्यूटर साइंस में डिग्री की पढ़ाई कर रही है।

13, 14 अगस्त को तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों पर फोटो प्रदर्शनी

निजामाबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद शहर के निजामाबाद सरकारी डिग्री कॉलेज में 13 और 14 अगस्त को प्रमुख तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों पर एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। फील्ड पब्लिसिटी ऑफिसर बी धर्म नाइक के अनुसार, फोटो प्रदर्शनी का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को ब्रिटिश शासन से भारत को मुक्त कराने के लिए तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों और प्रयासों के बारे में शिक्षित करना है।

उन्होंने कहा कि फोटो प्रदर्शनी में रंजिगोंडू, कुमुराम भीम, चकली ऐलम्मा, स्वामी रामानंद तीर्थ, अल्लूरी सीतारामाराजू और तंगुतुरी प्रकाशम पंतुलु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा।

वायरल बुखार से दिहाड़ी मजदूर की मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एक 32 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर की रविवार को मंचेरियल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान वायरल बुखार से मौत हो गई। कोउटाला मंडल के गुंडेपेट गांव के कालिदास को कुछ दिन पहले वायरल बुखार का पता चला था।

इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। गांव में यह दूसरी मौत थी। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से वायरल बुखार के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय पूर्व छात्र आए एक साथ

मनाया गया रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान संकाय (एससीआईएस) ने रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाया, जिसमें एमटेक 1998-99 बैच के पूर्व छात्र एक साथ आए। इस पुनर्मिलन में पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिन्होंने विभिन्न उद्योगों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अग्रणी उद्यमियों से लेकर अग्रणी शोधकर्ताओं तक, इस सभा ने पेशेवर दुनिया पर एससीआईएस के प्रभाव का जश्न मनाया।

पूर्व छात्र और टाइड डेटा साइंस के प्रमुख सूर्यनारायण मूर्ति ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में अपने परिवर्तनकारी अनुभव के बारे में बताया कि किस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा रखी गई नींव ने उन्हें वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैंकिंग जैसे विविध क्षेत्रों में सफल करियर बनाने में मदद की। कई अन्य पूर्व छात्रों ने हैदराबाद विश्वविद्यालय में बिताए समय को याद करते हुए अपने पाठ्यक्रमों, असाइनमेंट और अपने प्रोफेसरों के साथ बिताए यादगार पलों को याद किया।

बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी ने बंडी संजय की आलोचना की

हैदराबाद, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस पार्टी नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने आज कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय की टिप्पणी यह साबित करने का सबूत है कि कांग्रेस और भाजपा तेलंगाना में एक साथ काम कर रहे थे। रविवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, श्रीधर रेड्डी ने पूछा, संजय कैसे कह सकते हैं कि रेवंत रेड्डी केटीआर को जेल में डाल देंगे। उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्रीय मंत्री बंडी संजय का इस तरह की मूर्खतापूर्ण टिप्पणी करना उचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना से दो केंद्रीय मंत्री केंद्रीय मंत्रिमंडल में हैं। उन्होंने संजय से पूछा कि क्या वह नई पुलिया के लिए धन लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि संजय बिना सोचे-समझे बातें करके अपनी छवि खो रहे हैं। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, यह कहना हास्यास्पद है कि अगर केटीआर को गिरफ्तार नहीं किया गया तो मैं रेवंत रेड्डी के खिलाफ युद्ध छेड़ दूंगा। मुझे समझ में नहीं आता कि बंडी संजय केंद्रीय मंत्री हैं या कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब भी वे सीएम की आलोचना करते हैं तो बंडी संजय सीएम रेवंत का समर्थन करते हैं। उन्होंने पूछा कि क्या केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी यह कहकर अंबरपेट से भाग नहीं गए कि वह अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र में बीआरएस पार्टी से हार जाएंगे। उन्होंने आश्चर्य जताया कि विधानसभा में भी भाजपा विधायक कांग्रेस पार्टी का समर्थन कर रहे हैं।

जालसाजों ने ठगे 88,000 रुपये

मंचेरियल, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने रविवार को नकद पुरस्कार की आड़ में लक्सेटीपेट मंडल के कोट्टूर गांव में एक व्यक्ति के बैंक खाते से 88,000 रुपये निकाल लिए। लक्सेटीपेट इंस्पेक्टर आलम नरेंद्र ने कहा कि जालसाजों ने पीड़ित के मोबाइल फोन पर इंस्टैंट मैसेजिंग एप्लीकेशन टेलीग्राम पर एक लिंक भेजा और उसे खोलकर 900 रुपये का दावा करने को कहा। जालसाजों ने पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए पहले तो पैसे ट्रांसफर कर लिए और फिर चरणबद्ध तरीके से उससे 88,807 रुपये निकाल लिए। जब पीड़ित को पुरस्कार नहीं मिला तो उसने पुलिस से संपर्क किया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि वे साइबर धोखाधड़ी की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर 1903 पर कॉल करें।

धान की खेती का रकबा घटा : कोठा प्रभाकर

सिद्दीपेट, 11 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दुब्बाका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा गोदावरी नदी का पानी नहरों, झरनों और तालाबों में छोड़ने में विफल रहने के कारण दुब्बक विधानसभा क्षेत्र के वनकालम में धान की खेती का रकबा पिछले साल के 1.70 लाख एकड़ की तुलना में इस साल घटकर 25,000 एकड़ रह गया है।

रविवार को दुब्बाका में लाभार्थियों को सीएमआरएफ चेक वितरित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि गोदावरी का पानी एक महीने से अधिक समय से समुद्र में बह रहा है। बीआरएस पार्टी द्वारा बार-बार की गई मांगों और विरोध के बाद, दुब्बाका विधायक ने कहा कि सिंचाई विभाग ने

कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के हिस्से के रूप में सिद्दीपेट जिले में बनाए गए जलाशयों में पानी पंप करना शुरू कर दिया है।

रेड्डी ने कहा कि बरसात के मौसम में गांवों में सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी क्योंकि सरकार ग्राम पंचायतों को धन जारी नहीं कर रही थी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि सरकार ने उन्हें सात महीने से वेतन नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि चूंकि सड़कें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, इसलिए अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करने के लिए ग्रामीण सड़कों पर धान की रोपाई कर रहे हैं।

विधायक ने रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के 300 लाभार्थियों को 80 लाख रुपये के सीएमआरएफ चेक वितरित किए। इस अवसर पर एससी-एसटी आयोग के अध्यक्ष बक्की वेंकटैया, बीआरएस नेता रोट्टे राजमौली, गन्ने वनिता और अन्य लोग मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.